@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 22 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 109 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जेवर में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास

प्रधानमंत्री बोले- दुनिया भारत को टेक फ्यूचर का केंद्र मान रही है

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश के जेवर में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इंडिया चिप' का शिलान्यास किया। यह परियोजना एचसीएल और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित की जा रही है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को टेक्नोलॉजी के भविष्य के केंद्र के रूप में देख रही है और भारत सॉफ्टवेयर के साथ-साथ हार्डवेयर के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर तीव्र गति से कार्य कर रहा है। उन्होंने लाल किले से दिए अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पास रुकने या ठहरने का समय नहीं है। वर्ष 2026 की शुरुआत से ही देश ने विकास की रफ्तार और तेज कर दी है। 12 जनवरी को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में लाखों युवाओं की भागीदारी, 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन और इंडिया एनर्जी समिट जैसे कार्यक्रमों ने भारत की क्षमता को वैश्विक मंच

पर मजबूती से प्रस्तुत किया है। हाल ही में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' में विश्व के अनेक राष्ट्राध्यक्षों और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों की उपस्थिति ने भारत के एआई सामर्थ्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विश्व को संचालित करने के लिए जिस प्रोसेसिंग पावर की आवश्यकता है, उसमें भारत शीर्ष देशों की पंक्ति में आने का प्रयास कर रहा है। भारत सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों पहलुओं पर समान रूप से काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का प्रमुख केंद्र बनना हम सभी के लिए गर्व की बात है। एचसीएल और फॉक्सकॉन की यह नई फैक्टरी राज्य को टेक्नोलॉजी पावरहाउस के रूप में नई पहचान देगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सांसद के रूप में यह उनके लिए विशेष गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित होती है, वहां डिजाइन सेंटर, अनुसंधान एवं विकास केंद्र और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी विकसित होते हैं। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि यह दशक भारत का 'टेक-एड' है और 21वीं सदी में ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी, डिजिटल इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भारत अभूतपूर्व निवेश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक 10 फैब्रिकेशन और पैकेजिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें से चार शीघ्र उत्पादन शुरू करने वाली हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 20वीं सदी में जिस देश के पास तेल था, वही समृद्ध माना जाता था, लेकिन 21वीं सदी में वही शक्ति छोटी सी चिप और उससे जुड़ी स्किल एवं मटीरियल के पास है। कोरोना महामारी के दौरान चिप सप्लाई चेन में आई बाधाओं से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने उस संकट से सीखकर आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

भगवंत मान सरकार की शिक्षा क्रांति के ऐतिहासिक परिणाम सामने आने लगे, सरकारी स्कूलों के 305 विद्यार्थियों ने पास किया जेईई मेन्स: हरजोत सिंह बैंस

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 21 फरवरी। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज पंजाब भवन में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर सुधारों के कारण राज्य के सरकारी स्कूलों के 305 विद्यार्थियों ने पहली कोशिश में ही जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) मेन्स-2026 पास करने में सफलता हासिल की है, जो पिछले साल के 187 सफल उम्मीदवारों से 63 प्रतिशत की शानदार वृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने इस उपलब्धि को राज्य की स्कूल शिक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण बताया। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब के पांच विद्यार्थियों ने भी यह प्रतिष्ठित परीक्षा पास की है। उन्होंने घोषणा की कि सरकार योग्य विद्यार्थियों को जेईई एडवांस की तैयारी के लिए तीन हफ्तों का विशेष आवासीय प्रशिक्षण कैंप लगाएगी ताकि अगले चरण के लिए उनका उचित मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जा सके। स. बैंस ने कहा, यह उपलब्धि हमारे पूरे स्कूल शिक्षा विभाग के लिए बहुत गर्व की बात है। मैं अपने सभी समर्पित शिक्षकों का दिल से धन्यवाद करता हूं। हाल ही में आए जेईई मेन्स फेस 1 के परिणामों ने पंजाब के सरकारी स्कूलों के शानदार प्रदर्शन की

तस्वीर पेश की है, जिसमें 305 विद्यार्थियों ने प्रतियोगी इंजीनियरिंग परीक्षा पास की है। यह उपलब्धि पिछले साल के 187 सफल उम्मीदवारों से 63 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक साल में ही इतना मील का पत्थर स्थापित करना हमारी पंजाब शिक्षा क्रांति पहल की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हम अपनी प्रगति को और तेज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन विद्यार्थियों की सफलता की कहानियां साझा करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्या, जो स्कूल ऑफ एमिनेंस, टाउन हॉल, अमृतसर का 12वीं कक्षा नॉन-मेडिकल का विद्यार्थी है, ने 98.182 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, भले ही वह सिर्फ 1.5 लाख की वार्षिक आय वाले गरीब परिवार से आता है। उसके पिता मोबाइल मरम्मत की दुकान चलाते हैं और मां कपडे सिलती है। मंत्री ने बताया कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद, इंजीनियरिंग करने और अपने परिवार के आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने का उसका इरादा अडिग रहा। स्कूल के पूर्ण समर्थन और अनुशासित तैयारी के कारण उसने शानदार सफलता हासिल की। शिक्षा मंत्री ने आगे बताया कि बठिंडा के सरकारी स्कूल के विद्यार्थी दिलखुश झाअ ने जेईई मेन्स में 95.091 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। एक मजदूर पिता और गृहिणी मां तथा सिर्फ 1.2 लाख की वार्षिक पारिवारिक आय वाले इस मेहनती विद्यार्थी ने स्व-अध्ययन और पीस क्लासेस के माध्यम से यह सफलता हासिल की।

शेष पृष्ठ 3 पर

नौसेना प्रमुख ने बढ़ते समुद्री खतरों पर जताई चिंता

कौमी पत्रिका

पणजी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने शनिवार को समुद्री खतरों से निपटने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के देशों के बीच अधिक एकता का आह्वान किया। इन खतरों में , जिनमें समुद्री डकैती, अवैध प्रवासन और मादक पदार्थों की तस्करी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि समुद्र में आपराधिक नेटवर्क %अधिक संगठित, तकनीकी रूप से जागरूक और परस्पर जुड़े हुए% हो गए हैं। उन्होंने ठोस नतीजे पाने के लिए सहयोगात्मक अभियानों की आवश्यकता पर जोर दिया। गोवा के नौसेना युद्ध महाविद्यालय में आयोजित गोवा समुद्री सम्मेलन (जीएमसी) के पांचवें संस्करण में समापन भाषण देते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि यह मंच संवाद-आधारित मंच से विकसित होकर कार्रवाई-उन्मुख ढांचे में तब्दील हो गया है। द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन %हिंद महासागर क्षेत्र में सामान्य समुद्री सुरक्षा चुनौतियां - गतिशील खतरों को कम करने के लिए प्रयासों की प्रगतिशील दिशाएं (एलएसओई)% विषय के तहत किया गया था। इसमें कोमोरोस, केन्या, मालदीव और सेशेल्स सहित 14 प्रतिभागी देशों की नौसेनाओं और समुद्री एजेंसियों के प्रमुखों के साथ-साथ बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मलयेशिया, मॉरीशस, म्यांमार, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और थाईलैंड के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। प्रमुख सुरक्षा चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए नौसेना प्रमुख ने अवैध, बिना रिपोर्ट किए और अनियमित (डू) मछली पकड़ने को प्राथमिक समुद्री खतरों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि आईएफसी (सूचना संलयन केंद्र)-आईओआर की हालिया वार्षिक रिपोर्ट में पिछले दो वर्षों की तुलना में अवैध और अनियमित मछली पकड़ने की घटनाओं में गिरावट दर्ज की गई है, जो बढ़ी हुई गश्त, बेहतर निगरानी और अधिक मजबूत प्रवर्तन के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है। नौसेना प्रमुख ने कहा, %हालांकि, उच्च मूल्य वाली प्रजातियों को लगातार निशाना बनाए जाने और अवैध शिकार की लगातार घटनाओं से कानूनी ढांचे, क्षेत्रीय सहयोग तंत्र, उन्नत निगरानी प्रौद्योगिकियों और समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों को और मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित होती है।% उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन विशाखापत्तनम में हुए प्रमुख समुद्री आयोजनों के तुरंत बाद आयोजित किया गया, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आईएफआर), द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास मिलन और हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) के प्रमुखों का सम्मेलन शामिल हैं।

तिरुपति लड्डू घी मिलावट मामले में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू का बयान

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने वाईएसआर कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वे तिरुपति लड्डू घी में कथित मिलावट के मामले में दूसरों पर दोष डालकर ज़िम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहे हैं। स्वर्ण आंध्र स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम के मौके पर नायडू ने विपक्षी पार्टी के नेताओं का ज़िक्र करते हुए कहा लड्डू घी में मिलावट की गलती से बचने के लिए वे इसे दूसरों पर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि क्या करना है। सीएम के मुताबिक सीबाई की अगुवाई वाली एसआईटी ने पाया कि तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को संचालित करने वाली टीटीडी को घी के रूप में सप्लाई किया गया पदार्थ बिल्कुल भी शुद्ध घी नहीं था।

नासमझी वाली विदेश नीति या एकतरफा सरेंडर: खरगे

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ हालिया व्यापार समझौते को लेकर देश की सियासत में गर्माहट तेज है। इसी बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को मोदी सरकार की विदेश नीति और अमेरिका के साथ

हुए व्यापार समझौते को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जब अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ को लेकर मामला चल रहा था, तो भारत सरकार ने फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया और जल्दबाजी में समझौता क्यों कर लिया। खरगे ने कहा कि यह साफ नहीं है कि सरकार की विदेश नीति में भ्रम है या फिर एकतरफा झुकाव। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डील में भारत ने बड़े समझौते किए हैं। उनके मुताबिक, संयुक्त बयान में कई अमेरिकी उत्पादों पर शून्य टैरिफ (जीरो ड्यूटी) की बात कही गई है, जिससे भारतीय बाजार, खासकर कृषि क्षेत्र, अमेरिकी सामान के लिए खुल सकता है। खरगे ने आगे यह भी कहा कि इस समझौते में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान आयात करने की बात शामिल है। साथ ही, रूस से तेल खरीदना बंद करने का वादा भी बताया जा रहा है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। डिजिटल व्यापार से जुड़े कुछ टैक्स में छूट देने की बात भी सामने आई है। खरगे ने प्रधानमंत्री से सीधे सवाल करते हुए कहा कि देश को सच बताया जाए। उन्होंने पूछा कि आखिर किस दबाव में आकर राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वतंत्रता से समझौता किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को 140 करोड़ भारतीयों, किसानों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों और व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और सम्मानजनक व्यापार समझौता करना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर बयानबाजी तेज तब हुई जब अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया है। 6-3 के फैसले में अदालत ने कहा कि आपातकालीन शक्तियों के तहत कांग्रेस की मंजूरी के बिना आयात शुल्क लगाना अवैध है। फैसले के बाद ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं हुआ है और भारत के साथ समझौका जारी है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर निराशा भी जताई और कहा कि यह निर्णय उनके आर्थिक एजेंडे के खिलाफ है।

देश में 32 विश्वविद्यालय फर्जी, यूजीसी ने जारी ताजा सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश में चल रहे 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। ये गैर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय खुद को वैध बताकर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। यूजीसी ने चेतावनी दी है कि इनमें से मिली डिग्री नौकरी और उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अवैध हैं। यूजीसी की राज्यवार फर्जी संस्थानों की सूची में सबसे ज्यादा 12 संस्थान दिल्ली में हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 4 फर्जी संस्थान हैं। यूजीसी ने साफ किया है कि ये 32 संस्थान यूजीसी अधिनियम, 1956 के तहत किसी भी रूप में डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है। आयोग ने कहा कि इन संस्थानों को न केंद्र सरकार से मान्यता मिली है और न ही किसी राज्य सरकार से मान्यता हासिल की है। यूजीसी ने छात्रों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता की स्थिति यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य जांच लें।

राज्य के हिसाब से नकली यूनिवर्सिटी की संख्या इस तरह है-दिल्ली में सबसे ज्यादा 12, उत्तर प्रदेश में 4, आंध्र प्रदेश में 2, कर्नाटक में 2, केरल में 2, महाराष्ट्र में 2, पुडुचेरी में 2, पश्चिम बंगाल में 2, अरुणाचल प्रदेश में 1, हरियाणा में 1, झारखंड में 1 और राजस्थान में 1नकली यूनिवर्सिटी संचालित हो रही है।

दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, अनियत्रिंत होकर कार तालाब में डूबी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कानपुर देहात जिले में एक दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हुई। जानकारी के अनुसार, औरैया जिले का रहने वाला परिवार कल्याणपुर में एक रिश्तेदार के घर समारोह में शामिल होकर लौट रहा था। तभी सवई गांव के पास उनकी निजी वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन में कुल 11 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, इसके बाद वैन सीधे तालाब में चली गई और गहरे पानी में डूबने लगी। लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। शिवली थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। जेसीबी मशीन और स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद वैन को तालाब से बाहर निकाला गया। इस हादसे में राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बेटी हिमांशी अग्निहोत्री (30) और दो वर्षीय पोते शिव अग्निहोत्री की मौत हो गई। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फरार चालक राजकुमार की तलाश जारी है। इसी तरह का एक और हादसा संभल जिले में सामने आया। मझावली गांव के पास तेज रफ्तार कार ट्राई साइकिल को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर तालाब में जा घुसी। इस घटना में वीरपाल नामक युवक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लगातार हो रहे इसतरह हादसे सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

दुष्कर्म की कोशिश में असफल होने पर आरोपी कर्नल कुरै ने की थी शर्मिला की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुए महिला टेक्नीशियन शर्मिला की हत्या मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मंगलौर निवासी शर्मिला का शव 16 जनवरी को राममूर्ति नगर स्थित उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। जांच में सामने आया कि उसकी हत्या पड़ोस में रहने वाले 18 वर्षीय युवक कर्नल कुरै ने की थी। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने शर्मिला के फ्लैट में घुसने से पहले कई बार रेकी की थी और हवस के चलते दुष्कर्म की कोशिश में असफल होने पर हत्या कर दी। कुरै ने कबूल किया कि उसने शर्मिला को पीछे से पकड़ लिया और जब शर्मिला ने विरोध किया, तब उसका सिर सोफे से टकरा गया। इसके बाद उसने दोनों हाथों से गला दबाकर उसकी हत्या की। हत्या के बाद आरोपी ने शर्मिला के कपड़े उतारकर उन्हीं से खून साफ किया और पानी से धो दिया। इसके बावजूद आरोपी ने मृतक शर्मिला के शव के साथ भी अश्लील हरकत करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शव को अलमारी से कपड़े पहनाकर सीधे लिटा दिया ताकि किसी को शक न हो। उसने पहले बिस्तर पर टॉप और कुछ कपड़े रखकर टिश्यू पेपर से आग लगाने की भी कोशिश की थी, लेकिन पैंट गायब हो गई, जिसे उसने पड़ोस के पेड़ पर फेंक दिया। इसके अलावा उसने युवती का मोबाइल भी अपने साथ ले लिया। राममूर्ति नगर पुलिस की लगातार पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर कुरै ने पूरा मामला कबूल कर लिया है। पुलिस अभी आरोपी से और जानकारी जुटा रही है, ताकि उसके मानसिक स्थिति और घटना के पीछे के कारणों का पूरा पता लगाया जा सके। यह मामला न सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए बल्कि पूरे शहर में गंभीर चिंता का विषय बन गया है। यह घटना महिलाओं की सुरक्षा और पड़ोसी के भरोसे पर उठाए जाने वाले सवालों को भी उजागर करती है, जबकि आरोपी की मानसिक स्थिति और उसकी पूर्व योजना इस मामले को और भी भयानक बनाती है

कोटा में अवैध हथियार के साथ पकड़ाया युवक, रह चुका है यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस के मुताबिक उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि नया नोहरा रोड इलाके में एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है और उसके पास अवैध हथियार हो सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुए। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने यह पिस्टल कथित तौर पर कोहिनूर गैंग के कुछ सदस्यों से खरीदी थी। पुलिस को शक है कि वह इस हथियार को आगे किसी और को बेचने की फिराक में था। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि हथियार किसे और किस मकसद से बेचा जाना था। आरोपी कांग्रेस की यूथ विंग से जुड़ा बताया जा रहा है और वह पहले विधानसभा क्षेत्र का यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अब पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है।

अमेरिकी टैरिफ पर कांग्रेस ने कहा- मामला कोर्ट में था, केंद्र को जल्दबाजी नहीं करना थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ को लेकर अमेरिकी अदालती घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के साहसिक कदम की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अदालत की वैचारिक बनावट के बावजूद 6-3 का यह निर्णय ट्रंप की पूरी टैरिफ रणनीति के लिए एक बड़ा झटका है। रमेश के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा उदाहरण है। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले के बहाने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अमेरिकी अदालत में यह मामला लंबित था, तो भारत सरकार ने इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई?

खेड़ा ने आरोप लगाया कि यदि भारत कुछ दिन और इंतजार करता, तो देश एकतरफा और कथित तौर पर भारत-विरोधी व्यापार सौदे में फंसने से बच सकता था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फरवरी की शुरुआत में वॉशिंगटन को किए गए फोन कॉल और भारत की शुरुआती इंतजार करने की रणनीति में आए बदलाव पर सवाल उठाते हुए इसे कूटनीतिक चूक करार दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी अदालत का यह फैसला वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य को बदल सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप जिस आपातकालीन कानून के सहारे वैश्विक व्यापार को अपने अनुसार ढालने की कोशिश कर रहे थे, उसे अब कानून सम्मत नहीं माना गया है। इससे उन देशों को बड़ी राहत मिली है जो अमेरिकी टैरिफ के कारण आर्थिक दबाव झेल रहे थे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिकी प्रशासन इस कानूनी बाधा के बाद अपनी नई आर्थिक रणनीति किस प्रकार तैयार करता है और भारत के साथ हुए हालिया समझौतों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए व्यापक व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) के बड़े हिस्से को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। 6-3 के बहुमत से आए इस निर्णायक फैसले ने न केवल ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मुख्य स्तंभ को ध्वस्त कर दिया है, बल्कि भारत सहित अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के लिए भी नई स्थितियां पैदा कर दी हैं। इस अदालती आदेश के बाद भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है, जहाँ विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की विदेश और व्यापार नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का पक्ष रखते हुए राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों की संवैधानिक सीमाओं को स्पष्ट किया। अदालत ने यह निर्धारित किया कि राष्ट्रपति के पास 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत बिना संसदीय अनुमति के वैश्विक व्यापार को पूरी तरह से पुनर्गठित करने या असीमित मात्रा और अवधि के लिए आयात शुल्क थोपने का अधिकार नहीं है। फैसले में स्पष्ट किया गया कि इस तरह के व्यापक आर्थिक बदलावों के लिए स्पष्ट विधायी अनुमति अनिवार्य है और राष्ट्रपति एकतरफा तरीके से इन शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते।

वलसाड में कार-ट्रक की भीषण टक्कर में चली गई सात लोगों की जान

-कुंभ घाट के पास हुआ दर्दनाक हादसा, एक गंभीर घायल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के कपराडा इलाके में कुंभ घाट के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इको कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग आंबा जंगल क्षेत्र के निवासी थे और कपराडा से नानापोढ़ा की ओर जा रहे थे। कुंभ घाट के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही सात लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के रूप में हुई है, जिससे पूरे इलाके में मातम पसर गया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद हटाया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और घाट क्षेत्र की घुमावदार सड़क को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद के नारे लगाकर लखनऊ में भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने वीवीआईपी गेस्ट हाउस के सामने से कांग्रेस दफ्तर की ओर कूच किया। इस दौरान पुलिस ने रोड को बैरिकेड करके पूरी तरह जाम किया है। भाजयुमोकार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी होश में आओ, होश में आओ और राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए और कांग्रेस नेता का पुतला जलाया।

इस प्रदर्शन में लखनऊ के भाजयुमो महानगर, भाजपा पार्षद और अन्य पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वीवीआईपी गेस्ट हाउस के पास इकट्ठा हुए। यह प्रदर्शन इंटरनेशनल एआई समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्ट उतारकर प्रदर्शन के विरोध में किया जा रहा है। भाजयुमो के उपाध्यक्ष संजय शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा का विरोध करते-करते देश का विरोध कर रहे हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही एआई समिट में अपने कार्यकर्ता भेजकर वहां नग्न प्रदर्शन करवाया। इस प्रदर्शन से देश की छवि धूमिल हुई।

प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रियांशु दास द्विवेदी ने कहा कि राहुल गांधी लगातार इसतरह के बयान दे रहे हैं जो देश की एकता और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व जनता को गुमराह करने का काम कर रहा है और भाजपा कार्यकर्ता इसका विरोध लोकतांत्रिक तरीके से कर रहे है। भाजपा नेता नीरज सिंह ने भी कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दों से भटक चुकी है और केवल बयानबाजी की राजनीति कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने देश की छवि को नुकसान पहुंचाया : रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए हंगामे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने न केवल राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि देश की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। रिजिजू के अनुसार, इस तरह का आचरण भारत को वैश्विक स्तर पर शर्मसार करता है और इससे गलत संदेश जाता है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर हंगामा करना या देश के खिलाफ माहौल बनाना उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सरकार का विरोध करने के बजाय देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने की राजनीति कर रही है। मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर भी टिप्पणी की। उनका दावा है कि लगातार चुनावी हार से पार्टी हताश हो चुकी है और इसी कारण वह इस तरह के कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जनता बार-बार कांग्रेस को नकार रही है, जिससे पार्टी में बेचैनी और बौखलाहट बढ़ रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को 'नासमझ' करार देकर आरोप लगाया कि वे विदेशों में भारत के खिलाफ बयान देते हैं, जो देशहित में नहीं है। इसके विपरीत, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने और विश्व कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इस पूरे विवाद ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है, और आने वाले दिनों में इस पर बयानबाजी और तेज होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में सड़क किनारे रखा था आईईडी, सुरक्षाबलों ने की आतंकी साजिश नाकाम

दिल्ली में चांदनी चौक के कुछ धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सड़क के किनारे ही इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोजिव डिवाइस (आईईडी) मिला है। कोहेस्तान कॉलोनी के पास ही गुलाब शेख मोहल्ले में इसे सड़क किनारे एक बैग में रखा गया था। हालांकि एजेंसियों को इसकी जानकारी मिल गई और बम निरोधक दस्ते ने पहुंचकर इसे निष्क्रिय कर दिया। एक दिन पहले ही बारामुला जिले के जांबाजपोरा इलाके में आईडी मिला था। सेना ने आईईडी मिलने के बाद इसे निष्क्रिय कर दिया। सेना का कहना है कि यह आर्तकियों की साजिश है। बता दें घाटी में सुरक्षाबलों की सतर्कता और एजेंसियों के अलर्ट के चलते कई हादसे टाले गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से समेत प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि लश्कर-ए-तैयबा ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी खुफिया सूचना है कि चांदनी चौक स्थित एक मंदिर को भी निशाना बनाया जा सकता है। खुफिया जानकारी का सत्यापन और आकलन किया जा रहा है। इसके मद्देनजर संवेदनशील धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि लश्कर-ए-तैयबा आईईडी आधारित हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक हमले की यह कथित साजिश आतंकी समूह द्वारा छह फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में हुए विस्फोट का बदला लेने के प्रयासों से जुड़ी है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां और दिल्ली पुलिस की इकाइयां समन्वय बनाए हुए हैं और सीसीटीवी निगरानी, वाहनों की जांच व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के जरिए से निगरानी बढ़ा दी गई है। यह चेतावनी 10 नवंबर, 2025 को लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट की पृष्ठभूमि में जारी की गई है। विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए थे और 20 से ज्यादा घायल हुए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस या आपातकालीन सेवाओं को सूचित करने का आग्रह किया है।

पैदल चलने वाले लोगों के लिए खास कदम उठा रही नीतीश सरकार... परिवहन विभाग की पहल

पटना (एजेंसी)। बिहार में पिछले साल 20 नवंबर 2025 को नई सरकार का गठन हुआ था। इस नई सरकार के बाद सात निश्चय-3 (2025-30) की योजनाएं शुरु हुई। इसमें सातवां निश्चय है सबका सम्मानजीवन आसान इसका मतलब है कि राज्य के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान और बेहतर है।

नीतिश सरकार इसी दिशा में लगातार काम कर रही है। अब खास तौर पर सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा और सम्मान का ध्यान रखते हुए भी कई अहम फैसले लिए गए हैं, ताकि उन्हें सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिल सके।

दरअसल परिवहन विभाग की ओर से बताया गया हैं कि बिहार में विकास के काम तेजी से किए जा रहे हैं। राज्यवासियों की आमदनी बढ़ रही है, इस कारण राज्य की सड़कों पर दो पहिया-चार पहिया वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि राज्य की सड़कों पर बढ़ते वाहनों की वजह से सड़कों पर पैदल चलने वाले यात्रियों को असुविधा होती है। सड़क पर सुरक्षित एवं सम्मान पूर्वक चलना पैदल चलने वाले लोगों का पहला मलभूत अधिकार है। इस लेकर बिहार परिवहन विभाग को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं, ताकि सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों को कोई परेशानी नहीं हो। सड़क सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखकर राज्य के शहरी क्षेत्रों में विशेषकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर जल्द फुटपाथ बनाने निर्देश दिए है। सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिन्हित जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग बनाने का निर्देश दिया है। पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिह्नित स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज/एस्केलेटर और अंडरपास बनाने का निर्देश दिया गया है। सभी सरकारी एवं निजी वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया है, ताकि वाहन चालक सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील हो सके। राज्य के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में अधिक सड़क दुर्घटना की संभावना वाली जगहों को चिह्नित कर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि उसका आकलन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। राज्य की सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों को इस तरह की सभी सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सकें, इसे लेकर परिवहन विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया गया है।

इंडिया गठबंधन ने सहयोगी सपा ने दिखाया कांग्रेस को आईना...शर्टलेस प्रदर्शन देश का अपमान

-मायावती, जगन मोहन रेड्डी और केटी राम राव ने की कांग्रेस की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इंडिया समिट 2026' के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्टलेस प्रदर्शन पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। समिट के पांचवें दिन हुए इस विरोध प्रदर्शन को कई दलों ने देश की छवि के खिलाफ बताया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर का था, जिसमें देश-विदेश के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इंडिया गठबंधन में शामिल सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटनाक्रम को देश का अपमान बताया। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर एआई समिट में चीन के मॉडल को प्रदर्शित करने पर सवाल उठाए। हालांकि उन्होंने भी स्पष्ट किया कि वे हंगामे के पक्ष में नहीं हैं और ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं होना चाहिए जिससे विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश की छवि प्रभावित हो। ये देश के अपमान से जुड़ा मामला है।

इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर इस घटनाक्रम को ÷अति-अशोभनीय और निंदनीय÷ बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में हो, तब इस तरह का आचरण देश की गरिमा और छवि को नुकसान पहुंचाता है। उनके अनुसार राजनीतिक विरोध का तरीका संयमित और मर्यादित होना चाहिए। वहीं आंध्र प्रदेश के मंगलगिरी से विधायक नारा लोकेश ने भी कांग्रेस के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एआई समिट जैसे आयोजन भारत की तकनीकी प्रगति और नवाचार को प्रदर्शित करने का मौका हैं। इसतरह के अंतराष्ट्रीय मंच को राजनीतिक नाटकों में बदलना देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। वहीं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि इस घटना ने देश को शर्मसार किया है। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एकजुट चेहरा प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार राष्ट्रीय सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। देश के सम्मान के सामने कुछ भी नहीं होना चाहिए। तेलंगाना के सिरिसिला से विधायक केटी राम राव ने भी प्रदर्शन की निंदा कर कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन विरोध के लिए उचित समय और स्थान का चयन जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस प्रकार के प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त मंच नहीं है।

वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर एआई समिट में चीन के मॉडल को प्रदर्शित करने पर सवाल उठाए। हालांकि उन्होंने भी स्पष्ट किया कि वे हंगामे के पक्ष में नहीं हैं और ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं होना चाहिए जिससे विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश की छवि प्रभावित हो। ये देश के अपमान से जुड़ा मामला है।

भगवंत मान सरकार की शिक्षा क्रांति के ऐतिहासिक परिणाम सामने आने लगे, सरकारी स्कूलों के 305 विद्यार्थियों ने पास किया जेईई मेन्स: हरजोत सिंह बैंस

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षा मंत्री ने कहा, स्कूल ऑफ एमिनेंस, संगरूर की 12वीं कक्षा की साइंस की विद्यार्थिनी प्रियंका शर्मा एक साधारण परिवार से आती है। उसके पिता अकाउंटेंट हैं और मां एक प्राइवेट स्कूल में प ?ाती हैं। लगभग 3.5 लाख की वार्षिक पारिवारिक आय के बावजूद उसने पूरे अनुशासन और लगन से तैयारी की, पीस क्लासेस, नियमित मॉक टेस्ट और मजबूत अकादमिक मार्गदर्शन से लाभ लिया। उसके प्रयासों के परिणामस्वरूप जेईई मेन्स में शानदार 96.44 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए, साथ ही वह नीट की तैयारी भी कर रही थी। एक और सफलता की कहानी बताते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, स्कूल ऑफ एमिनेंस, छाजली संगरूर की 12वीं कक्षा की नॉन-मेडिकल की विद्यार्थिनी हरमनदीप शर्मा एक ऐसे परिवार से आती है जहां पिता अकाउंटेंट है और मां गृहिणी है तथा परिवार की वार्षिक आय लगभग 2.5 लाख है। इंजीनियरिंग करने की इच्छा रखने वाली इस होनहार विद्यार्थिनी ने बिना किसी प्राइवेट ट्यूशन के स्कूल सहायता द्वारा पूरी तैयारी की, शिक्षक मार्गदर्शन और पीस लर्निंग से पूरा लाभ लिया। उसकी अनुशासित तैयारी के कारण उसने जेईई मेन्स में शानदार 98.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्री ने कहा, अमृतसर के एक सरकारी स्कूल की 12वीं कक्षा की विद्यार्थिनी पलक कौर एक साधारण पृष्ठभूमि वाली लडकी है और अपने पिता को खोने के बाद उसे कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करना पडा। उसकी परवरिश उसकी मां, जो एक गृहिणी है, द्वारा की जा रही है। इस परिवार की वार्षिक आय 1,00,000 से भी कम है। वित्तीय तंगी और अन्य मुश्किलों के बावजूद, वह अपनी शिक्षा पर केंद्रित रही। उसकी लगन के परिणामस्वरूप जेईई मेन्स में 90.11 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। उन्होंने आगे कहा कि एसएएस नगर के एक सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा की विद्यार्थिनी काजल, जो एक आम परिवार से संबंधित है और उसके पिता एक निजी सुरक्षा कंपनी में सुपरवाइजर के रूप में काम करते हैं तथा मां एक गृहिणी है। उन्होंने कहा कि काजल के परिवार की वार्षिक आय लगभग 80,000 है, फिर भी इन वित्तीय तंगियों के बावजूद, शिक्षा की ओर उसका जुनून कभी नहीं डगमगाया। वह आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस की पढाई करना चाहती है। उसने अच्छी तैयारी और अपने जुनून से जेईई मेन्स 2026 में 92.66 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि इसी तरह एसएएस नगर के एक सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा का विद्यार्थी परदीप भी एक आम परिवार से संबंधित है और उसके पिता एक वाटर कूलर फैक्टरी में मजदूर के रूप में काम करते हैं तथा मां एक गृहिणी है। उन्होंने कहा कि परदीप के परिवार की वार्षिक आय तकरीबन 1,20,000 है, जिस कारण उसे हमेशा वित्तीय चुनौतियों से गुजरना पढा। उन्होंने कहा कि परदीप की इच्छा एक अच्छी नौकरी लेने की है ताकि उसके पिता को आगे फैक्टरी के मुश्किल हालातों में काम न करना पडे। उन्होंने कहा कि परदीप ने अपनी मेहनत से जेईई मेन्स 2026 में 93.11 प्रतिशत अंक हासिल किए। इस सफलता का श्रेय पंजाब सरकार के ठोस प्रयासों को देते हुए, खासकर पीएसईई कोचिंग पोर्टल जैसी पहलों को, जो सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को बिना कोई पैसा लिए उच्च-गुणवत्ता के साथ परीक्षाओं के लिए तैयार करती हैं, कैबिनेट मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि हमारे पास ऐसे और भी अनगिनत किस्से हैं जिनमें साधारण पृष्ठभूमि से जुडे बच्चे आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली और बिट्स पिलानी में पडने का सपना देख रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि वे अभी सिर्फ परीक्षा के पहले चरण की बात कर रहे हैं और जेईई मेन्स की अगली परीक्षा के परिणामों से यह संख्या और भी बढ जाएगी। उन्होंने कहा कि जेईई मेन्स की अगली परीक्षा भी नजदीक आ रही है और मुझे विश्वास है कि हमारे ताजा आंकडे और भी प्रभावशाली होंगे। शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने जोर देकर कहा कि उपलब्धियों के नजरिए से देखें तो पंजाब के सरकारी स्कूलों के बराबर किसी अन्य राज्य ने अभी तक ऐसा करके नहीं दिखाया। उन्होंने सभी 305 विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को बधाई दी और शिक्षकों का धन्यवाद किया। उन्होंने इसे पंजाब की सरकारी स्कूल प्रणाली में एक ऐतिहासिक क्षण करार दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जेईई परीक्षाओं के लिए क्वालीफाई करने वाली विद्यार्थिनियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इस बार 134 लडकियों ने यह परीक्षा पास की है, जो सरकारी स्कूलों में स्टेम (एसटीईएम) शिक्षा क्षेत्र में ब ? रही लिंग समानता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस सफलता का श्रेय पीस प्रोग्राम के तहत दो साल की जेईई परीक्षा तैयारी, गर्मियों और सर्दियों की छुट्टियों के दौरान मुफ्त आवासीय कोचिंग कैंप, नियमित मॉक टेस्ट, विद्यार्थियों की कार्यगुजारी का विश्लेषण, पीस पोर्टल के माध्यम से डिजिटल शिक्षा तक पहुंच और अवंति फेलो तथा अन्य प्रमुख कोचिंग संस्थानों की विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा प्रदान की गई करियर गाइडेंस आदि को जाता है।

दिल्ली पुलिस वास्तविक स्थापना दिवस

1 जुलाई 1978 से कमिश्नरी लागू होने के बाद से एक अपंग लावारिस संगठन है !

नई दिल्ली। जैसा कि ब्रिटिश साम्राज्य से पंजाब पुलिस से बदलकर स्वतंत्रता के बाद 16 फरवरी 1948 से दिल्ली पुलिस नामकरण आज तक सर्वप्रथम स्वर्गीय सरदार बल्लभभाई पटेल ने शुभारंभ कर आज वर्तमान समय तक सरकारी शाबाशियों से बहादुरी के तमगों को औपचारिक नबाजा जाता है । वैसे देखा जाए तो माननीय न्यायाधीश श्री जी डी खोसला आयोग की शिफारिश से जो पुलिस कमिश्नरी वर्तमान समय तक प्रचलित हैं उनमें इस अफलातूनी व्यवस्था के साथ पुलिस जवानों के जनकल्याणकारी एसोसिएशन गठन! योजनाओं को भी दरकिनार न करके अमलीजामा शुभारंभ होना आवश्यक है । और दिल्ली सरकार के अन्तर्गत ही अन्य राज्यों की पुलिस की तरह दिल्ली पुलिस को एक पुलिस बल की हैसियत , राष्ट्रीय राजधानी पुलिस का पुनर्गठन होना चाहिए उन्हें राज्यस्तरीय विशेष वेतनमान , वर्दी की अपनी पहचान होनी चाहिये जो अब केन्द्रिय कर्मचारियों की तरह पहरेदार हुक्म दरबारी ही बने हुए हैं , राज्य सरकार से वेतन व पेंशन दिलवाई जाती है । अन्य राज्यों में शिफ्टिंग ड्यूटी , सप्ताह में रैस्ट व समय पर आकस्मिक अवकाश भी मिलता है जो दिल्ली पुलिस में अधिक कार्यभार से आत्महत्या जैसे जघन्य अपराध पनपते हैं । दिल्ली पुलिस का वास्तविक स्थापना दिवस अराजपत्रित औफिसर्ज की पदोन्नति के बिना अपंग क्यों । क्योंकि अन्य राज्यों व अर्धसैनिक बलों में दस ,बीस व तीस वर्ष की सेवा के बाद प्रोन्नति का प्रावधान है जिसे दिल्ली पुलिस में तुरंत लागू होना आवश्यक कार्यवाही होनी चाहिये।

दिल्ली में दो विदेशी नागरिकों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के डाबड़ी इलाके में रविवार शाम एक घर में दो नाइजीरियाई युवकों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को आशंका है कि दोनों की मौत नशे की ओवरडोज से या फिर दूषित खाना खाने से हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। मृतक की पहचान जोसफ और चिबिटर्न के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि रविवार शाम पुलिस को चाणक्य प्लेस स्थित ए-2/9, प्रथम तल पर कपड़े के गोदाम के पीछे एक इमारत में दो नाइजीरियाई नागरिकों के शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन करने के बाद क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किया। छानबीन के बाद पुलिस ने बताया कि मृतकों के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। जांच करने पर पता चला कि दोनों युवक बुराड़ी इलाके के रहने वाले थे। एक दिन पहले ही वह अपने एक परिचित हैनरी के पास आए थे जिसने मकान को किराये पर लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीडीयू मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस की एक टीम को बुराड़ी के लिए रवाना कर दिया है। पुलिस मृतकों के बारे में पता कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

खुले नाले में बच्चे के डूबने के मामले में एनजीटी में हुई सुनवाई

नई दिल्ली। राजेंद्र नगर एक्सटेंशन इलाके में खुले नाले में डूबकर 13 साल के बच्चे की मौत के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सुनवाई की। दिल्ली सरकार ने 26 जुलाई 2025 को दाखिल अपने जवाब में बताया कि मृतक के परिजनों को जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से स्वीकृत पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। मुआवजे की राशि को बढ़ाने पर भी विचार चल रहा है और उच्च अधिकारियों के समक्ष यह मुद्दा लंबित है। सरकारी वकील ने भरोसा दिलाया कि अगले 4 से 8 हफ्तों में इस पर फैसला हो जाएगा। नगर निगम आयुक्त ने भी आश्वासन दिया है कि जहां-जहां एमसीडी पक्षकार है, वहां उचित सहयोग किया जाएगा और समय पर जवाब दाखिल किए जाएंगे।

यूट्यूबर मोहक मंगल के खिलाफ मामला हाईकोर्ट में स्थानांतरित

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने पटियाला हाउस कोर्ट में यूट्यूबर मोहक मंगल के खिलाफ मीडिया संस्थान की तरफ से दायर कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन के मुकदमे को अपने पास स्थानांतरित कर लिया है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने निर्देश दिया कि इस मुकदमे की सुनवाई मंगल के खिलाफ मानहानि और अपमान के मुकदमे के साथ की जाए, जो 8 सितंबर को उच्च न्यायालय में लंबित है। अदालत ने कहा कि मुकदमे के स्थानांतरण से राहत के लिए मीडिया संस्थान की ओर से उठाई गई आपत्ति निराधार थी। दोनों मुकदमों की एक ही मंच पर सुनवाई वास्तव में समाचार एजेंसी सहित सभी पक्षों के लिए सुविधाजनक होगी। न्यायमूर्ति ने कहा कि यह अदालत याचिकाकर्ता के इस तर्क को भी उचित मानता है कि दोनों मुकदमों की एक ही मंच पर एक साथ सुनवाई न्याय प्रशासन के हित में होगी। क्योंकि इससे न्यायिक समय की बचत होगी और आदेशों के टकराव से बचा जा सकेगा।

ज्वेलर को बंधक बनाकर 30 लाख के जेवरात और छह लाख नकदी लूटी

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर स्थित चांद बाग इलाके में रविवार शाम हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने ज्वेलर की दुकान में डकैती डाली। बदमाशों ने अंदर घुसते ही दुकान का शटर गिराकर ज्वेलर और एक ग्राहक को बंधक बना लिया। लूटपाट करने के बाद बदमाश फरार हो गए। डकैती की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वरिष्ठ अधिकारी भी आ गए। क्राइम व एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने ज्वेलर सादिक (27) के बयान पर डकैती का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से छानबीन की जा रही है। पीड़ित ने बताया है कि दुकान में रखा करीब 30 लाख का सोना और छह लाख रुपये बदमाशों ने लूटे हैं। बाकी हिसाब करने पर पता चलेगा कि दुकान में कुल कितना सोना और नकदी थी।

मौसम पल-पल बदल रहा रूप, कभी छांव तो कभी धूप

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम पल-पल करवट ले रहा है। कभी धूप निकल रही है, तो कभी काले बादलों का डेरा झमाझम बारिश कराने लगता है। रविवार को बादल छाए रहे, जिससे तापमान कम रहा लेकिन उमस से लोग परेशान रहे। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 100 से 68 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने सोमवार को बारिश होने की संभावना जताई है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग ने 5 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। इसके बाद 6 से लेकर 9 अगस्त के दौरान छिटपुट बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ रुक-रुक फुहारें पड़ने का अनुमान है। मौसम

नकली दवा बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जीवन रक्षक नकली दवा बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आलम, मोहम्मद सलीम, परमानंद, मोहम्मद जुबैर,

प्रेम शंकर प्रजापति और राजेश मिश्रा के रूप में हुई है। यह रैकेट हरियाणा यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ है। नकली दवाइओं के निर्माण और पैकेजिंग के कारखाने जींद, हरियाणा और बद्दी, हिमाचल प्रदेश में लगे हुए हैं। इनके कब्जे से जॉनसन एंड जॉनसन, जीएसके जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की नकली दवाएं भारी मात्रा में बरामद की गई हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया शाखा में तैनात इंस्पेक्टर पवन कुमार की टीम को खुफिया जानकारी मिली थी। टीम ने जीएसके और जॉनसन एंड जॉनसन के कानूनी प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ कोर्डिनेशन किया। सूचना के बाद पुलिस टीम ने एचपी सीएनजी पेट्रोल पंप, श्यामनाथ मार्ग, सिविल लाइंस में 30 जुलाई को घेराबंदी की। पुलिस टीम यहां से वैगनआर कार में सवार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी मोहम्मद आलम और मोहम्मद सलीम कोनकली दवाइयां ले जाते पकड़ा। जॉनसन एंड जॉनसन और जीएसके के प्रतिनिधियों ने पैकेजिंग और स्टैम्पिंग कंपनी के मानकों के अनुरूप नहीं होने की पुष्टि की। प्रयोगशाला परीक्षणों ने भी दवाओं के नकली होने की पुष्टि की। जांच में पता चला कि सिंडिकेट सुसंगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता था। इसमें सोर्सिंग, निर्माण, वितरण और खुदरा व्यापार शामिल था। नकली दवाओं के कारोबार से शुरुआती संपर्क अक्सर फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शुरू होता था। आरोपी मोहम्मद आलम और मोहम्मद जुवैर को पोस्ट और संदेशों के माध्यम से नकली दवा आपूर्तिकर्ताओं से परिचित कराया गया था। दवाइयां महराजगंज के अरुण, करनाल के कोमल, गोरखपुर के सुमित और अन्य आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त की जाती थीं। इनमें न केवल अल्ट्रासेट और ऑगमेंटिन शामिल थे, बल्कि ज़ीरो डोल एसपी, पैंटॉप डीएसआर, कनकोर्ट इंजेक्शन और भी बहुत दवाइयां शामिल थीं। सरगना राजेश मिश्रा ने दवा निर्माण में अपने पूर्व अनुभव का इस्तेमाल करके जींद में परमानंद द्वारा महालक्ष्मी नाम से संचालित एक गुप्त इकाई के माध्यम से नकली उत्पादन फिर से शुरू किया था। आरोपी भुगतान का लेनदेन मोबाइल वॉलेट और बारकोड से करते थे। बरामद मोबाइल से ऐसे संपर्कों का पता चला जो कोमल जी करनाल, अमित जैन स्किनशाइन दिल्ली, पप्पी भैया जीकेपी) के साथ सेव किए हुए थे। खुदरा वितरण विश्वसनीय मेडिकल स्टोर, झोलाछापों के जरिए सीधे होता था। आरोपी सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए वित्तीय लेनदेन रिश्तेदारों के खातों के माध्यम से करते थे। ये कूरियर और निजी वाहनों का इस्तेमाल करते थे। यूपी के गोरखपुर निवासी राजेश मिश्रा सिंडिकेट का सरगना है। पैकेजिंग सामग्री, डाई की आपूर्ति से लेकर नकली दवाओं के निर्माण तक, पूरे ऑपरेशन का साजिशकर्ता है। मोहम्मद आलम दिल्ली एनसीआर में नकली दवाओं के परिवहन में अहम भूमिका निभाता था। मोहम्मद सलीम मोहम्मद आलम का भाई है। वह ज़ब्त की गई वैगनआर गाड़ी का सह-चालक था और नकली दवाओं के रसद और वितरण में सहायता कर रहा था। मुरादाबाद के मैनाठेर स्थित नौसाना शेखूपुर निवासी मोहम्मद जुवैर आलम और सलीम को नकली दवाइयां सप्लाई करता था। यूपी के देवरिया निवासी प्रेम शंकर प्रजापति प्रमुख मध्यस्थ और ट्रांसपोर्टर के रूप में काम करता था। हरियाणा के जींद निवासी परमानंद कारखाना मालिक था और लक्ष्मी मां नाम से फार्मा चलाता था। जहा नकली अल्ट्रासेट टैबलेट असली दिखने वाली पैकेजिंग और हिमाचल प्रदेश के बद्दी से प्राप्त पन्नी का उपयोग करके बनाई जाती थीं। उसके पास दवा की दुकान का लाइसेंस था, लेकिन इन दवाओं के निर्माण का अधिकार नहीं था।

2025 में 10 हजार से अधिक सर्जरी कर बनाया रिकॉर्ड, इस वर्ष के लक्ष्य में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली ने वर्ष 2025 में दस हजार से ज्यादा सर्जरी कर रिकॉर्ड बनाया है। इसमें सर्वाधिक हेपेटो-पैन्क्रियाटिको-बिलियरी संबंधी ऑपरेशन किए गए। अच्छी बात यह रही कि सभी तरह की सर्जरी के दौरान मृत्यु दर 0.3 फीसदी रही। सर्जरी के लिए भर्ती होने वालों में सबसे ज्यादा महिला शामिल रहीं। एम्स ने सर्जरी के लिए वर्ष 2021 में सर्जरी ब्लॉक की शुरुआत हुई थी। मरीजों की रोबोट से लेकर लेप्रोस्कोपी और ओपन सर्जरी की गई। सर्जरी के रिकॉर्ड को लेकर एम्स में बुधवार को प्रेस वार्ता की गई। एम्स के सर्जिकल डिसिप्लिन्स विभाग प्रमुख डॉ. सुनील चुंबर ने कहा कि एक साल में दस हजार से अधिक सर्जरी प्रभावी ढंग से लागू की गई सशक्त जन स्वास्थ्य नीति का ठोस परिणाम है। इलेक्टिव सर्जरी के बाद मृत्यु दर 0.3 फीसदी और आपातकालीन सर्जरी के बाद मृत्यु दर 7.89 रही। यह आंकड़े यूरोप या उत्तरी अमेरिका के किसी भी सर्वश्रेष्ठ अस्पताल के बराबर हैं। डॉ. हिमांग कुमार ने बताया कि इन दस हजार सर्जरी में 50 फीसदी से ज्यादा ओपन सर्जरी की गई, जबकि लेप्रोस्कोपी के माध्यम से 41.2 फीसदी और रोबोट के जरिए 8.1 फीसदी सर्जरी हुई। ब्यूरो डॉ. सुनील ने कहा कि सर्जरी में एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ. गंगा प्रसाद की टीम का सबसे अधिक योगदान रहा है। बिना उनकी टीम के सर्जरी करना संभव नहीं है। एम्स में सर्जरी को समर्पित ब्लॉक की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। भविष्य में 8 की जगह इनकी संख्या 12 करने की तैयारी है। अगले साल से इंटेस्टाइन ट्रांसप्लांट की योजना भी है। साथ ही 15 हजार सर्जरी करने का लक्ष्य भविष्य के लिए रखा गया।

NAME CHANGE

I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE

I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE

I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE

I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE

I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE

I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE

I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE

I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE

I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE

I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE

I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE

I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE

I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE

I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE

I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE

I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार में रेलवे पावर हाउस में लगी आग, बाधित रही बिजली सप्लाई

एजेंसी

हिसार। सदर क्षेत्र के गांव सातरोड खुर्द के पास स्थित रेलवे के बिजली घर में अचानक आग लग गई। बिजली घर के पीछे पड़ी नगर निगम की एसटीपी की रबड़ पाइपों की वजह से यह आग और भड़क गई। पावर हाउस में तैनात कर्मचारियों की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग एक घंटे में आग पर काबू पाया। पावर हाउस में आग लगने की वजह से लगभग आधा घंटा तक बिजली सप्लाई बाधित रही। मौजूद रेलवे कर्मियों ने बताया कि को अचानक यह आग लग गई। बिजली घर के पीछे ही नगर निगम की पाइपें पड़ी थी, जो आग की चपेट में आ गई और आग ज्यादा भड़क गई। एहतियात के तौर पर लगभग आधा घंटे से ज्यादा समय तक सप्लाई को बंद करना पड़ा। आग की सूचना पाकर रेलवे अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। रेलवे के जिस पावर हाउस में आग लगी है वहां से 50 किमी तक बिजली सप्लाई होती है। रेलवे की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को यहीं से करेंट मिलता है। हर 50 किमी पर रेलवे ने इसी तरह पावर हाउस बनाए हुए हैं। यह पावर हाउस 132/27 केवी का है, जो वर्ष 2016 में बनकर तैयार हुआ था। रेलवे के टेक्नीशियन संदीप कुमार ने बताया कि पावर हाउस पूरी तरह सुरक्षित है। आग से किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

हरियाणा के शिक्षण संस्थानों में गुरु-शिष्य योजना लागू

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने हरियाणा सरकार का रोड मैप सदन के माध्यम से प्रदेश वासियों के सामने पेश करते हुए कहा है कि विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में डिग्री के साथ कौशल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार की ओर से गुरु-शिष्य योजना की शुरुआत की गई है। अब तक 219 गुरुओं और 270 शिष्यों को नामांकित किया गया है। इनमें 126 गुरुओं को मान्यता दी जा चुकी है। वहीं, पलवल, फरीदाबाद, सिरसा, ऐलनाबाद, होडल और पंचकूला में कौशल को बढ़ावा देने के लिए गुरु-शिष्य योजना चलाई जा रही है। वहीं 2022-23 के लिए, हरियाणा ने 34.8 प्रतिशत का सकल नामांकन अनुपात हासिल किया है, जबकि लड़कियों का 39.1 प्रतिशत नामांकन महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ा कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को बढ़ावा देने के लिए नायब सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की ओर से 20 किलोमीटर के दायरे में एक कॉलेज की स्थापना की गई है। सरकार की ओर से शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ नवाचार और अनुसंधान को भी गति दी जा रही है। इसको लेकर हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष गठित किया गया है और 20 करोड़ रुपये की राशि आवंटित भी गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में वैज्ञानिक सोच को नई गति देना है। इसके अतिरिक्त, 22 जिला स्तर के महाविद्यालयों में आम नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए लाईब्रेरी की सुविधा मुहैया करवाई गई है।

हरियाणा हाउसिंग बोर्ड को एचएसवीपी में विलय को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में कई दशकों से चल रहे हाउसिंग बोर्ड को सरकार ने भंग करके हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में विलय को मंजूरी प्रदान कर दी है। विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकारी संकल्प पेश करते हुए कहा कि आवासन बोर्ड और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, दोनों के कार्य लगभग एक समान थे। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवासन बोर्ड हरियाणा में कार्यरत सभी कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। यह संकल्प हरियाणा आवासन बोर्ड अधिनियम, 1971 की धारा 80 की उपधारा (1) के प्रावधानों के तहत पारित किया गया है। अब बोर्ड की सभी जिम्मेदारियां हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की होंगी। सरकार ने हाउसिंग बोर्ड को भंग करके इसका एचएसवीपी में विलय करने का प्रस्ताव सदन में पेश किया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सवाल किया कि ऐसा क्या कारण रहे हैं जो सरकार इसे भंग करने जा रही है। सेक्टरों में आवंटन के लिए लॉटरी सिस्टम बंद होने से आम आदमी प्लॉट खरीद नहीं सकता। अब यह सिर्फ प्रॉपर्टी डीलरों तक सीमित रह गया है। सीएम सैनी ने जवाब दिया कि बोर्ड को मर्ज किया गया है। स्टाफ का भी ध्यान रखा गया है। किसी भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। कांग्रेस के विधायक बीबी बत्तरा ने कहा कि बताया नहीं गया इसमें क्या है। इस पर स्पीकर ने कहा कि पोर्टल पर डाल दिया है।

सहकारी समिति के सैल्समैन को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

रोहतक। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो , रोहतक की टीम ने सहकारी समिति गांव भैंसवाल कालां में कार्यरत सैल्समैन सुभाष (56 वर्ष, निवासी कटवाल, सोनीपत) को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता, जो खेतीबाड़ी का कार्य करते हैं, ने बताया कि उनके पास लगभग 3 एकड़ भूमि है और उन्होंने सहकारी समिति से एमसीएल कार्ड बनवाया है, जिसकी ऋण सीमा 60,000 रुपये थी। उन्होंने सीमा बढ़वाने का प्रयास किया, जिसके लिए 17 फरवरी 2026 को सैल्समैन सुभाष ने 15,000 रुपये की रिश्वत मांगी। बातचीत के बाद रिश्वत 10,000 रुपये में तय हुई। शिकायत मिलने पर निरीक्षक जगजीत सिंह के नेतृत्व में रेडिंग टीम ने सुभाष को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से बरामद राशि को जब्त किया गया है और मामले की गहन जांच जारी है। डॉ. ए.एस. चावला, निदेशक, हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है और दोषी किसी भी सूरत में नहीं बख्शे जाएंगे।

हरियाणा सरकार ने तैयार किया विजन डाक्यूमेंट 2047

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की नायब सरकार ने इस अवधि तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ (एक ट्रिलियन डालर) तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए सरकार ने हरियाणा का विजन डाक्यूमेंट-2047 जारी किया है। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने विधानसभा के बजट सत्र में अपने अभिभाषण के दौरान नायब सरकार के विजन डाक्यूमेंट-2047 की विस्तार से जानकारी दी। इस डाक्यूमेंट में विकसित हरियाणा बनाने के लिए छह मुख्य बिंदुओं का उल्लेख है।ट्रिपल-सी, ट्रिपल-एस, ट्रिपल-आइ, ट्रिपल-ई, ट्रिपल-आर और ट्रिपल-एच फार्मूले को अपनाते हुए हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के साथ-साथ मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने का सपना सरकार ने देखा है। हरियाणा सरकार के विजन डाक्यूमेंट-2047 के पहले बिंदु ट्रिपल-सी के मुताबिक क्लीन, कार्बन नेगेटिव और कंड्यूसिव एनवायरमेंट के जरिये कार्बन नेगेटिव स्टेट बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। ट्रिपल-एस का मतलब सेफ, सिक्योर और

सस्टेनेबल पालिसी को अपनाने की रणनीति है, जिसके जरिये हरियाणा के वित्त एवं सुरक्षा ढांचे को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। ट्रिपल-आइ बिंदु का मतलब एआइ इनोवेशन, इनक्लूजन और इंटरनेशनल अलाइनमेंट के जरिये वैश्विक मानकों को पूरा करने से है, जिस दिशा में नायब सरकार पिछले एक साल से पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के जिस ट्रिपल-ई फार्मूले का जिक्र किया है, उसमें इक्विटेबल, इको फ्रेंडली और एक्सपेरिमेंटल फार्मिंग के बिंदु शामिल हैं। इन्हें अपनाकर हरियाणा की खेती को जल संरक्षण, तकनीक और नवाचार से जोड़ने की दिशा में सरकार ने काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। ट्रिपल-आर बिंदु के अंतर्गत री-इमेजिन, री-डिजाइन और री-इनवेस्ट को शामिल किया गया है, जिनके माध्यम से युवाओं को भविष्य के रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा।

हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के विजन डाक्यूमेंट का अंतिम संकल्प ट्रिपल-एच पर आधारित है, जिसके अंतर्गत हेल्दी, होपफुल और हैप्पी बिंदु शामिल किए गए हैं। हेल्दी मतलब स्वस्थ, होपफुल मतलब आशावादी और हैप्पी मतलब खुशियां।

इन बिंदुओं के अंतर्गत राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा का हर परिवार सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मान से जिंदगी जीये। विकसित हरियाणा के लिए इन लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु यह जरूरी बताया गया कि नीति निर्माण करने वाले सभी दल और उनके जनप्रतिनिधि इसमें सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

मंडल स्तर तक सशक्त, प्रशिक्षित व समर्पित कार्यकर्ता तैयार करना ही प्रशिक्षण का उद्देश्य : सुरेन्द्र पूनिया

एजेंसी

हिसार। भाजपा कार्यालय हिसार में प.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत जिला अध्यक्ष डा. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमे प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया व प्रदेश सचिव सुरेन्द्र आर्य मुख्य वक्ता रहे। सभी कार्यकर्ताओं का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन क्यूआर कोड के माध्यम से किया गया मुख्य वक्ता एवं प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता प्रशिक्षण के माध्यम से ही नेता बनते है। समय-समय पर प्रशिक्षण लेकर कार्यकर्ता अपडेट होता है। प्रशिक्षण हमारी रीढ़ है जिसकी महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रिया है। हमें मंडल स्तर तक सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता तैयार करना है। मुख्य वक्ता प्रदेश सचिव सुरेन्द्र आर्य ने कहा कि यह महा अभियान व्यक्ति से राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' के संकल्प को सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता प्रशिक्षण से मिली जानकारी से अपडेट होकर सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता बनें, यही हमारा उद्देश्य है। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण शिविर बारे जानकारी देते हुए हर पहलू पर विस्तारपूर्वक बात रखी। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर लगाने के फलस्वरूप ही हमारे कार्यकर्ता सशक्त, प्रशिक्षित और समर्पित बने हैं।

एमबीबीएस में दाखिले का झांसा देकर ठग लिए 25 लाख

एजेंसी

हिसार। नारनौंद क्षेत्र के गांव राखी खास में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी का समाचार है। काम न होने पर जब पैसे वापिस मांगे गए तो शिकायतकर्ता के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में गांव राखी खास निवासी डॉ. सुरेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी कृति का एमबीबीएस में दाखिला करवाने के लिए जींद के श्री धाम सोसायटी सेक्टर-9 निवासी डॉ. कामनी आश्री (करियर प्रोवाइडर) को हायर किया था। आरोप है कि कामनी ने नेपाल के देवधा मेडिकल कॉलेज में दाखिले का भरोसा दिलाया था। उन्होनें बताया कि कामनी आश्री ने पूरे कोर्स की फीस 60 लाख 51 हजार 500 रुपए बताई थी। इसमें 25 लाख 18 हजार रुपए 15 किस्तों में और 5 लाख रुपए सर्विस चार्ज के रूप में मांगे गए।

डॉ. सुरेश कुमार ने पिछले वर्ष 30 जून को 10 लाख रुपए और 1 जुलाई को 4.50 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से दिए। बची राशि गूगल पे के जरिए दी गई। कुल मिलाकर करीब 25 लाख रुपए आरोपी महिला को सौंपे गए। बेटी के ओरिजनल एजुकेशन डॉक्यूमेंट्स भी दिए गए थे।काउंसलर ने सीट बुकिंग और अन्य दस्तावेज दिखाकर भरोसा दिलाया था। बाद में नेपाल के कॉलेज से पता चला कि छात्रा का एडमिशन नहीं हुआ है। जब इस संबंध में आरोपी से संपर्क किया गया, तो वह टालमटोल करती रही और कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया। गत दिवस उसने साफ बताया कि एडमिशन नहीं हुआ है।

सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी लगाने के लिए डीएमसी की अगुवाई में पुलिस की संयुक्त टीम देगी रिपोर्ट दे

एजेंसी

कैथल। एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कहा है कि कैथल शहर में जरूरत अनुसार अपराध एवं सड़क हादसे रोकने के लिए लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों को लेकर डीएमसी की अगुवाई में पुलिस की संयुक्त टीम जल्द से जल्द रिपोर्ट तैयार करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर नगर परिषद कैथल संबंधित प्वाइंटस पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएगी ताकि सड़क हादसों को रोकने सहित आपराधिक घटनाओं की जांच में मदद मिल सके। पुलिस इन कैमरों की मदद से ऑनलाइन चालान जैसी कार्रवाई करते हुए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कर पाएगी। इसके अलावा वन विभाग के अधिकारी जिले भर की सड़कों के किनारे उग आई झाड़ियों की कटाई-छंटाई सुनिश्चित करें ताकि वे हादसों का कारण न बनें। लोक निर्माण विभाग के

अधिकारी सड़कों की मरम्मत एवं नवनिर्माण के कार्य को तय सीमा में पूरा करवाएं। कई बार अधूरे कार्य हादसों का का कारण बनते हैं। इसके अलावा चौक-चौराहों पर खराब पड़ी रेड लाइट की रिपोर्ट तैयार करते हुए शहरी निकाय अधिकारी इन्हें ठीक करवाएं। एडीसी डॉ. सुशील कुमार लघु सचिवालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की जिला स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में एजेंडे में शामिल सभी बिंदुओं पर एक-एक करके चर्चा की तथा अधिकारियों से पूर्ण फीडबैक ली। एडीसी ने कहा कि जिला में दुर्घटनाओं को रोकना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है और इन सभी कार्यों को सामाजिक तौर पर प्राथमिकता से करें। कार्यों में कहीं भी लापरवाही न बरतें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी चौकों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखें, कहीं भी जाम जैसी स्थिति पैदा न होने दें। ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी अलर्ट होकर कार्य करें। बिना हेल्मेट व सीट बैल्ट के लिए आमजन को जागरूक करें और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई करते हुए चालानिंग की जाए। उन्होंने आरटीए को निर्देश दिए कि वे स्कूल बसों की चेकिंग को निरंतर जारी रखें। एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के दुरुस्तीकरण कार्य में गति लाएं। विभाग से संबंधित जो-जो बिंदू एजेंडें में शामिल है।

हरियाणा विधानसभा में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि

बजट सत्र के पहले दिन महान विभूतियों एवं वीर सैनिकों को किया नमन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के प्रथम दिन सदन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महान विभूतियों, उनके सगे-संबंधियों तथा वीर सैनिकों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट की। विपक्ष सहित सभी सदस्यों ने शोक प्रस्ताव का समर्थन किया।

सदन में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, भूतपूर्व राज्य मंत्री सुरेंद्र कुमार मदान, हरियाणा विधानसभा के भूतपूर्व सदस्य आनंद कौशिक के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया गया। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने भी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया। विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और आदित्य चौटाला ने भी अपनी पार्टी की ओर से दिवंगतों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सदन में प्रदेश के उन वीर सैनिकों को अश्रुपूर्ण नमन किया अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

गया, जिन्होंने मातृभूमि की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए

इन वीर सैनिकों में सूबेदार हीरा लाल (गांव अकबरपुर, जिला महेंद्रगढ़), सूबेदार धर्मवीर (गांव बिरोहड़, जिला झज्जर), उप-निरीक्षक आकाश चौधरी (गांव रूदड़ौल, जिला चरखी दादरी), हवलदार हरजिंदर सिंह (गांव मंगोली रांगड़ान, जिला कुरुक्षेत्र), हवलदार जोगेंद्र सिंह (गांव बडक़ोदा, जिला महेंद्रगढ़), नायक प्रवीण कुमार (गांव शेरिया, जिला झज्जर), नायक दीपक गोयत (गांव कापड़ो, जिला हांसी), सिपाही सुधीर नरवाल (गांव शेरपुर, जिला यमुनानगर), सिपाही जोगेंद्र (गांव मय्यड़, जिला हिसार), सिपाही मोहित (गांव गिजाड़ौद, जिला झज्जर), सिपाही साहिल मीणा (गांव जडथल, जिला रेवाड़ी), सिपाही मनीष कुमार (गांव सुलेहड़ा, जिला जींद) तथा सिपाही सुरजीत (गांव ढुकड़ा, जिला सिरसा) शामिल हैं। सदन में सभी दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

यमुना की सफाई कराएगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। यमुना की सफाई को लेकर हरियाणा सरकार काफी गंभीर है। प्रदेश सरकार ने यमुना एक्शन प्लान के अंतर्गत यमुना नदी के जल की गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया है। यमुना नदी दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा में 180 किलोमीटर तक और दिल्ली से निकलने के बाद फिर 70 किलोमीटर तक बहती है।हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने विधानसभा में सरकार का रोडमैप पेश करते हुए इस बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि मार्च 2028 तक 146 एमएलडी क्षमता वाले आठ कामन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीइटीपी) और 622 एमएलडी क्षमता वाले 13 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाए जाएंगे। उन्होंने एसवाईएल नहर के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार इसके प्रति पहले की तरह पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में जानकारी दी कि राज्य का हर जिला सीधे नेशनल हाईवे से जुड़ेगा। परिवहन ढांचे को मजबूत करने के लिए पानीपत में इलेक्ट्रिक बस डिपो बनकर तैयार हो

गया है और यमुनानग-जगाधरी में 31 मार्च 2026 तक डिपो बनकर तैयार हो जाएगा। गुरुग्राम व फरीदाबाद जैसे महानगरों और 10 अन्य शहरों के लिए 650 स्टैंडर्ड फ्लोर एसी बसें शुरू की जाएंगी, जो शहरी परिवहन को नई परिभाषा देंगी।

हरियाणा बजट सत्र: राज्यपाल अभिभाषण में महिलाओं पर फोकस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष के अभिभाषण से शुरू हुआ। राज्यपाल का अभिभाषण पूरी तरह से महिलाओं पर फोकस रहा। राज्यपाल ने बताया कि 'लाडो लक्ष्मी योजना' महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन चुकी है। अब तक 9,22,452 महिलाओं को 4 किस्तों में 634 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी में मदद के लिए 'मुख्यमंत्री विवाह शुगन योजना' के तहत 71,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। राज्यपाल के अभिभाषण में सबसे आकर्षक पहल 'ड्रोन दीदी योजना' रही। ग्रामीण महिलाओं के लिए ड्रोन इमेजिंग एंड इंफोरमेशन सर्विसेज ऑफ हरियाणा लिमिटेड नामक सरकारी कंपनी बनाई गई है। अभी तक 33 ड्रोन दीदियों को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जा चुका है और 15 महिलाओं का प्रशिक्षण जारी है। जल्द ही 1,350 महिलाओं को ड्रोन पायलट और तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। ड्रोन तकनीक कृषि, सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन और मैपिंग जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा क्षेत्र है। प्रदेश में फिलहाल 33 महिला पुलिस थाने और 239 महिला हेल्प डेस्क काम कर रही हैं। अब सरकार ने 7 नए महिला थाने खोलने का फैसला किया है। इनमें लोहारू, बरवाला, नरवाना, समालखा, महम, रादौर और पिहोवा में शहर शामिल हैं। इसके साथ ही महिलाओं को सुरक्षा देते हुए रात की शिफ्ट में काम करने की भी अनुमति दी गई है। सरकार का दावा है कि वर्ष 2025 में महिलाओं के प्रति अपराधों में 16 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के खिलाफ अपराध चार वर्षों में 67 प्रतिशत तक घटे हैं। सामाजिक-आर्थिक रूप से महिलाओं को मजबूत करने के लिए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) मॉडल को सरकार ने व्यापक स्तर पर लागू किया है। 124 अटल श्रमिक-किसान कैंटीनों का संचालन भी महिलाओं के हाथों में है, जिससे हजारों महिलाएं सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। सरकार का कहना है कि यह मॉडल महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाकर उन्हें मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ रहा है।

राज्य में चल रहा लखपति दीदी कार्यक्रम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भर रहा है। अब तक 1,06,325 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। सरकार ने बेटियों को इंजीनियरिंग और विज्ञान शिक्षा में आगे लाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। कल्पना चावला स्कॉलरशिप योजना के तहत हर वर्ष 250 छात्राओं को एक-एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति।

विज्ञान रत्न अवॉर्ड के तहत मेधावी छात्राओं को 5 लाख रुपये तक के पुरस्कार दिए जा रहे हैं। सरकार का दावा है कि इन कार्यक्रमों से तकनीकी शिक्षा में बेटियों का नामांकन तेजी से बढ़ा है।

हरियाणा विधानसभा: कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल को विशेषाधिकार हनन मामले में समय विस्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में विशेषाधिकार हनन समिति की तरफ से कांग्रेस विधायक को जवाब देने के लिए समय बढ़ा दिया गया है। कालका से भाजपा विधायक शक्ति रानी शर्मा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल ने उनके परिवार के खिलाफ सदन में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा की ओर से बरोदा से कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर सदन में चर्चा हुई। जिसके बाद इंदुराज नरवाल को अगले सत्र तक जवाब दाखिल करने का समय बढ़ा दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नरवाल का बचाव करते हुए कहा कि इस मामले में इंदूराज नरवाल मीडिया के सामने खेद व्यक्त कर चुके हैं। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि मामला प्रीविलेज कमेटी के समक्ष पक्ष रखने का है।राज्यपाल द्वारा 7 संशोधन विधेयकों को मिली स्वीकृतिहरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत किए गए विधेयकों के संशोधन के बारे में सदन में रिपोर्ट पेश की गई। स्पीकर हरविंदर कल्याण ने बताया कि यह विधेयक पिछले सत्र में पारित करके राज्यपाल को स्वीकृति के लिए भेजे गए थे।

इनमें हरियाणा माता मनसा देवी संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा माता शीतला देवी संशोधन विधायक 2025, हरियाणा श्री माता भीमेश्वरी देवी संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा नगर निगम संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा वित्त पंचायती राज संशोधन विधेयक 2025, हरियाणा आवास बोर्ड संशोधन विधेयक 2025 है। ये विधेयक दिसंबर 2025 में पेश हुए थे, जिन्हें पारित किया गया।

हरियाणा विधानसभा : जून 2029 तक शुरू होगा हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने कहा है कि 11 हजार 607 करोड़ रुपये की लागत वाला हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर प्रदेश के लिए गेम चेंजर साबित होगा। विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन अभिभाषण के माध्यम से राज्यपाल ने बताया कि इस कॉरिडोर का पहला सेक्शन पातली-मानेसर, माल गाडिय़ों के लिए खोला जा चुका है। इस पूरे प्रोजेक्ट को जून 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सडक़ों पर लेवल क्रासिंग को खत्म किया जा रहा है। मारूति सुजुकी की योजनाओं का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मारूति सुजुकी ने फरवरी 2025 में आईएमटी खरखौदा में 9 हजार 413 करोड़ के निवेश के साथ कमर्शियल उत्पादन शुरू किया है। अप्रैल 2026 में 6000 करोड़ के निवेश वाली नई इकाई में उत्पादन शुरू हो जाएगा। राज्यपाल ने बताया कि कॉमन फैसिलिटी केंद्र बनाने के लिए 49 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें से 32 कॉमन फैसिलिटी केंद्र चालू हो चुके हैं और 17 केंद्र चालू करने पर काम चल रहा है। शहरी विकास से संबंधित समाधान

से विकास योजना को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। अब तक तीन हजार 718 करोड़ 14 लाख का बकाया वसूल किया जा चुका है। राज्यपाल ने बताया कि गुरुग्राम मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए 300 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके हले चरण के 11 किलोमीटर लंबे भाग का निर्माण शुरू हो चुका है। दिल्ली मेट्रो रेड लाइन को नरेला से कुंडली तक बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। राज्यपाल ने बताया कि दीन दयाल आवास योजना के तहत 1100 एकड़ भूमि के लिए 127 लाइसेंस जारी किए गए हैं। इसके माध्यम से 16 हजार 797 सस्ते प्लाट मिलेंगे। इसके अलावा अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 11 हजार 525 आवासीय इकाइयों को भी मंजूरी दी गई है।

कैथल: डबल इंजन' सरकार विकास की पटरी से उतरी- रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

कैथल। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार पर जिला स्तर के विकास कार्यों में गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सुरजेवाला ने वर्ष 2025-26 के जिला योजना बजट (डी-प्लान) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार विकास के नाम पर केवल प्रचार कर रही है, जबकि धरातल पर हालात बेहद खराब हैं। कैथल में बातचीत करते हुए रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए कुल 400 करोड़ रुपये का जिला योजना बजट आवंटित किया गया था। लेकिन 15 फरवरी 2026 तक केवल 34.27 प्रतिशत, यानी लगभग 137 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए हैं। करीब 66 प्रतिशत राशि, जो लगभग 263 करोड़ रुपये बनती है, अब भी खर्च नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि सरकार विकास कार्यों को लेकर गंभीर नहीं है। सबसे खराब प्रदर्शन गुरुग्राम जिले का बताया गया, जहां केवल 4.3 प्रतिशत बजट ही खर्च हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तथाकथित 'ट्रिपल इंजन' सरकार होने के बावजूद वहां विकास कार्य ठप पड़े हैं। सुरजेवाला ने कहा कि अंबाला, चरखी दादरी, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, नूंह, पलवल, पंचकूला, पानीपत, रेवाड़ी, सिरसा और यमुनानगर सहित अधिकांश जिलों में 50 प्रतिशत से भी कम राशि खर्च हुई है। इससे स्पष्ट है कि जिला स्तर की योजनाएं कागजों तक सीमित होकर रह गई हैं। उन्होंने बताया कि जिला योजना बजट छोटे लेकिन अत्यंत आवश्यक विकास कार्यों के लिए होता है। इसमें गांवों और शहरों की सड़कों, गलियों और नालियों का निर्माण व मरम्मत, खेतों के रास्तों का सुधार, स्कूलों, चौपालों और आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण व रखरखाव, तथा पेयजल व्यवस्था और वाटर वर्क्स जैसे बुनियादी कार्य शामिल होते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने अग्निपथ योजना में किया पहला बड़ा बदलाव

- रक्षा मंत्रालय ने भर्ती के लिए उम्र सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली ।

रक्षा मंत्रालय ने चार साल के अंतराल के बाद अग्निपथ योजना में पहला बदलाव किया है। योजना के तहत थल सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों की उपरी आयु सीमा अब 22 साल कर दी गई है। इससे पहले यह सीमा 21 साल थी। निचली आयु सीमा 17.5 साल पहले की तरह ही बनी रहेगी। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस बदलाव से अधिक युवा इस योजना में शामिल होने का अवसर पाएंगे।

अग्निपथ योजना के तहत हर साल थल सेना, नौसेना और वायुसेना में करीब 50-55 हजार अग्निवीर भर्ती किए जाते हैं। यह भर्ती तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों श्रेणियों में होती है। तकनीकी क्षेत्रों में अधिक पेशेवर जवानों की जरूरत के कारण इस बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मुख्य कारण अधिक तकनीकी पेशेवरों को शामिल करना है।

12वीं पास करने वाले युवाओं की उम्र का निर्धारण एक जुलाई को होता है। ऐसे में जुलाई के बाद जन्म लेने वाला युवा 18 साल की उम्र में पहली बार आवेदन कर सकता है। इसके बाद यदि कोई तकनीकी डिप्लोमा करता है, तो उसकी उम्र सीमा 21 साल तक पहुंच जाती है, जिससे कई योग्य उम्मीदवार पहले आवेदन के योग्य नहीं होते थे। तकनीकी पेशेवरों की भर्ती से सेनाओं को कम समय में प्रशिक्षित किया जा सकता है। विशेष रूप से वायुसेना, नौसेना और थल सेना की कई शाखाओं में तकनीकी योग्य जवानों की आवश्यकता अधिक है। यही वजह है कि मंत्रालय ने उम्र सीमा में एक साल की बढ़ोतरी का फैसला लिया।

नोवार्टिस एजी भारत में अपनी सूचीबद्ध इकाई से निकल रहा है बाहर

कंपनी अपनी 70.68 फीसदी हिस्सेदारी निजी इक्विटी फर्मों के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बेचेगी

नई दिल्ली ।

स्विट्ज़रलैंड की दवा कंपनी नोवार्टिस एजी भारत में अपनी सूचीबद्ध इकाई नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड से बाहर निकल रही है। कंपनी ने अपनी 70.68 फीसदी हिस्सेदारी निजी इक्विटी फर्मों के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बेचने की सहमति दी है। सौदे का मूल्य लगभग 15.9 करोड़ डॉलर (1,446 करोड़ रुपये) है। इकंसोर्टियम भारत के नियमों के अनुसार 26 फीसदी तक की अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए 860.84 रुपये प्रति शेयर की अनिवार्य खुली पेशकश करेगा, जिसकी अनुमानित कीमत 552 करोड़ रुपये है। खुली पेशकश सफल होने पर कुल सौदा आकार करीब 1,998 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर नोवार्टिस इंडिया का शेयर 20 फीसदी बढ़कर 996.5 रुपये पर बंद हुआ। यह निवेशकों में विश्वास और सौदे के सकारात्मक असर को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि नोवार्टिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह भारत में नोवार्टिस का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। नोवार्टिस ने बयान में कहा कि हमारी वैश्विक रणनीति के अनुरूप हम अपने अभिनव कार्डियो रीनल मेटाबॉलिक और ऑन्कोलॉजी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं जिसे हाल में बाजार में उतारा गया है। नोवार्टिस इंडिया स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनी है और नोवार्टिस हेल्थ से अलग है। ऐसे में इस सौदे से नोवार्टिस हेल्थ के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने कहा कि भारत में उसके 9,000 से अधिक एसोसिएट हैं। क्रिस कैपिटल ने भारत में इंटास फार्मा, एरिस लाइफसाइंसेज, कोरोना रेमेडीज और ला रेनोन में निवेश किया हुआ है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि क्रिस कैपिटल भारत में नोवार्टिस इंडिया के पोर्टफोलियो को आगे कैसे बढ़ाना चाहती है। इस बारे में जानकारी के लिए क्रिस कैपिटल से फिलहाल संपर्क नहीं हो पाया।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर, 725 अरब डॉलर पहुंचा

- 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार घटकर 717.06 अरब डॉलर था

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 13 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.66 अरब डॉलर बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। जनवरी में विदेशी मुद्रा भंडार का पिछला उच्चतम स्तर 723.774 अरब डॉलर था। रिजर्व बैंक के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) होता है। रिपोर्टिंग सप्ताह में एफसीए 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गया। एफसीए में डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इसी अवधि में गोल्ड रिजर्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। सोने का भंडार 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का स्पेशल ड्रॉइंग राइट 10.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.92 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ में आरक्षित स्थिति 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.734 अरब डॉलर रही। विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आयात भुगतान, रुपये की स्थिरता और वैश्विक आर्थिक संकट के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। इसके साथ ही यह विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और देश की क्रेडिट रेटिंग सुधारने में भी मददगार साबित होता है।

भारतीय वीसी निवेशक अब जोखिम से बचने लगे: विनोद खोसला

- आप बड़े जोखिम नहीं लेंगे, तो बड़े नवाचार नहीं कर पाएंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला ने कहा कि देश में अधिकांश वेंचर कैपिटल (वीसी) निवेशक अब जोखिम से बचने वाले हो गए हैं। उनका कहना है कि कई निवेशक स्टार्टअप्स के बड़े और साहसिक नवाचार के बजाय छोटे-मध्यम राजस्व और शीघ्र नकदी प्रवाह पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। भारतीय वीसी हर बातचीत में पूछते हैं कि आपकी राजस्व योजना क्या है? आप दो-तीन साल में लाभ में कैसे होंगे? लेकिन अगर आप बड़े जोखिम नहीं लेंगे, तो बड़े नवाचार नहीं कर पाएंगे। खोसला ने आईआरआर (इंटरनल रेट आफ रिटर्न) की परंपरागत गणना पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि नए और अनदेखे बाजारों में निवेश करने के लिए आईआरआर की गणना गुमराह करने वाली हो सकती है। पिछले 200 निवेशों में मैंने कभी आईआरआर की गणना नहीं की। जोमैटो, फ्लिपकार्ट या ट्विटर के शुरुआती दौर में बड़े बाजार मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया, अगर वीसी सिर्फ आईआरआर पर ध्यान दें, तो यह गलत रास्ता है। खोसला के अनुसार, बड़े और साहसिक नवाचार के लिए जोखिम आवश्यक है। केवल सुरक्षित और तुरंत लाभ वाले विकल्प चुनने से

नए बाजार और वैश्विक स्तर के परिवर्तनकारी स्टार्टअप्स का उदय मुश्किल हो जाएगा।

इस साल लागू होंगे 5 बड़े एफटीए, निर्यात बढ़ाने 25,060 करोड़ का लक्ष्य- वाणिज्य मंत्री

- ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड से समझौते जल्द प्रभावी होंगे, निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत 7 नई पहल

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए पांच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) इस वर्ष लागू हो जाएंगे। ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए समझौते अप्रैल से प्रभावी हो सकते हैं, जबकि न्यूजीलैंड के साथ एफटीए सितंबर तक लागू होने की संभावना है। यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समझौते को पिछले महीने अंतिम रूप दिया गया है और ईयू भी इसे शीघ्र लागू करने का इच्छुक है। इजरायल के साथ एफटीए वार्ता संदर्भ की शर्तें तय होने के बाद अगले सप्ताह नई दिल्ली में शुरू होगी।

वहीं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव की भारत यात्रा के दौरान एफटीए वार्ता की समयसीमा पर चर्चा की जाएगी। सरकार ने 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) के अंतर्गत सात अतिरिक्त उपायों की घोषणा की है। इनका उद्देश्य नए उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देना, भारतीय कंपनियों को नए बाजारों तक पहुंचाना और निर्यात को अधिक समावेशी बनाना है। मंत्री ने कहा कि योजनाएं खासतौर पर एमएसएमई के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और उन्हें सस्ती दर पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। एमएसएमई को मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से एक्सपोर्ट फैक्टरिंग लेनदेन पर 2.5 प्रतिशत ब्याज छूट मिलेगी, जो सालाना 50 लाख रुपये तक सीमित होगी। ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए 50 लाख रुपये तक की डायरेक्ट क्रेडिट सुविधा 90 प्रतिशत गारंटी कवरेज के साथ उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, नए और उच्च जोखिम वाले बाजारों में प्रवेश के लिए साझा-जोखिम और क्रेडिट उपकरणों की भी व्यवस्था की गई है, ताकि भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता मजबूत हो सके।

एआई पर आईएमएफ की चेतावनी, 40 फीसदी नौकरियों पर खतरा!

मुंबई ।

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी कंपनियां लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए AI एआई को अपना रही हैं। इंटरनेशनल मानीटरी फंड (आईएमएफ) की स्टडी के अनुसार वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत एंट्री-लेवल नौकरियां एआई से प्रभावित हो सकती हैं, जबकि एडवांस्ड इकॉनमी में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। आईएमएफ ने इसे रोजगार बाजार में सुनामी जैसी स्थिति बताया। एआई केवल खतरा ही नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है। आईएमएफ के आकलन के अनुसार एआई से ग्लोबल ग्रोथ में लगभग 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी संभव है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड-पूर्व स्तर से भी तेज गति पकड़ सकती है। एआई का सही इस्तेमाल भारत जैसे देशों के लिए बड़ा अवसर बन सकता है।

दिसंबर तिमाही में सुस्त रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था

वाशिंगटन । अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार दिसंबर तिमाही में घटकर 1.4 फीसदी रह गई। यह सितंबर तिमाही की 4.4 फीसदी और उससे पहले की 3.8 फीसदीवृद्धि से काफी कम है। वाणिज्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी और उपभोक्ता खर्च में कमी जीडीपी की सुस्ती का मुख्य कारण रही। उपभोक्ता खर्च में केवल 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई, जो पिछले तिमाही के 3.5 फीसदी के मुकाबले कम है। इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर दिखा और साल 2025 की कुल वृद्धि दर 2.2 फीसदी रही। सालभर में केवल दो लाख से कम नए रोजगार बने, जो कोविड-19 महामारी के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसके बावजूद बेरोजगारी दर केवल 4.3 फीसदी तक बढ़ी। अर्थशास्त्रियों के अनुसार ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियों ने श्रम शक्ति को सीमित किया, जिससे काम के लिए उपलब्ध लोग कम हो गए और भर्ती धीमी रही।

खुदरा निवेशकों ने बनाया बाजार को मजबूत, जनवरी में रिकॉर्ड खरीदारी

- अक्टूबर 2024 के बाद 15 माह के उच्च स्तर पर पहुंचा निवेश

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार में व्यक्तिगत खुदरा निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 में खुदरा निवेशकों ने सेकंडरी मार्केट में 16,944 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जो अक्टूबर 2024 के बाद 15 महीने में सबसे अधिक मासिक निवेश है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और विभिन्न देशों में तनाव के बावजूद इस खरीदारी ने भारतीय बाजार को उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती का सहारा दिया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मासिक आधार पर खुदरा निवेशकों की खरीदारी में उल्लेखनीय तेजी आई है। इस खरीदारी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सेकंडरी मार्केट से होने वाली निकासी को केवल 687 करोड़ रुपये तक घटाने में अहम भूमिका निभाई। इसका मतलब है कि बाजार में शुद्ध निवेश लगभग संतुलित बना हुआ है। यदि प्राइमरी मार्केट के आंकड़े भी शामिल करें, तो चालू वित्त वर्ष में खुदरा निवेशकों का शुद्ध निवेश 40,685 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें आईपीओ में निवेशकों की बढ़ती भागीदारी का विशेष योगदान रहा। आंकड़े यह संकेत देते हैं कि सेकंडरी और प्राइमरी मार्केट दोनों में निवेशक इक्विटी बाजार के प्रति आकर्षित बने हुए हैं। हालांकि, कुल निवेश पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 1.59 लाख करोड़ रुपये से कम रहा। यह दर्शाता है कि निवेशक अब अधिक सतर्क और सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं। बाजार की अस्थिरताओं के बावजूद, वे केवल स्थिर और सुनिश्चित अवसरों में निवेश करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद मामूली बढ़त दर्ज की

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद मामूली बढ़त दर्ज की

- ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने 20 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया, लेकिन सप्ताह के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ बंद किया। सप्ताह के दौरान वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेत, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी। हालांकि, ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया और हफ़्ते के आखिरी दिन मामूली सुधार देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को कमजोर रही। सेंसेक्स 82,276.95 अंक पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद 537.49 अंक की तेजी के साथ 83,164.25 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 25,372.70 से 25,660 तक बढ़ा। मंगलवार को भी शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई, लेकिन इंफोसिस और आईटीसी जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को 173.81 अंक और निफ्टी को 42.65 अंक ऊपर लाकर बाजार को स्थिर किया। बुधवार को बाजार में मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 283.29 अंक बढ़कर 83,734.25 और निफ्टी 93.95 अंक की बढ़त के साथ 25,819.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को स्थिति बदल गई। सेवा और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में बिकवाली के दबाव ने सेंसेक्स को 1,236.11 अंक गिराकर 82,498.14 और निफ्टी को 365 अंक घटाकर 25,454.35 पर ला दिया, जो सप्ताह का सबसे नकारात्मक दिन था। शुक्रवार को बाजार ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए बैंकिंग और पूंजीगत वस्तुओं में खरीदारी से सुधार दिखाया। सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 और निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में, सेंसेक्स ने लगभग 538 अंक और निफ्टी ने 199 अंक की मामूली बढ़त दर्ज की। इस सप्ताह की गतिविधियों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय निवेशक वैश्विक अनिश्चितताओं और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भी सतर्क रहते हुए चुनिंदा खरीदारी कर बाजार को स्थिर बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

नवी मुंबई हवाईअड्डा ने शुरू की डिजियात्रा सेवा

- हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रवेश तेज और सुविधाजनक होगा

मुंबई । नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) ने अपने वाणिज्यिक संचालन के दो महीने बाद डिजियात्रा सेवा शुरू की है। इस सेवा के तहत हवाई अड्डा देश के पांच अन्य हवाई अड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। डिजियात्रा सेवा का उद्घाटन ऑनलाइन किया गया। इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का उपयोग किया और बायोमेट्रिक प्रवेश बिंदुओं पर रिबन काटा। डिजियात्रा प्रणाली चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल करती है, जिससे हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रवेश तेज और सुविधाजनक होता है। यह तकनीक प्रतीक्षा समय को कम करती है और यात्रियों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इस डिजिटल पहल से यात्रियों को हवाईअड्डा अनुभव में आसानी मिलती है, लंबी कतारों से बचा जा सकता है और बोर्डिंग प्रक्रिया में समय की बचत होती है। एनएमआईए ने इस कदम को आधुनिक और सुरक्षित हवाई अड्डा संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

अमेरिका में टैरिफ उलटफेर को लेकर वैश्विक बाजार में बढ़ी अनिश्चितता

सोमवार को भारतीय शेयर बाजार और कंपनियों पर दिखेगा असर

मुंबई । अमेरिका में व्यापार नीति को लेकर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। अमे रिका के सुप्रीम कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा कुछ ट्रेडिंग पार्टनर्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को रद्द कर दिया। फैसले के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 10 फीसदी का नया ग्लोबल टैरिफ लागू करने को मंजूरी दी। इससे वैश्विक व्यापार नीति में अनिश्चितता बढ़ गई है और निवेशकों की नजर अब अमेरिकी कदमों पर टिकी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह फैसला उन भारतीय कंपनियों के लिए राहत लेकर आया है जिनका अमेरिका में बड़ा एक्सपोजर है। अनुमान है कि बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 500 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुल सकता है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज के अनुसार, पहले लागू 18 फीसदी पारस्परिक टैरिफ अब प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है। भारत के करीब 55 फीसदी निर्यात पर अब केवल 10 फीसदी टैरिफ लागू रहेगा। हालांकि, स्टील, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर पर सेक्टर-विशिष्ट टैरिफ जारी रहेंगे। वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। इससे सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है।

सोने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में 4,880 डॉलर प्रति औंस का सपोर्ट और 5,100-5,120 डॉलर का रेजिस्टेंस बताया गया है। घरेलू बाजार में 1,49,800 रुपए प्रति 10 ग्राम सपोर्ट और 1,61,000 रुपए रेजिस्टेंस स्तर माना जा रहा है। इन स्तरों के पार जाने पर सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार में 5,350 डॉलर और भारत में 1,75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। चांदी के लिए घरेलू बाजार में 2,25,000 रुपए प्रति किलोग्राम सपोर्ट और 2,75,000-2,78,000 रुपए रेजिस्टेंस स्तर बताया गया है। मजबूत ब्रेकआउट की स्थिति में चांदी 3,50,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। कुल मिलाकर टैरिफ को लेकर अमेरिका में हुए इस बड़े फैसले ने वैश्विक बाजारों में नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। अब निवेशकों की नजर सोमवार को बाजार की शुरुआत और कमोडिटी कीमतों की चाल पर रहेगी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप का रेसिप्रोकल टैरिफ रद्द किया, भारत को राहत

- फिर भी 8 अरब डॉलर निर्यात पर है पेंच

नई दिल्ली । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए 'रेसिप्रोकल टैरिफ' को रद्द कर दिया है। यह फैसला भारतीय निर्यातकों के लिए राहत की खबर है, हालांकि सभी समस्याएं खत्म नहीं हुई हैं। भारत से अमेरिका जाने वाले अधिकांश सामानों पर लगे 18 फीसदी टैक्स अब समाप्त हो जाएंगे। अब यह वापस पुराने स्तर, लगभग 3 फीसदी, पर आ जाएगा। इससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिका के बाजार में अपने उत्पादों की कीमत प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, अमेरिका के 'नेशनल सिक्योरिटी' कानून के तहत स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल जैसे सामानों पर टैरिफ अब भी जारी रहेंगे। इसका मतलब है कि भारत से होने वाले लगभग 8 अरब डॉलर (करीब 67,000 करोड़ रुपये) के कुछ प्रमुख निर्यात पर टैक्स अभी भी लगेगा। ट्रम्प ने 20 जनवरी, 2025 को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ग्लोबल ट्रेड में दबाव बनाने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उनका तर्क था कि कई देशों में अमेरिकी सामान पर उच्च टैरिफ था, जबकि वहां के उत्पाद अमेरिका में सस्ते या बिना टैरिफ बिकते थे। 3 फरवरी, 2026 को ट्रंप ने भारत पर टैरिफ घटाकर 18 फीसदी करने का ऐलान किया था। साथ ही रूस से तेल पर 25 फीसदी अतिरिक्त पेनाल्टी टैरिफ भी हटा दिया गया।

केंद्र सरकार लाएगी नए आयकर नियम, क्रेडिट कार्ड खर्च पर पड़ेगा असर

- नये नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना

नई दिल्ली । केंद्र सरकार 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स नियम तैयार कर रही है। ये नियम 1962 के पुराने कानून की जगह लेंगे और डिजिटल ट्रांजैक्शन में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ टैक्स चोरी पर कड़ी नजर रखेंगे। यदि कोई व्यक्ति सालाना 10 लाख रुपए या उससे अधिक का क्रेडिट कार्ड या डिजिटल भुगतान करता है, तो बैंक इसकी जानकारी सीधे आयकर विभाग को देंगे। 1 लाख रुपए या उससे अधिक का नकद भुगतान भी निगरानी में रहेगा। अब क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट का उपयोग एड्रेस प्रूफ के रूप में किया जा सकेगा। इसके अलावा, भविष्य में टैक्स भुगतान सीधे क्रेडिट कार्ड से किया जा सकेगा, हालांकि बैंक प्रोसेसिंग शुल्क लागू होंगे। कंपनी कार्ड से व्यक्तिगत खर्च पर टैक्स लगेगा, जबकि व्यवसायिक खर्च जैसे मीटिंग और ट्रिप पर टैक्स मुक्त रहेगा, बशर्ते कंपनी का पूरा रिकॉर्ड हो। क्रेडिट कार्ड के लिए अब पेन कार्ड अनिवार्य होगा। बिना पेन के आवेदन स्वीकार नहीं होंगे, जिससे बड़े ट्रांजैक्शन को टैक्स प्रोफाइल से जोड़ना आसान होगा। नए नियम टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और डिजिटल खर्च को सही तरीके से रिपोर्ट करने में मदद करेंगे।

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

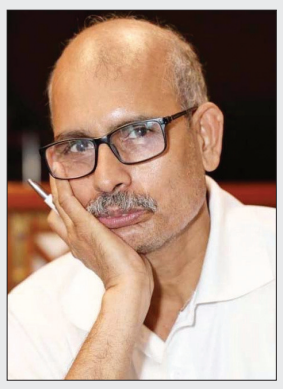

विनोद कुमार सिंह

एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था-एक ओर भारत का स्वर्णिम स्वप्न है,तो दूसरी ओर भारत का भय।मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं।जो विदेशी निवेश,तकनीकी साझेदारी और रोजगार की अनंत संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करेंगी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति–कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है।

मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को ह्लडिजिटल स्वराजह्व का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नियंता होगा। अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई–देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका।

एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और

एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है।

विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा।

परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है।

एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार, स्वास्थ्य,शिक्षा और वित्तीय विवरण एआई प्रणालियों में प्रवाहित होंगे। यह प्रश्न उठता है कि इस डेटा का स्वामी कौन होगा - नागरिक,सरकार या कॉर्पोरेट? भारत में डेटा संरक्षण कानून विकसित हो रहे हैं, परंतु आम नागरिक के मन में यह आशंका है कि कहीं उसकी निजता तकनीकी प्रगति की बलि न चढ़ जाए।डिजिटल असमानता का प्रश्न भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर है। भारत एक असमान समाज है–शहरी और ग्रामीण, अमीर और गरीब, शिक्षित और अशिक्षित के बीच गहरी खाई है।यदि एआई केवल शहरी,अंग्रेजी-भाषी और तकनीकी रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित रहा,तो यह खाई और गहरी हो सकती है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने की बात करती है, ताकि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषाओं के नागरिक भी लाभान्वित हों।यह एक सकारात्मक संकेत है,परंतु इसे नीति और संसाधनों के स्तर पर वास्तविक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा।एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 26 में भारत बनाम अमेरिका और चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी स्पष्ट था। अमेरिका एआई अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी है, चीन एआई को राज्य-नियंत्रित रणनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहा है, और भारत तीसरा रास्ता खोज रहा है–लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित एआई विकास का मॉडल। यह एक कठिन लेकिन नैतिक रूप से आवश्यक मार्ग है। यदि भारत इस मार्ग पर सफल होता है, तो वह केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक वैश्विक नेतृत्व भी स्थापित कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव चेतना, समाज और सभ्यता को पुनर्परिभाषित करने वाली शक्ति है। भारतीय दर्शन में बुद्धि को विवेक, धर्म और करुणा से जोड़ा गया है। मशीन बुद्धि में यह विवेक और करुणा कहाँ से आएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक भी है। भारत, जो योग, दर्शन और मानव चेतना के अध्ययन की प्राचीन परंपरा रखता है, एआई युग में मानव और मशीन के संबंध पर वैश्विक विमर्श का नेतृत्व कर सकता है।

एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था - एक ओर भारत का स्वप्न, दूसरी ओर भारत का भय। मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं। विदेशी निवेश, तकनीकी साझेदारी और रोजगार की संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती हैं। यदि भारत एआई उत्पादन, चिप निर्माण,डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान में आत्मनिर्भर बनता है, तो वह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बन सकता है।

परंतु यह यात्रा तभी सफल होगी, जब एआई को लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित बनाया जाएगा। तकनीक को पूंजी और सत्ता के केंद्रीकरण का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानव कल्याण का माध्यम बनाना होगा। रोजगार पुनर्गठन, शिक्षा सुधार, डिजिटल समावेशन और डेटा संरक्षण को एआई नीति के साथ एकीकृत करना होगा।एआई भारत का भाग्य और भविष्य बन सकता है, परंतु केवल तब,जब यह मानवता का विस्तार बने, उसका विकल्प नहीं। भारत के सामने अवसर भी है और चुनौती भी। एआई इम्पैक्ट 2026 ने भविष्य का द्वार खोल दिया है–अब यह भारत पर निर्भर है कि वह इस द्वार से होकर एक न्यायपूर्ण, समावेशी और विवेकपूर्ण तकनीकी सभ्यता की ओर बढ़ता है, या फिर एक ऐसी मशीन-प्रधान दुनिया की ओर, जहाँ मानव केवल उपभोक्ता बनकर रह जाए।भारत का भाग्य और भविष्य अब एल्गोरिद्म,डेटा और मशीनों की प्रयोगशालाओं में लिखा जा रहा है, परंतु उसकी आत्मा अभी भी मानव विवेक,करुणा और लोकतंत्र में बसती है। यही द्वंद्व एआई युग के भारत की सबसे बड़ी कहानी भी है जिम्मेदारी भी होगी जो अभी अतीत के गर्भ में छुपी है।

संपादकीय

प्रपंच से फजीहत

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरूआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने बताए ट्रंप के अधिकार,टैरिफ रद्द

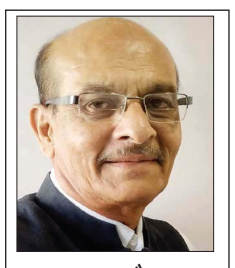

सनत जैन

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका की सर्वोच्च अदालत की 9 जजों की खंडपीठ ने 6 जजों के बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पिछले 1 साल मैं जिन देशों के ऊपर टैरिफ लगाया गया था, उसको अवैध करार दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिकांश देशों पर टैरिफ लगाकर समझौते के लिए जो दबाव बनाया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति को इस तरह से टेरिफ लगाने का कोई अधिकार ही नहीं था। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने आपातकालीन अधिकारों का प्रयोग करके, सारी दुनिया के देशों को डरा-धमकाकर मनमाफिक तरीके से समझौते करना चाहते थे। इसमें कुछ हद तक डोनाल्ड ट्रंप सफल भी हो गए हैं। भारत जैसे बड़े राष्ट्र को उन्होंने अपने शिकंजे में कस लिया है। भारत के साथ उन्होंने द्विपक्षी व्यापार मे टैरिफ को लेकर समझौता करने में सफल रहे हैं। इसी तरह का समझौता उन्होंने कई अन्य देशों के साथ भी पिछले कुछ महीनो में किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ का भय दिखाकर जो समझौते किए हैं। उस समझौते में कहीं ना कहीं ट्रंप का परिवार का फायदा शामिल है। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के मित्र देशों और दुनिया के अन्य देशों में टैरिफ का भय दिखाकर अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अमेरिका की साख को एक बड़ा नुकसान पहुंचाने का काम किया है। इसके साथ ही टेरिफ के कारण अमेरिका की महंगाई बढी है, अमेरिका के व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ है। टैरिफ के कारण सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को भोगना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने। इसके बाद अमेरिकी कानून के अनुसार वह तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। एक तरह से उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल का फायदा अपने परिवार को पहुंचाने के लिए, जो रणनीति अपनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के निर्णय की समीक्षा कर उसे पूरी तरह से अवैध करार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है इस तरह के अधिकार केवल संसद को प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ अधिकार आपातकालीन स्थितियों के लिए दिए गए थे। टेरिफ का निर्णय विषम परिस्थिति मे किसी एक या दो राष्ट्रों के साथ हो सकती थी। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने इस कानून के तहत आपातकालीन अधिकार का इस्तेमाल करके मनमाने तरीके से टेरिफ लगाए गए हैं। वह अधिकारों का दुरुपयोग है। अमेरिका के व्यापारी यह मुकदमा विभिन्न अदालतों में लड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सभी अदालत से ट्रंप को मुंह की खानी पड़ी थी। टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका में महंगाई बढ़ रही थी। अमेरिका के व्यापारियों के व्यापारिक हित प्रभावित हो रहे थे। ट्रंप का दावा था, टैरिफ लगाने से लगभग 600 अरब डॉलर का फायदा अमेरिका को हुआ है। इसका भार अमेरिका के नागरिकों और अमेरिका के व्यापारियों पर पड़ा है। टेरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर दिखाना पूरी तरह गलत था। अब यह बात सामने आ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अधिकारों का दुरुपयोग किया है। असल में अमेरिका मे इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट लागू है । इसके तहत राष्ट्रपति को गंभीर खतरा और असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकट की स्थिति में कुछ विशेष शक्तियां दी गई थी। इन शक्तियों के माध्यम से राष्ट्रपति तात्कालिक रूप से विदेशी लेनदेन पर रोक या प्रतिबंध लगा सकते थे। इस अधिकार का दुरूपयोग करते हुए ट्रम्प ने टैरिफ के माध्यम से दुनिया के सभी देशों को डरा धमकाकर मनमाने तरीके से समझौता करने का जो दवाब बनाया था। वह अमेरिकी हितों के लिए नहीं, वरन ट्रंप परिवार के लिए उपयोगी था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ना तय हैं। पिछले 1 वर्ष में इस तरह के आरोप ट्रम्प पर लग रहे हैं। वह अपने पारिवारिक और व्यापारिक हितों के लिए पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस फैसले के बाद निश्चित रूप से डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। भारत-पाकिस्तान बांग्लादेश एवं कुछ अन्य देशों के साथ जो समझौतेअमेरिका द्वारा किए गए हैं। वह भविष्य में भी मान्य रहेंगे। समझौता दोनों पक्षों की सहमति के रूप में देखा जा रहा है। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौते नहीं किए हैं। उनके टैरिफ अपने आप रद्द हो जाएंगे। अमेरिका की सरकार को कंपनियों और व्यापारियों को टेरिफ के कारण जो राजस्व अमेरिकी सरकार द्वारा वसूला गया था। उसे वापस भी करना पड़ सकता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दादागिरी करते हुए अपने निजी एवं पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय ले रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब उसे पर रोक लग गई है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका सहित सारे विश्व के देशों में होना तय है। अब देखते हैं, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद अमेरिका में इस मामले का पटाक्षेप किस रूप में दुनिया को देखने को मिलता है। भारत ने अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर जो समझौता किया है। वह भारत के लिए एक फंदा बन गया है। भारत इससे कैसे बाहर निकलेगा,इसका रास्ता भारत को ही निकलना होगा। भारत सरकार ट्रंप के सामने इतनी बेवस क्यों हैं? इसको लेकर भारत की राजनीति में भी इसका असर देखने को मिलने लगा है।

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

मोदी लूला की दोस्ती ने किया कमाल, क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते ने दुनिया में मचाया धमाल

नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज वह तस्वीर दिखी जिसने वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा में नया संकेत दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में भारत और ब्राजील ने क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साथ ही इस्पात आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ। यह आपूर्ति शृंखला की मजबूती, सामरिक स्वावलंबन और आर्थिक शक्ति के नए युग की घोषणा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स पर हुआ समझौता मजबूत और लचीली आपूर्ति शृंखला बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच भरोसे और रणनीतिक तालमेल का प्रमाण है। उन्होंने अगले दस वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डॉलर से आगे ले जाने का लक्ष्य दोहराया। ब्राजील पहले ही लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, अब यह संबंध नई ऊंचाई छूने को तैयार है।

राष्ट्रपति लूला ने भी भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता की खुलकर सराहना की। सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति को उन्होंने भविष्य की साझेदारी का आधार बताया। उनके साथ आए मंत्रियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का बड़ा दल यह संकेत देता है कि यह मित्रता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और औद्योगिक धरातल पर भी मजबूत हो रही है।

हम आपको बता दें कि ब्राजील लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल और नियोबियम जैसे खनिजों का विश्व के प्रमुख उत्पादकों में है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता 218 मिलियन टन तक पहुंच चुकी है और आधारभूत ढांचे के विस्तार के साथ इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में ब्राजील के साथ खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उन्नत तकनीक पर सहयोग भारत को कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

वहीं, क्रिटिकल मिनरल्स समझौता केवल उद्योग की जरूरत नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता है। विश्व में रेयर अर्थ उत्पादन पर चीन का लगभग एकाधिकार रहा है। भारत लंबे समय से निर्भरता कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ब्राजील के साथ यह साझेदारी उस रणनीति को ठोस आधार देती है। इससे भारत की रक्षा, ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष और उच्च तकनीक उद्योगों को स्थायी आपूर्ति मिलेगी।

देखा जाये तो भारत और ब्राजील की यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय नहीं है। यह ग्लोबल साउथ की सामूहिक आवाज को मजबूती देती है। जब दो बड़े लोकतंत्र खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और तकनीक में हाथ मिलाते हैं तो वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का समीकरण बदलता है। पश्चिमी शक्तियों और चीन के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा के दौर में यह समझौता तीसरे ध्रुव की संभावना को मजबूत करता है।

ऊर्जा क्षेत्र में जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत उड्डयन ईंधन पर सहयोग हरित भविष्य की दिशा में कदम है। आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना और जलवायु अनुकूल कृषि में साझा पहल विकासशील देशों के लिए उदाहरण बन सकती है। स्वास्थ्य और औषधि क्षेत्र में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति ब्राजील के लिए लाभकारी होगी, वहीं भारतीय औषधि उद्योग को विशाल बाजार मिलेगा।

वहीं रक्षा क्षेत्र में बढ़ता तालमेल हिंद महासागर और दक्षिण अटलांटिक क्षेत्र में सामरिक संतुलन को प्रभावित करेगा। समुद्री सुरक्षा, संसाधन संरक्षण और तकनीकी साझेदारी से दोनों देश अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सकते हैं।

देखा जाये तो भारत की विदेश नीति पिछले कुछ वर्षों में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध किया है कि मित्रता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक निवेश होती है। ब्राजील के साथ बढ़ती निकटता इसी सोच का परिणाम है। मोदी की नीति बहु ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलित और स्वायत्त भूमिका की है। एक ओर पश्चिमी देशों से गहरे संबंध, दूसरी ओर रूस से सामरिक तालमेल और साथ ही वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ सघन सहयोग। ब्राजील के साथ क्रिटिकल मिनरल्स और इस्पात समझौता इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह संदेश स्पष्ट है कि भारत अपने औद्योगिक और सामरिक भविष्य को किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं छोड़ेगा। इस साझेदारी से भारत को कच्चे माल की सुरक्षा, नई तकनीक, निवेश और बाजार मिलेगा। ब्राजील को भारत की तकनीकी दक्षता, औषधि आपूर्ति, डिजिटल ढांचा और विशाल उपभोक्ता बाजार का लाभ मिलेगा। दोनों देश मिलकर वैश्विक मंचों पर संस्थागत सुधार, आतंकवाद के विरोध और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देंगे।

यह समझौता एक रणनीतिक घोषणा है कि भारत अपने पक्के दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। आने वाले वर्षों में यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर जमीन पर उतरता है तो यह एशिया और लैटिन अमेरिका के बीच नए शक्ति सेतु का निर्माण करेगा। यही वह दिशा है जिसमें भारत आत्मनिर्भर, प्रभावशाली और निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर भारी टैरिफ के बहाने खोज रहे ट्रंप, अमेरिकी सांसद का दावा, बोले-हो रहा दोहरा बर्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर बेतहाशा टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं, जबकि उन्हें तुरंत तेल खरीद से जुड़ी नीति बदलनी चाहिए। सांसद ब्रैड शेरमैन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रंप का दावा है कि भारत पर रूसी तेल के आयात के लिए शुल्क लगाया गया था। हंगरी रूस से अपने कच्चे तेल का 90 फीसदी आयात करता है लेकिन उस पर कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर रूसी तेल खरीद से जुड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हालांकि, उस पर अन्य कारणों से कार्रवाई की गई है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति और वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरमैन ने कहा कि भारत, रूस से अपने कच्चे तेल का सिर्फ 21 फीसदी आयात करता है, लेकिन हमारे सहयोगी को निशाना बनाया गया। ट्रंप भारत पर बेतहाशा शुल्क लगाने के बहाने ढूंढ रहे हैं। उन्हें यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर टैरिफ को गेमचेंजर बताते हुए दावा किया कि अमेरिका के व्यापार घाटे में 78 फीसदी की भारी कमी आई है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय विभिन्न कंपनियों और देशों पर लगाए गए टैरिफ को दिया और इसे कई दशकों में पहली उपलब्धि करार दिया। सोशल मीडिया में बुधवार को यह जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा कि इस साल के अंत तक अमेरिका का व्यापार सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि, राष्ट्रपति के दावों के उलट आंकड़े कुछ और कहानी बयां कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में अमेरिका का व्यापार घाटा फिर से बढ़कर 56.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, जो उससे पिछले महीने की तुलना में करीब 95 फीसदी अधिक था। इस दौरान निर्यात 3.6 फीसदी घटकर 292.1 अरब डॉलर रह गया।

सुशीला कार्की ने चेताया, असंतोष दूर नहीं किया तो फिर होगा विद्रोह; कहा- लोकतंत्र में होनी चाहिए जवाबदेही

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट देना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 2007 की क्रांति ने नेपालियों को रैती (प्रजा) से नागरिक बनाया था। हालांकि, आज हमें खुद की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की स्थापना के दशकों बाद भी नेपाल को बार-बार आंदोलनों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। क्यों आज की नई पीढ़ी (जेन-जी) को सड़कों पर उतरना पड़ा। कार्की ने स्वीकार किया कि हमने संविधान में सुंदर शब्द तो लिखे लेकिन लोकतांत्रिक व्यवहार को संस्थागत नहीं कर पाए। प्रतिनिधि सभा के चुनावों का उल्लेख करते हुए कार्की ने देश को भरोसा दिलाया कि सरकार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरी ऊर्जा लगा रही है। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने नेपाल में जनता के बीच असंतोष का हवाला देते हुए चुनाव स्थगित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनता की असंतुष्टि के बीच इस समय चुनाव कराने से हालात और भी ज्यादा बिगड़ सकते हैं।

चेतावनी के बीच ईरान-रूस का संयुक्त अभ्यास शुरू, ट्रंप की सख्ती से बढ़ा तनाव

काहिरा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव तेज है। एक ओर ट्रंप ने ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिए 10 से 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, दूसरी ओर ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी और उत्तरी हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई जा रही है। ईरानी सेना की वेबसाइट के अनुसार, ईरान की सेना, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और रूस की स्पेशल ऑपरेशन टीमों ने अभ्यास के दौरान कथित हाईजैक किए गए जहाज को छुड़ाने का ऑपरेशन किया। ड्रिल में ईरान का अलवंद डिस्ट्रॉयर, मिसाइल दागने वाले युद्धपोत, हेलीकॉप्टर, लैंडिंग क्राफ्ट, स्पेशल टीम और कॉम्बैट स्पीडबोट शामिल रहे। यह अभ्यास उसी सप्ताह हुआ जब आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में ड्रिल की थी। उस दौरान रणनीतिक जलमार्ग कुछ समय के लिए बंद भी किया गया था। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम है। संयुक्त अभ्यास को क्षेत्रीय शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि ईरान के पास डील के लिए 10 से 15 दिन हैं, इसके बाद बहुत बुरी चीजें हो सकती हैं।

अगले 10 दिनों में मिडिल ईस्ट में होगा कुछ बड़ा, ईरान को ट्रंप की कड़ी चेतावनी; कहा- बुरे नतीजे होंगे

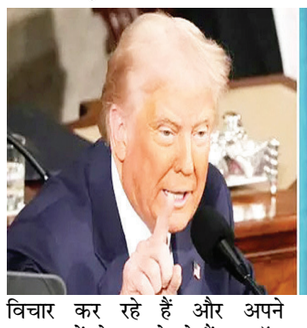

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा बयान दिया है। बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में उन्होंने कहा कि ईरान को एक सार्थक समझौता करना होगा, नहीं तो हालात खराब हो सकते हैं। ट्रंप ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, अगले लगभग 10 दिनों में आपको पता चल जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता करना हमेशा आसान नहीं रहा है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई मजबूत और सार्थक डील नहीं होती है, तो बुरी चीजें हो सकती हैं। इस बयान के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष बातचीत फिर से शुरू हुई है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह भी संकेत दिया था कि अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। उन्होंने ब्रिटेन को चेतावनी दी कि वह हिंद महासागर के चागोस द्वीपसमूह पर अपनी संप्रभुता न छोड़े। ट्रंप ने कहा कि वहां स्थित डिएगो गार्सिया एयरबेस ईरान के खिलाफ जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल की जा सकती है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस को जानकारी दी गई है कि सेना इस सप्ताहांत तक हमले के लिए तैयार है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप अंतिम फैसला लेंगे या नहीं। एक सूत्र के अनुसार, ट्रंप इस मुद्दे पर गहराई से विचार कर रहे हैं और अपने सलाहकारों से राय ले रहे हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप को ऐसे सैन्य विकल्प बताए गए हैं, जिनका मकसद अधिकतम नुकसान पहुंचाना है। इनमें ईरान के कई राजनीतिक और सैन्य नेताओं को निशाना बनाने और सरकार को गिराने की योजना भी शामिल बताई गई है। मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ईरान किसी भी कीमत पर अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। इस बीच, अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा दी है। वहां इस समय 13 अमेरिकी युद्धपोत मौजूद हैं, जिनमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन, नौ विध्वंसक जहाज और तीन लिटोरल कॉम्बैट शिप शामिल हैं। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड भी अटलांटिक महासागर से मध्य पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके साथ तीन विध्वंसक जहाज भी हैं। आमतौर पर इस क्षेत्र में एक समय में दो अमेरिकी विमानवाहक पोत कम ही तैनात होते हैं।

हवाई गतिविधियां हुईं तेज : रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी भेजे हैं। इनमें एफ-22 रैप्टर स्टील्थ फाइटर जेट, एफ-15 और एफ-16 लड़ाकू विमान शामिल हैं। इनके साथ केसी-135 एयर रिफ्यूलिंग विमान भी तैनात किए गए हैं, जो हवा में ईंधन भरने का काम करते हैं।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, कई केसी-135 विमान मध्य पूर्व के आसपास उड़ान भरते दिखे हैं। इसके अलावा ई-3 सेंट्री चेतावनी विमान और कार्गो प्लेन भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। कुल मिलाकर, बातचीत जारी रहने के बावजूद अमेरिका ने सैन्य तैयारी तेज कर दी है। अब सबकी नजरें ट्रंप के अगले कदम पर हैं, जो उन्होंने खुद कहा है कि अगले 10 दिनों में साफ हो जाएगा।

ट्रंप ने बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान को दी बधाई, पत्र में व्यापार और रक्षा संबंधों को लेकर कही ये बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान को उनके ऐतिहासिक चुनाव पर बधाई दी। इसके साथ ही ट्रंप ने तारिक रहमान से द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा समझौतों पर प्रगति का आग्रह करते हुए कहा है कि वॉशिंगटन ढाका के साथ अपने रणनीतिक संबंधों में गति बनाए रखने का ध्येय रखता है। 18 फरवरी, 2026 को लिखे एक पत्र में ट्रंप ने रहमान को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी और बांग्लादेश जन गणराज्य के प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में सफलता की कामना की। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी किए गए इस पत्र में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने पर वॉशिंगटन के रणनीतिक फोकस पर प्रकाश डाला गया। साथ ही दोनों देशों के बीच आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ाने की उम्मीदों का संकेत दिया गया। ट्रंप ने अपने पत्र में कहा, हमारे देशों के बीच साझेदारी आपसी सम्मान और एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने के साझा हित पर आधारित है, जहां मजबूत, संप्रभु राष्ट्र समृद्ध हो सकें। उन्होंने व्यापार संबंधों के विस्तार के महत्व पर जोर दिया और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के निरंतर कार्यान्वयन का आह्वान किया।

पहले कंडोम, अब अमेरिकास... शहबाज के यूएस दौरे पर पाक की इंटरनेशनल बेइज्जती, उड़ रहा जमकर मजाक

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नवाज सरीफ के 18 से 20 फरवरी तक अमेरिका दौरे को लेकर एक प्रेस रिलीज जारी की थी। इस बयान में बताया गया था कि वे अमेरिका में बोर्ड ऑफ पीस के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। लेकिन बयान की हेडिंग में ही बड़ी गलतियां सामने आ गईं। हेडिंग इस तरह लिखी गई थी इसमें यूनाइटेड की जगह यूनाइट्स और अमेरिका की जगह अमेरिकास लिखा गया था। यानी शीर्षक में ही दो स्पष्ट टाइपिंग गलतियां थीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इन गलतियों को तुरंत पकड़ लिया और पाकिस्तान सरकार की आलोचना शुरू कर दी।

सोशल मीडिया पर मजाक और आलोचना : इंटरनेट यूजर्स ने इस चूक पर तीखी प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, लानत है तुम पर। वहीं, सौरभ नाम के एक अन्य यूजर ने व्यंग्य करते हुए लिखा कि थोड़ा ज्यादा 'कर्टेन रेज' हो गया बोज यूनाइट्स। इस तरह यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर सवाल उठने लगे।

पहले भी हो चुकी है ऐसी गलती : यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की गलती सामने आई हो। पिछले साल जब इजराइल ने ईरान पर हवाई हमला किया था, तब शहबाज शरीफ के नाम से एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ था। उसमें कथित तौर परमैं हमले को कंडोम करता हूं लिखा गया था, जबकि सही शब्द (निंदा कर) होना चाहिए था। इस गलती को लेकर भी पाकिस्तान सरकार का काफी मजाक उड़ा था।

शरीफ शुक्रवार को वॉशिंगटन में बोर्ड ऑफ पीस के सत्र में भाग लेंगे। साथ ही अपने प्रवास के दौरान वे वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से भी मुलाकात कर सकते हैं। बोर्ड ऑफ पीस बैठक में कौन-कौन से देश? 18 फरवरी को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में आठ मुस्लिम बहुल देशों के शामिल होने की संभावना है। इनमें सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।बैठक में शांति और सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

शांति बोर्ड में चीन-रूस को भी शामिल करना चाहते हैं ट्रंप, दुनिया की राजनीति में नई हलचल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति बोर्ड की उद्घाटन बैठक आयोजित करते हुए, इसमें चीन और रूस को शामिल करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस बोर्ड की पहली बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई, जिसमें 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीन और रूस भी इस बोर्ड में शामिल हों। दोनों देशों को न्योता भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने शामिल होने पर कोई फैसला नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और वे अप्रैल में चीन का दौरा करने वाले हैं। ट्रंप ने कहा कि यह नया शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कामकाज पर भी नजर रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वह सही तरीके से काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यूएन को आर्थिक मदद देगा ताकि उसकी हालत मजबूत हो सके। इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस शांति बोर्ड के काम के लिए 10 अरब डॉलर देगा। शुरुआत में यह शांति बोर्ड गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण और शांति प्रयासों पर ध्यान देगा। ट्रंप के अनुसार, शांति बोर्ड का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संघर्ष समाधान तंत्र को मजबूत करना और वैश्विक संकटों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना है। इस बैठक में 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया, लेकिन फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रमुख सदस्य शामिल नहीं हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ ने बोर्ड में सीट न लेने का विकल्प चुना है। भारत को भी इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता मिला है, लेकिन भारत ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए 20 सूत्री गाजा युद्धविराम योजना के दूसरे चरण के तहत शांति बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। इस बोर्ड के शुरुआती एग्जिक्यूटिव सदस्यों में ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर शामिल हैं।

अब सीमा पर रोबोट आर्मी तैनात करेगा चीन?

बीजिंग, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट असॉल्ट राइफल लेकर चलते दिखाई दे रहे हैं। दावा किया गया कि चीन ने रोबोट सैनिकों को सैन्य सेवा के लिए ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। लेकिन जांच में यह दावा संदिग्ध पाया गया है और वीडियो को एआई से तैयार किया गया बताया गया है। वायरल पोस्ट में कहा गया था कि चीन ने यूनिट्री नाम के रोबोट का लाइव-फायर टेस्ट शुरू कर दिया है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि भविष्य में युद्ध के लिए इंसानों की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, एआई टूल ग्रोक की जांच में सामने आया कि यह वीडियो असली नहीं है और संभवतः एआई से बनाया गया है। 2026 में यूनिट्री के ह्यूमनॉइड रोबोट के सैन्य लाइव-फायर टेस्ट की कोई आधिकारिक या विश्वसनीय रिपोर्ट नहीं मिली है।

वीडियो पर क्या कहती है जांच : ग्रोक के अनुसार, अब तक यूनिट्री रोबोट का इस्तेमाल केवल नागरिक कार्यक्रमों में प्रदर्शन के लिए हुआ है। ये रोबोट टीवी कार्यक्रमों, जैसे स्प्रिंग फेस्टिवल गाला, में प्रदर्शन करते नजर आए हैं। पिछले वर्षों में चीन ने सैन्य परीक्षणों में चार पैरों वाले (क्वाड्रुपेड) रोबोट का इस्तेमाल किया था, लेकिन ह्यूमनॉइड रोबोट सैनिकों की ट्रेनिंग का कोई पुख्ता सबूत नहीं है। यह पहली बार नहीं है जब चीन से जुड़ी ऐसी खबरें वायरल हुई हों। इससे पहले भी दावा किया गया था कि चीन ने एलएसी के पास एआई रोबोट तैनात किए हैं। चीन में रोबोट का असली इस्तेमाल चीन ने हाल ही में कुछ गैर-लड़ाकू कामों के लिए ह्यूमनॉइड रोबोट के ट्रायल की घोषणा की है। शेनझेन की कंपनी यूबीटेक रोबोटिक्स ने वियतनाम सीमा के पास एक पायलट प्रोजेक्ट के लिए रोबोट सप्लाई करने का करार किया है। इस प्रोजेक्ट में वॉकर एस2 नाम का ह्यूमनॉइड रोबोट शामिल है, जिसे जुलाई 2025 में पेश किया गया था। इसे ऐसी बैटरी सिस्टम के साथ बनाया गया है जो खुद बदल सकती है, जिससे यह लंबे समय तक काम कर सकता है। इसका उपयोग लॉजिस्टिक्स, कस्टम और बॉर्डर मैनेजमेंट जैसे कामों में किया जाना है। चीन की कंपनी ने हाल ही में टीवी प्रसारण के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट से मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कराया, जिससे दुनिया का ध्यान आकर्षित हुआ।

चीन का रोबोटिक्स पर जोर : अन्य कंपनियां भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। मैजिकलब ने डांस करते ह्यूमनॉइड रोबोट दिखाए, जबकि नोएटिक्स रोबोटिक्स ने इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट पेश किए। बीजिंग की गैल्बोट ने ऐसे रोबोट दिखाए जो अखरोट तोड़ने, सॉसेज में सींक लगाने और कपड़े मोड़ने जैसे काम कर सकते हैं।

मैंने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई, ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में बढ़े सैन्य तनाव को अपनी टैरिफ नीति की धमकी से रुकवाया। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश लड़ाई जारी रखते, तो वह उन पर 200 प्रतिशत टैरिफ (भारी आयात शुल्क) लगा देते। ट्रंप ने यह बयान अपने द्वारा शुरू किए गए संगठन बोर्ड ऑफ पीस के पहले कार्यक्रम में दिया। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

मैंने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई : कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनके चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 2.5 करोड़ (25 मिलियन) लोगों की जान बचाई, जब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। ट्रंप ने दावा किया कि उस समय युद्ध भड़क रहा था, विमान गिराए जा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने दोनों को फोन किया। मैं प्रधानमंत्री मोदी को अच्छी तरह जानता हूं। मैंने उनसे कहा एक्स अगर आप लोग यह मामला नहीं सुलझाते तो मैं आप दोनों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा।

अगर लड़ोगे तो 200त्न टैरिफ लगाऊंगा : ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों को साफ शब्दों में चेतावनी दी थी कि अगर आप लड़ाई जारी रखते हैं तो मैं आपके देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। उन्होंने आगे कहा, वे दोनों लड़ना चाहते थे। लेकिन जब बात पैसे की आई, तो पैसे जैसा कुछ नहीं होता। जब उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का अंदेशा हुआ, तो उन्होंने कहा ङ्क शायद हम लड़ना नहीं चाहते। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उस दौरान 11 जेट विमान गिराए गए थे और वे बहुत महंगे थे।

बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक : ये बयान ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में दिया। यह उनका एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसे वे संयुक्त राष्ट्र जैसा एक शांति मंच बताते हैं। इस संगठन की सदस्यता के लिए भारत समेत कई देशों को निमंत्रण भेजा गया था। पाकिस्तान ने तुरंत ट्रंप के नेतृत्व वाले इस बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का फैसला किया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पहले भी ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर चुके हैं और उनके शांति प्रयासों की सराहना की है। हालांकि, भारत ने ट्रंप के इन दावों से दूरी बनाई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच जो सैन्य स्थिति बनी थी, उसे सुलझाने में किसी भी विदेशी शक्ति की मध्यस्थता नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच की स्थिति द्विपक्षीय थी और उसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं हुई।

खोज: 25 नहीं, 30 की उम्र तक पूरी तरह विकसित होता है दिमाग; नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने तोड़ा फंटल लोब मिथ

पेरिस, एजेंसी। दशकों से यह दावा किया जाता रहा है कि इंसान का फ्रंटल लोब 25 वर्ष की उम्र तक पूरी तरह विकसित हो जाता है। ब्रेन-इमेजिंग अध्ययनों के सीमित डाटा पर बनी यह मान्यता अब अधूरी मानी जा रही है। हालिया शोध से संकेत मिला है कि मस्तिष्क की वायरिंग, नेटवर्क दक्षता और संरचनात्मक संतुलन में महत्वपूर्ण बदलाव 30 की शुरुआती उम्र तक जारी रहते हैं। इसका अर्थ है कि 25 वर्ष मस्तिष्क परिपक्वता की अंतिम सीमा कभी था ही नहीं। शोध के अनुसार फ्रंटल लोब को योजना बनाने, निर्णय लेने, निर्णय क्षमता, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक व्यवहार जैसे उच्च-स्तरीय कार्यों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इसी वजह से जब युवा आवेगपूर्ण व्यवहार करते हैं या अस्थिरता महसूस करते हैं, तो अक्सर कहा जाता है कि उनका फ्रंटल लोब अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। 20 और 30 के शुरुआती उम्र के कई लोगों के लिए यह विचार सांत्वना देने वाला भी रहा है कि जीवन की उलझनों के पीछे आंशिक रूप से जैविक कारण हो सकते हैं। जब हम छोटे होते हैं, तो मस्तिष्क बहुत ज्यादा रास्ते बना लेता है जैसे हर सड़क में गली बना दी जाए। उम्र बढ़ने के साथ दिमाग तय करता है कि कौन-से रास्ते उपयोगी हैं और कौन-से नहीं। जो कम इस्तेमाल होते हैं, वे खत्म हो जाते हैं और जरूरी रास्ते चौड़े व मजबूत हो जाते हैं। यही प्रक्रिया न्यूरल प्रूनिंग कहलाती है। इसी कारण किशोरावस्था में सोचने का तरीका बदलता है। यदि 20 की उम्र तक मस्तिष्क निर्माणाधीन है, तो सवाल उठता है कि इस संरचना को बेहतर बनाने के लिए क्या किया जा सकता है। इसका उत्तर न्यूरोप्लास्टिसिटी में निहित है, यानी मस्तिष्क की स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्संरचित करने की क्षमता। हालांकि मस्तिष्क जीवन भर परिवर्तनशील रहता है, लेकिन नौ से 32 वर्ष की अवधि संरचनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर मानी गई है। शोध से पता चलता है कि उच्च-तीव्रता वाला एरोबिक व्यायाम, नई भाषाएं सीखना और शतरंज जैसे संज्ञानात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण शौक मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। शोध से स्पष्ट होता है कि 25 या 32 वर्ष कोई जादुई सीमा नहीं है।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र, पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा

काठमांडू , एजेंसी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है।

जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को बफर स्टेट से सक्रिय सेतु (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के

अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है। एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे। पार्टी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा। सीपीएन-यूएमएल ने भी अपनी लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहीं को दोहराया। पार्टी ने पड़ोसी मित्र देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध और सहयोग को मजबूत करने तथा व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने का संकल्प जताया। यूएमएल ने कहा कि उसके नेतृत्व में नेपाल किसी भी पड़ोसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे उनके हितों को नुकसान पहुंचे। आगामी चुनावों में विदेश नीति, क्षेत्रीय संतुलन और पड़ोसी देशों के साथ संबंध प्रमुख मुद्दों में शामिल होते दिख रहे हैं।

जानिए नुस्खे वॉटरप्रूफ मेकअप के

तेज बारिश में भीगना अच्छा तो लगता है, लेकिन यदि मेकअप किया हो तो इन्हीं बूँदों से बचने की कोशिश शुरू हो जाती है। बारिश के मौसम में आप किसी पार्टी के लिए तैयार होकर निकली हों और मेकअप धुल जाए तो सँवरे रूप के साथ उत्साह भी धुल जाता है। ऐसे हालात से बचने के लिए आपको वाटरप्रूफ मेकअप के बारे में जानना लाभदायक रहेगा। आइए, जानें कैसे

त्वचा का प्रकार जानें

सबसे पहले बरसात में त्वचा का प्रकार जानना बहुत जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में लगभग सभी की त्वचा हवा में नमी होने की वजह से चिपचिपी हो जाती है। यदि त्वचा पहले से ही तैलीय हो तो समस्या बढ़ती ही है। अत: सुबह उठकर मुँह धोने से पहले टिश्यू पेपर को चेहरे पर लगाकर दबाएँ और त्वचा का प्रकार जाँच लें।

उसके बाद

हल्की नमी की वजह से मेकअप जल्दी खराब हो जाता है। यह लंबे समय तक टिका रहे, इसके लिए चेहरे को ठीक तरह से साफ करने के बाद मेकअप करें। रुई के फाहे को हल्का-सा भिगोकर उस पर क्लीजिंग मिल्क लें। नाक और उसके आसपास ठोड़ी और माथे को अच्छी तरह साफ करें, क्योंकि ज्यादा तेल इन्हीं हिस्सों पर आता है।

क्या करें, क्या नहीं

मेकअप से पहले बर्फ का टुकड़ा रगड़ना सामान्य बात है, किंतु बारिश में यह तरीका कारगर नहीं होगा। अत: यह नहीं करें, क्योंकि रूखी त्वचा वाले चेहरे पर भी इस मौसम में प्राकृतिक नमी बनी रहती है। बर्फ रगड़ने से त्वचा में रूखापन बढ़ सकता है। मेकअप से पहले टोनर लगाएँ। इससे खुले रोम छिद्र बंद हो जाएँगे। इसे सूखने दें।

ऐसे बनाएँ मेकअप को वॉटरप्रूफ

इस मौसम में पैन स्टिक या पैन केक मेकअप इस्तेमाल करें। यह ऑइल बेस्ड हो तो चेहरे पर हल्की चमक बनी रहती है। तैलीय त्वचा पर भी ऑइल बेस्ड पैनकेक इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके बाद स्पंज गीला करें और हल्के हाथ से फैलाते हुए एकसार करें। पानी से यह वॉटरप्रूफ बन जाएगा। यदि इसे बिना पानी के इस्तेमाल किया जाएगा तो चेहरे पर रूखापन लगेगा और दरारें आ जाएँगी। अब ब्रश से कॉम्पेक्ट लगाएँ। मेकअप सेट होने के लिए यह जरूरी है और इससे चेहरे की झुर्रियाँ और झाइयाँ दिखती भी नहीं हैं। बारिश में लाइट और मैट फिनिश वाला मेकअप करें। ग्लॉसी मेकअप पसीने या बारिश के पानी से जल्दी धुल जाता है।

यूँ करें मेकअप में बदलाव

ब्लश -ऑन : पावडर ब्लशर इस्तेमाल करें। ब्रश से ही इसे लगाएँ। इससे चेहरे पर चमक आती है और चेहरा खिला-खिला लगता है।

लाइनर और मस्कारा : इन दोनों ही के लिए वॉटरप्रूफ पेंसिल इस्तेमाल करें। इससे पसीने या बारिश में फैलने का डर नहीं रहेगा। यदि आँखें बड़ी हैं तो लाइनर पतला और आँखें छोटी हैं, तो लाइनर मोटा लगाएँ। जितनी घनी पलकें हों मस्कारे की परत उतनी पतली लगाएँ।

आई-शेडो : लिक्विड इस्तेमाल न करें, क्योंकि यह जल्दी खराब हो जाता है। पावडर शेडो इस्तेमाल करना सबसे अच्छा है। लाइट शेड अथवा फिर तीन या चार शेड मिलाकर लगाएँ। पतला कोट लगाएँ तो यह ज्यादा देर तक टिका रहेगा।

लिपिस्टिक : पहले आउट लाइन बनाएँ, पर अंदर लिपिस्टिक ब्रश से ही लगाएँ। मैट लुक के लिए चाहें तो पेंसिल से ही पूरे होठों में इसे भर दें।

बिंदी : इस मौसम में स्टिकर बिंदी सबसे अच्छा उपाय है। इसे लगाने से फैलने का डर भी नहीं रहेगा और कुंदन या नग वाली बिंदिया भी अच्छी लगती है।

मुँहासे से निजात पाने के लिए :

बारिश के मौसम में चिपचिपाहट बढ़ने से मुँहासे की समस्या और बढ़ जाती है। उमस और पसीना रोम छिद्रों को बंद कर देता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए-

- कच्चे दूध में जायफल घिसकर लगाएँ।
- नीम की छाल या पत्तियों का पेस्ट भी मुँहासों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

क्या कहते हैं आपके होंठ

शायरों और कवियों ने होंठों पर न जाने कितने गजल व गीत लिखे हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि होंठ खूबसूरती के अलावा आपके भाग्य के बारे में बताते हैं। आइए, हम भी जानें इन नाजुक लबों की दास्तान।

- जिनके दोनों होंठ आपस में कसाव के साथ चिपके होते हैं, ऐसी महिलाएं भाग्यशाली मानी जाती हैं।
- जिन महिलाओं के होंठ पतले व चिकने होते हैं, वे सफल व्यक्तित्व की हकदार होती है।
- गुलाब की कलियों-से होंठवाली महिलाएं सौभाग्यशाली व सुखी होती हैं।
- मोटे होंठ वाली महिलाएं कर्मठ होती हैं, पर सुखी नहीं।
- कटे-फटे काले होंठ दुर्भाग्य दशति हैं।
- दागदार, मोटे होंठ धन का अभाव लाते हैं।
- यदि दोनों होंठ एक-दूसरे से खुले रहते हैं तो ऐसी महिलाएं सरल मानसिकता वाली होती हैं। इनके सरल स्वभाव का फायदा उठाकर अक्सर इन्हें ठगा जाता है।
- यदि ऊपरी होंठ निचले होंठ पर लटक रहे हों तो उन्हें भी भाग्यशाली माना जाता है।
- सांवले होंठ वाली महिलाएं भावुक एवं स्वाभिमानी होती हैं।
- स्वस्थ एवं साफ होंठोंवाली महिलाएं अच्छी स्वभाव की धनी मानी जाती हैं।
- शुष्क एवं खुरदुरे होंठ गुस्सील एवं चिड़चिड़े स्वभाव के प्रतीक हैं।
- लंबे व बड़े होंठों वाली महिलाएं सुखी समझी जाती हैं।
- छोटे होंठों वाली महिलाएं समझदार व आत्मनिर्भर होती हैं।
- छोटे व मोटे होंठोंवाली महिलाएं धैर्यशील एवं मिलनसार स्वभाव की होती हैं।

योग से निखारें सौंदर्य

चेहरा मनुष्य का आईना होता है, चेहरे को देख कर ही हम बता सकते हैं कि कौन सा व्यक्ति दुखी है, सुखी है, परेशान है, उदास है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चेहरा ही हमारी और आपकी उम्र की पोल खोल देता है, चाहे हम कितने ही बाल क्यों ना काले करें।

- हमारी हर शारीरिक, मानसिक परेशानी या तकलीफ का सीधा असर चेहरे पर पड़ता है।
- शरीर में कहीं भी दर्द हो, तो उसका, प्रभाव चेहरे पर तुरंत पड़ता है।
- मानसिक परेशानी में चेहरा कुम्हला जाता है और चेहरे की कांति खो सी जाती है।
- खून की कमी के कारण भी चेहरा मुरझाया लगता है।
- सही खानपान ना होने के कारण भी चेहरे पर काफी असर पड़ता है।
- मानसिक परेशानी के कारण चेहरे पर फोड़े-फुंसियां भी निकल आती हैं।
- अकसर पानी कम पीने के कारण भी चेहरे की चमक चली जाती है।
- माहवारी आने से पहले भी चेहरा मुरझा जाता है।
- तेज धूप में बाहर निकलने से चेहरा रूखा और बेजान सा हो जाता है।
- गलत सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करने से भी चेहरा खराब हो जाता है।
- खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

स्प्राउट्स उपमा

सामग्री : अंकुरित मूँग 1 कप, सूजी 1 कप, शिमला मिर्च 1, मटर 1 छोटी कटोरी, गाजर 2, बींस 4-6, प्याज 1, टमाटर 1, हरी मिर्च 3, जीरा 1/4 चम्मच, राई 1/4 चम्मच, नींबू का रस 1 चम्मच मूँगफली दाना 1 बड़ा चम्मच, तेल 1 चम्मच, नमक स्वादानुसार।

विधि : सूजी को सूखी कड़ाही में हल्का गुलाबी होने तक भून लें। सभी सब्जियों और प्याज को बारीक-बारीक काट लें। गरम तेल में प्याज और हरीमिर्च को सुनहरा भूनकर जीरा व राई डालें। अब सभी सब्जियों, अंकुरित मूँग, मूँगफली दाना और नमक डालकर ढँककर धीमी आँच पर 5 मिनट पकाएँ। सूजी डालकर 1/2 गिलास पानी डालें और लगातार हिलाते हुए पानी के सूखने तक पकाएँ। नींबू का रस डालें और धनिया पत्ती से सजाकर सर्व करें।

नारी बनाती है रिश्तों को मजबूत

हमारा आधुनिक समाज मानव विकास के प्रतिबिम्ब के समान है। इसमें हम वही सब देख सकते हैं, जो कुछ प्राचीन काल में भी विद्यमान था। पुरूष को शुरू से ही उसके कार्य और कार्य के सफलता पूर्वक निष्पादन से पहचाना गया। दूसरी ओर महिला को एक ऐसी प्राणी के रूप में पहचाना गया जिसका प्रमुख कार्य पारिवारिक रिश्तों को मजबूत बनाना था। उसके लिए इस प्रकार का कार्य जरूरी माना गया, जो आने वाली पीढ़ी के जीवित रहने के लिए आधार का कार्य कर सके। इन आधारों के साथ 90 के दशक में महिला और पुरूषों की प्राथमिकताओं को लेकर कई सर्वेक्षण और अध्ययन किए गए।

विश्व के कई देशों में किए गए इन अध्ययनों में लगभग 70 से 80 प्रतिशत पुरूषों ने अपने काम को सबसे महत्वपूर्ण माना। वहीं लगभग 70 से 80 प्रतिशत महिलाओं ने अपने परिवार की देखभाल को प्राथमिकता दी। अत: निष्कर्ष निकाला गया कि यदि महिला अपने संबंधों में खुश नहीं या उसके परिवार में तनाव है, तो वह अपने कार्य पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर सकती।

इसके विपरीत यदि पुरूष अपने कार्य से खुश नहीं है या उसके कार्य-स्थल पर कोई तनाव है, तो वह अपने संबंधों पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर सकता। इस विरोधाभास को न समझ पाना ही स्त्री और पुरूष के संबंधों में तनाव का कारण बनता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंगे। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1995

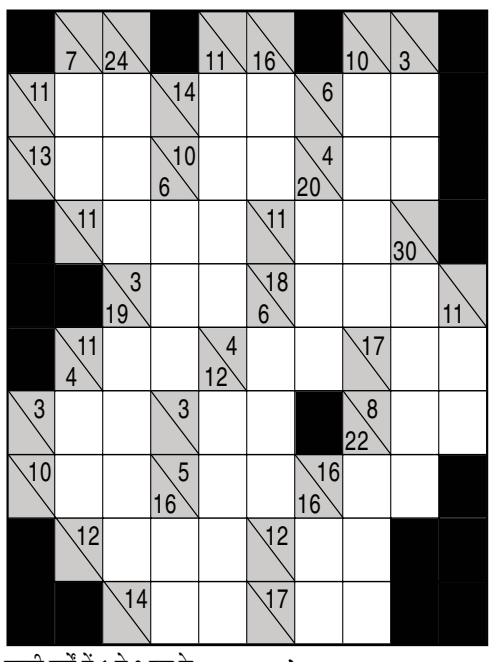

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

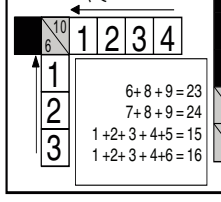

काकुरो - 1994 का हल

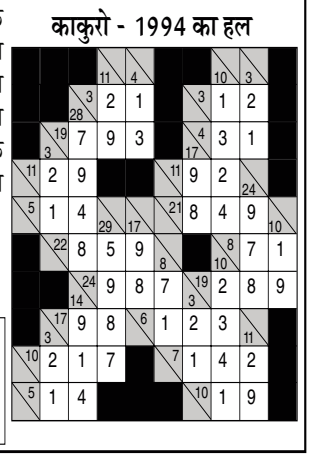

हंसी के फव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

फिल्म वर्ग पहेली- 1995

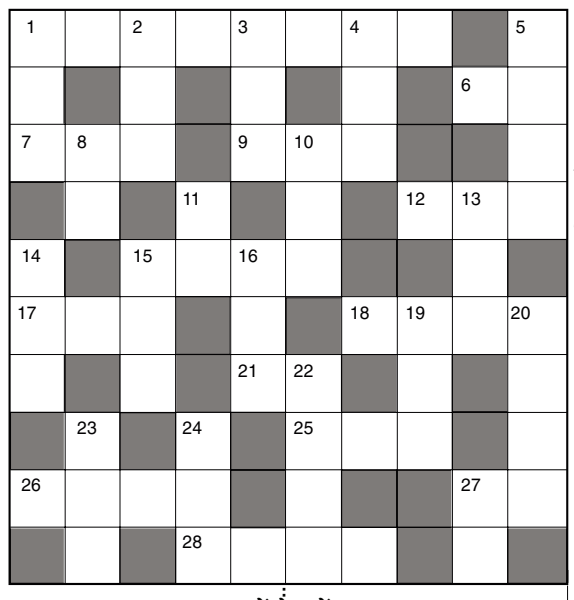

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1994

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -1995

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1994 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 1995

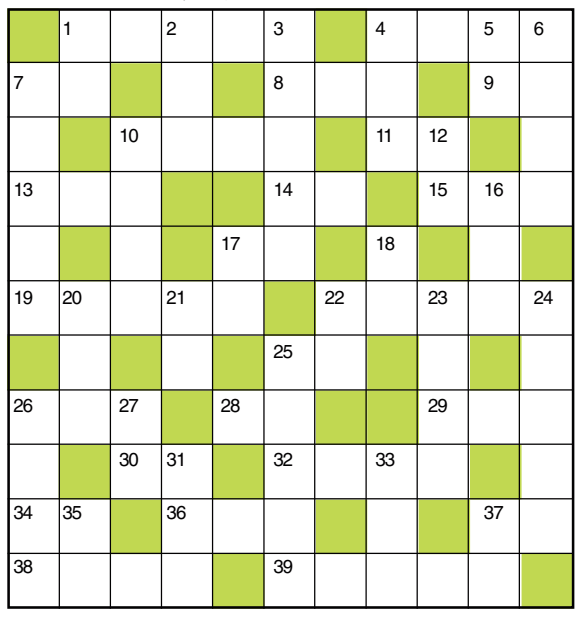

बाएँ से दाएँ

1. दयालु,उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 1994 का हल

	खा	दि	म				र	ह	ना
दा	द		हा	ति	म	ता	ई		क	प
न			न	ल		र	स			ना
ब	च	न		स्म	र	ण		व	रा	ह
	क	ल	म		ण		नी	र	ज	
	ना		री	स		जा	ल		कु	
	चू	स	ना		प		म	हि	मा	
च	र	खा		ग	रि	मा		ना	र	द
र			त	म		य	म			ली
म	स्त		स	ला	ह	का	र		क	ल
	र	सी	ला				जी	तें	द्र	

कर्नाटक के लक्कुंडी में नकली सोने के खजाने का झांसा देकर 20 लाख की ठगी, मुख्य आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

गदग। कर्नाटक के गदग जिले के ऐतिहासिक लक्कुंडी गांव में कथित सोने के खजाने की चर्चा के बीच वर्ष 2022 के एक फर्जी खजाना ठगी मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने उत्तराखंड मूल के हजरत मौलवी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने खजाना मिलने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2022 में धारवाड़ निवासी बसीराबेगम ने गदग ग्रामीण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि खजाना दिलाने के नाम पर उनसे धोखाधड़ी की गई। उस समय मामला आगे नहीं बढ़ पाया था। हाल ही में लक्कुंडी गांव में कथित खजाना मिलने की खबरों के बाद 11 फरवरी 2026 को समाजसेवी पीरसाब गौताल ने पुलिस को शिकायत दी और कथित सोने से भरे हंडे का वीडियो भी सौंपा। इसके बाद पुलिस ने मामले की दोबारा जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपित ने गदग शहर से एक हंडा खरीदा और उसमें सोने जैसे दिखने वाले नकली चॉकलेट बिस्कुट रखकर उसे खजाना बताया। आरोपी ने लक्कुंडी गांव के छोटे बसप्पा और बड़े बसप्पा को विश्वास दिलाया कि जमीन में दबा खजाना मिलने पर करोड़ों रुपये मिलेंगे।

मप्र के खंडवा प्रशासन की नई पहल : रक्तदान कर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में करें निशुल्क प्रोटोकॉल दर्शन

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में रक्तदान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तीर्थस्थल ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन एक नई पहल शुरू करने जा रहा है। इसके तहत ओंकारेश्वर में रक्तदान करने पर ज्योतिर्लिंग मंदिर में वी.आई.पी. प्रोटोकॉल अनुसार दर्शन करने की निशुल्क सुविधा उपलब्ध होगी। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में जो भी दर्शनार्थी इस सुविधा का लाभ लेना चाहते हैं, वे ओंकारेश्वर में पहले रक्तदान करें और फिर निशुल्क प्रोटोकॉल दर्शन सुविधा का लाभ लें। उन्होंने कहा कि दर्शन के साथ साथ रक्तदान भी एक पुण्य कार्य है। खंडवा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि मंगलवार, 24 फरवरी से ओंकारेश्वर में रक्तदान एवं निःशुल्क वी.आई.पी दर्शन की यह व्यवस्था प्रारंभ की जा रही है। यह सुविधा हर सप्ताह में मंगलवार व शनिवार को उपलब्ध रहेगी। ओंकारेश्वर में मंगलवार व शनिवार को जिला चिकित्सालय खण्डवा से रक्तदान कलेक्शन वाहन व टीम उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि 18 से 60 वर्ष का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसका वजन 45 किलो या अधिक हो, वह रक्तदान कर सकता है। डॉ. जुगतावत ने नागरिकों से अपील की है कि रक्तदान अवश्य करें।

सत्य और विश्वसनीयता को सुदृढ़ करने के लिए हो एआई का उपयोग: ओम बिरला

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ने आज डीपफेक और भ्रामक सूचना से उत्पन्न हो रही चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इन्हें लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताते हुए उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग सत्य और विश्वसनीयता को सुदृढ़ करने के लिए किया जाना चाहिए, न कि तथ्यों को विकृत या दबाने के लिए। भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के अंतर्गत 'एआई फॉर डेमोक्रेसी' पर विशेष सत्र को ओम बिरला ने आज संबोधित किया। उन्होंने लोकतांत्रिक विमर्श को भ्रम और दुष्प्रचार से सुरक्षित रखने के लिए तकनीकी प्रगति के साथ-साथ सुदृढ़ सुरक्षा उपाय विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विधायी कार्यप्रणाली में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि एआई लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभर रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि 'डिजिटल संसद' जैसी पहलें नागरिकों और संसद के बीच संवाद को सरल बना रही हैं तथा भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में डिजिटल और सूचना डिवाइड को पाट रही हैं।

भारत के हाथों में 16 साल बाद फिर आई हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी की कमान

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को 16 साल बाद फिर से हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) की कमान मिल गई है। भारत ने आज ही विशाखापट्टनम में हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी के प्रमुखों के 9वें कॉन्क्लेव में रॉयल थाई नेवी से अध्यक्षता वापस ली। भारत इससे पहले 2008 से 2010 तक अध्यक्ष रहने के बाद अब फिर इस फोरम को आगे बढ़ाएगा, जो पेशेवर समुद्री सहयोग के लिए एक सेंट्रल प्लेटफॉर्म बन गया है। इस कॉन्क्लेव में 33 देशों के नौसेना प्रमुख और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख शामिल हुए। सम्मेलन में शामिल हुए सभी सदस्य ऑब्जर्वर और हिंद महासागर के दूसरे तटीय देशों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। अटलांटिक से लेकर पैसिफिक तक की भागीदारी ने हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता एक जैसी सोच वाली नौसेना के बढ़ते तालमेल को दिखाया। इस मौके पर नौसेना प्रमुख और आईओएनएस के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने फंक्शनल अहमियत को मजबूत करने के लिए एक साफ और आगे की सोच बताई। इसके लिए उन्होंने समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता और आपदा राहत और इंटरऑपरेबिलिटी पर इसके वर्किंग ग्रुप्स को मजबूत करने पर जोर दिया।

संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए नहीं बना: डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

मेरठ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने माधवकुंज शताब्दी नगर में मेरठ व बृज प्रान्त के राष्ट्रीय व अन्तराराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर सरसंघचालक ने खिलाड़ियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। डॉ. भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए नहीं बना है। संघ को किसी प्रकार की सत्ता भी नहीं चाहिए। संघ का मूल उद्देश्य समस्त हिन्दू समाज का संगठन करना है। डॉ भागवत ने कहा कि यदि संघ को समझना है तो संघ के अन्दर आना होगा। संघ के स्वयंसेवक आज विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। संघ के स्वयंसेवक राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहें हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि संघ को राजनीतिक दृष्टिकोण से समझा जा सकता है। कहने का अभिप्राय यह

है कि संघ को समझने के लिए समग्र दृष्टिकोण भीतर आकर ही समझा जा सकता है। डॉ भागवत ने कहा कि भारत को भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने हिन्दू शब्द को उद्धृत करते हुए बताया कि हिन्दू कोई जाति नहीं है यह तो एक विशेषण है हम देखते हैं कि जब-जब हमारी एकता में कमी आयी है, तब-तब भारत संकट में आया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसी सब स्थितियों से अवगत है। इसलिए समाज जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए प्रयास कर रहा है। सरसंघचालक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हिन्दू समाज के संगठन को आधार मानते हुए हुई और आज भी हमारा यह काम जारी है और इस कार्य की पद्धति का नाम ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। संघ का केवल एक ही काम है और वह है सम्पूर्ण हिन्दू समाज के संगठन के लिए व्यक्ति निर्माण करना। उन्होंने कहा कि आज देशभर में संघ के 45 प्रान्तों में संघ के स्वयंसेवकों के एक लाख तीस हजार से अधिक सेवा प्रकल्प चल रहे हैं। यह सभी सेवा कार्य किसी सरकारी सहायता से नहीं बल्कि अपने संसाधनों से चलते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर दीपचन्द्र अहलावत ने कहा कि संघ खेल को केवल व्यक्ति की शारीरिक क्षमता का उपक्रम नहीं मानता है। संघ खेल को भी संस्कार के रूप में देखता है क्योंकि खेल के माध्यम से संस्कार के रूप में भी देखता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खेल सहित समाज जीवन के विविध आयामों मे अतुलनीय कार्य कर रहा है।

कर्नाटक में ट्रैक्टर पलटने से महाराष्ट्र के दो वर्षीय बच्चे समेत 4 की मौत

एजेंसी

बागलकोट। कर्नाटक राज्य के बागलकोट जिले के जमखंडी तालुका स्थित कट्टे केरे के समीप शनिवार तड़के भीषण हादसे में दो वर्षीय मासूम सहित 4 लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 8 अन्य लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार गन्ना कटाई कार्य के लिए मजदूरों को लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अलग होकर पलट गई, जिससे यह हादसा हुआ।

दुर्घटना रात लगभग 2 बजे के आसपास हुई बताई जा रही है। मृतकों की पहचान मनीष पांडे (23), हलकी पांडे (2), लक्ष्मी चिरमडी (27) और रेखा भूके के रूप में हुई है। सभी मृतक महाराष्ट्र के यवतमाल जिला के बुसा तालुका अंतर्गत गुपवाड़ी गांव के निवासी थे। वे गन्ना कटाई कार्य के सिलसिले में जमखंडी क्षेत्र में आए थे। घटना की सूचना मिलते ही जमखंडी पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय मंत्री ने ईईज़ेड में मछली पकड़ने के लिए एक्सेस पास लॉन्च किया

एजेंसी

गीर सोमनाथ। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने वेरावल स्थित केसीसी ग्राउंड में भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईज़ेड) में मछली पकड़ने के लिए एक्सेस पास लॉन्च किया। कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य स्तर के कई वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में मछुआरे शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री ने देश के विभिन्न तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 24 मत्स्य सहकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 37 मछुआरों को एक्सेस पास वितरित किए। साथ ही मछुआरों को लाइफ जैकेट, हाई-बीम टॉर्च और जीपीएस उपकरण जैसे सुरक्षा किट भी प्रदान किए गए। इसके अलावा गुजरात की नई मत्स्य सहकारी समितियों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पहल आधुनिक, पारदर्शी और मछुआरा-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे ऑफशोर मछली पकड़ने को बढ़ावा मिलेगा, मछुआरों की आय बढ़ेगी और समुद्री संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था को तैयार करने से पहले मछुआरा संगठनों, राज्यों और वैज्ञानिक संस्थाओं से व्यापक परामर्श किया

गया है। रीयल क्राफ्ट पोर्टल पर आवेदन भी प्राप्त होने लगे हैं और जल्द ही नियमों के अनुसार पास जारी किए जाएंगे। राज्यमंत्री एस. पी. सिंह बघेल ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी होगी, जिससे अधिकृत भारतीय मछली पकड़ने वाले जहाजों को आसानी से समुद्र में संचालन की अनुमति मिलेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय ईईज़ेड में विदेशी जहाजों के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा कि यह पहल समुद्री मत्स्य क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि वेरावल को पीएमएमएसवाय के तहत फिशिंग हार्बर क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मछुआरे, सहकारी समितियों के प्रतिनिधि और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

गुजरात भाजपा की कार्यप्रणाली वर्षों से सुव्यवस्थित और उदाहरणीय: नितिन नवीन

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की उपस्थिति में अहमदाबाद में भाजपा सांसदों और विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि गुजरात भाजपा की कार्यप्रणाली वर्षों से सुव्यवस्थित, समयबद्ध और उदाहरणीय रही है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकसित कार्यसंस्कृति ने भारत को वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2012-13 के दौरान देश की युवा पीढ़ी निराशा के दौर से गुजर रही थी, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन और पारदर्शिता का माहौल बना, जिससे युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा और विकास की राजनीति को नई दिशा मिली। उन्होंने यह भी कहा कि ऊंचाई हासिल करना जितना कठिन है, उतना ही उसे बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए निरंतर परिश्रम आवश्यक है। नितिन नवीन ने सांसदों और विधायकों को जनसंपर्क

को और अधिक मजबूत, प्रभावी और परिणामकारी बनाने, माइक्रो मैनेजमेंट अपनाने, नवाचार पर ध्यान देने तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का केंद्र गरीब और मध्यम वर्ग है और जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं के सहयोग से इन्हें जमीनी स्तर तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि नितिन नवीन की गुजरात यात्रा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि विचार और विकास के समन्वय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपने समर्पण और क्षमता के बल पर सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने संगठन को पार्टी की आत्मा और कार्यकर्ताओं को उसकी शक्ति बताया। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने स्वागत भाषण में कहा कि नितिन नवीन का नेतृत्व युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है और उनके अनुभव से संगठन को नई दिशा मिलेगी।

राज्यपाल ने अभिभाषण में ग्रामीण विकास के विजन की तस्वीर पेश की

एजेंसी

चंडीगढ़। नायब सरकार का फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरी तर्ज पर अत्याधुनिध सुविधाएं मुहैया करवाना है। 6222 ग्राम पंचायतों को हाई-स्पीड ब्राडबैंड के साथ जोड़ा गया है तो हर ग्रामीण घर में नल के पानी का कनेक्शन देने में हरियाणा अग्रणी राज्य है।

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने अभिभाषण में नायब सरकार के ग्रामीण विकास के विजन की तस्वीर पेश की। नायब सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया करवाने के साथ डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी है। इसके साथ ही, पंचायतों को सशक्त बनाकर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देना है। भारतनेट विस्तार प्रोजेक्ट के माध्यम से ग्राम पंचायतों को हाई स्पीड ब्राडबैंड के साथ जोड़ा जा रहा है।

ब्राडबैंड कनेक्टिविटी से ग्राम पंचायत, राजकीय विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस स्टेशन डिजिटल मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। वहीं, महाग्राम योजना के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में शहरी स्तर की सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। अब तक, 19 गांवों में परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 43 गांवों में कार्य प्रगति पर है। सरकार की ओर से युवा वर्ग को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 983 अटल लाइब्रेरी, 415 इनडोर जिम, 616 महिला सांस्कृतिक केंद्र बनाए गए हैं।

963 करोड़ की नई परियोजनाओं को स्वीकृति

ग्रामीण क्षेत्रों में विकास गति को बढ़ाने के लिए 963 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। यही नहीं, सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए 830 गांवों में स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं और 283 करोड़ रुपये की लागत से गांवों के कच्चे रास्तों को पक्का किया गया है। अमृत सरोवर योजना के तहत 724 तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया है, जोकि भू-जलस्तर को बढ़ाने में कारगर साबित होंगे।

गांवों को स्वच्छ रखने के लिए सॉलिड और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजैक्ट तैयार किए गए हैं। नायब सरकार विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी को लागू करने और 125 दिन प्रतिवर्ष की मजदूरी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, इससे गांव के गरीबों के लिए रोजगार की सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

7299 गांवों और 85 कस्बों में पेयजल आपूर्ति की गई सुनिश्चित

जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से 7299 गांवों और 85 कस्बों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 17 नजर आधारित जलघर, 287 ट्यूबवेल और 52 बूस्टिंग स्टेशन बनाकर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया है। इसके साथ ही अमरुत 2.0 के तहत 1727 करोड़ की लागत से 57 नई पेयजल और सीवरेज परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें से 56 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। खजुराहो ऐसा स्थान है, जहां पत्थरों में प्राण होते हैं। खजुराहो में स्थित कंदरिया महादेव मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, वामन मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, पार्वती मंदिर सहित देवालयों के परिवार विद्यमान हैं, जो शौर्य और रत्नों की धरती में कलाओं का संगम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में प्रारंभ हुए शास्त्रीय नृत्यों के सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय नृत्य समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदि संस्कृति के साथ सनातन संस्कृति को जोड़ने की दिशा में आह्वान किया है। मध्य प्रदेश सरकार विविध कलाओं के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए मध्य प्रदेश के बजट में संस्कृति विभाग की गतिविधियों के लिये भी राशि में वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो नृत्य समारोह में पधारे शीर्ष नृत्य कलाकारों और नृत्य शैलियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खजुराहो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय धरोहर है। इस वर्ष 52वां खजुराहो नृत्य समारोह भगवान नटराज को समर्पित किया गया है, जिसके लिए संस्कृति विभाग बधाई का पात्र है। खजुराहो नृत्य समारोह का आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को देव नटेश भगवान शिव से जोड़ने का यह अनूठा प्रयास है। मध्य प्रदेश में पधारने वाले कला साधक पुनः यहां आना चाहते हैं। शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (राज्यमंत्री) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा सहित अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने चार पुस्तकों का विमोचन भी किया।

जैसलमेर के रेगिस्तान में भारतीय सेना ने किया युद्ध तैयारी और मारक क्षमता का प्रदर्शन

जैसलमेर। राजस्थान के चुनौतीपूर्ण और तपते रेगिस्तानी क्षेत्र में भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट ने अपनी उच्च स्तरीय युद्ध तैयारी और मारक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट ने एक व्यापक फायरिंग अभ्यास के दौरान अपनी युद्ध तैयारियों और अचूक मारक क्षमता को परखा। भीषण गर्मी और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, सेना के जांबाजों ने आधुनिक हथियार प्रणालियों के जरिए आसमान से आने वाले हर खतरे को नेस्तनाबूद करने का सफल अभ्यास किया। अग्रिम इलाकों में आयोजित व्यापक फायरिंग अभ्यास के दौरान एयर डिफेंस वॉरियर्स ने सटीक निशानेबाज़ी, त्वरित प्रतिक्रिया और आधुनिक हथियार प्रणालियों के प्रभावी उपयोग से अपनी ऑपरेशनल दक्षता साबित की। कठिन भू-भाग और तेज गर्म हवाओं के बीच भी अभ्यास पूरी तरह सफल रहा। इस सैन्य अभ्यास में कोणार्क कोर के डेजर्ट वॉरियर्स तथा ब्लेजिंग स्काइज ब्रिगेड के जवानों ने भाग लिया।

राजस्थान के झालाबाड़ में बोलेरो-बाइक की भिड़ंत, मप्र के तीन लोगों समेत चार की मौत

एजेंसी

मंदसौर। राजस्थान के झालाबाड़ जिले में रात तेज रफ्तार कार (बोलेरो) और बाइक के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार एक ही बाइक पर सवार होकर चार लोग राजस्थान से मध्य प्रदेश की ओर आ रहे थे। चौमहला थाना क्षेत्र में ग्राम करनपुरा के पास रात शुक्रवार की रात करीब 7.30 बजे सामने से आ रही बोलेरो कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को चौमहला अस्पताल में मॉर्च्युरी में रखवाया। बैग में मिले आधार कार्ड से तीन व्यक्तियों की पहचान हुई है, जो मध्य प्रदेश के मंदसौर के रहने वाले थे। दस्तावेज नहीं मिलने के कारण एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। क्षेत्र के डीएसपी हेमंत गौतम ने बताया कि बाइक डग से गंगधार की तरफ आ रही थी, जबकि

बोलेरो गंगधार से डग की तरफ जा रही थी। इसी दौरान डग-चौमहला रोड पर करनपुरा गांव के पास दोनों गाड़ियों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि बाइक सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डीएसपी गौतम ने बताया कि मृतकों के बैग से तीन आधार कार्ड मिले हैं। इनकी पहचान मंदसौर निवासी राजपाल पुत्र परबत सिंह निवासी झांगरिया गांव, थाना सीतामऊ, जवाहरलाल पुत्र रामचंद्र निवासी झांगरिया गांव, थाना सीतामऊ और नरेश पुत्र कालूलाल निवासी उदयपुर गांव के रूप में हुई है। चौमहला थाना अधिकारी अमरनाथ योगी ने आधार कार्ड में लिखे पते पर परिजन से संपर्क किया और हादसे की जानकारी दी। मृतकों के परिजन के चौमहला पहुंचने के बाद ही उनकी अधिकृत पहचान हो पाएगी। हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने सदन में गिनाईं सरकार की उपलब्धियां, शिक्षामित्रों को 18 हजार तो अनुदेशकों को मिलेगा 17 हजार रुपये मानदेय

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन सदन में अपनी सरकार की उपलब्धियां, आवंटित बजट और भावी योजनाओं का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखे प्रहार किए और कहा कि सपा की सरकार में प्रदेश के बीमारु राज्य बना और निवेश शून्य रहा, लेकिन पौने नौ साल में उप्र देश के टॉप तीन राज्यों में आ गया है। उन्होंने अप्रैल से शिक्षामित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों का 17 हजार रुपये मानदेय देने की घोषणा की। बजट पारित होने के साथ ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी ने 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये के बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को दसवां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उन्होंने विपक्ष के वित्तीय स्वीकृतियों पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि स्वीकृतियां समय पर जारी की जाती हैं और प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। उन्होंने अपने संबोधन के प्रारंभ में बजट सत्र में सार्थक चर्चा के लिए सत्ता और विपक्ष के सभी सदस्यों का

धन्यवाद दिया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को दीर्घायु व स्वस्थ रहने की कामना करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने आंकड़ों के साथ घालमेल किया है जो उचित नहीं है। पहली बार उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करने को भी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री योगी ने सदन में परिषदीय स्कूलों में पदस्थ शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा की। अब उन्हें 10 हजार की जगह 18 हजार रुपये हर महीने मिलेगा। इसी प्रकार अनुदेशकों को 17 हजार दिया जाएगा। यह 1 अप्रैल से देय होगा। योगी ने कहा जिन क्षेत्रों में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनाये जाएंगे। इसके लिए 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं इन शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीब बच्चियों के ?लिए कस्तूरबा बालिका विद्यालयों को अधिक सशक्त बनाया जाएगा और इसके लिए 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के भारत मंडपम में युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की छवि के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों को देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को देश के गौरव के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इस आयोजन में दुनिया के 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं और वहां पर देश की छवि धूमिल करने का काम युवा कांग्रेस ने किया है। सभी भारतवासियों को इस कृत्य की निंदा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के राजकोषीय घाटे की बात का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे लगता है नेता प्रतिपक्ष पर चच्चू (शिवपाल यादव) का असर आ गया है, क्योंकि उप्र में 2016-17 में ऋण ग्रस्तता लगभग 30 फीसदी थी। हमने इसे 27 फीसदी किया और 23 फीसदी तक करने का लक्ष्य है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय इसी वित्त वर्ष में 1.20 लाख से अधिक हो जाएगी जबकि सपा सरकार में यह मात्र 43 हजार थी। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद से कहा कि वे अपनी उम्र के हिसाब से आंकड़ो में घाल-मेल नहीं करेंगे, लेकिन संगत का प्रभाव होता है क्योंकि नेता प्रतिपक्ष यूपी पर उधार की बात बता रहे जो सही नहीं है। हमारा वित्तीय प्रबंधन पहले से बहुत अच्छा है। इसीलिए हर बैंक उप्र पर भरोसा करता है।

मप्र में राज्य व्यापी गिद्ध गणना शुरू, पहली बार ऑनलाइन ऐप से हो रही गिद्धों की गणना

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में तीन दिवसीय राज्य व्यापी गिद्ध गणना 2025-26 शुरू हो गई है। इसमें गिद्धों की गणना के लिए पहली बार ऑनलाइन ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है।जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि इस शीतकालीन गणना 22 फरवरी तक में सूर्योदय से सुबह 9.00 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त एवं 09 टाइगर रिजर्व में गिद्धों की गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, डब्लूडब्लूएफ, डब्लूआईआई के प्रतिभागियों के अतिरिक्त स्वंय सेवक एवं फोटोग्राफरों के द्वारा मिलकर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार गिद्धों की गणना के लिये प्रथम बार ऑनलाइन ऐप तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की जा रही है। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होगी। गत वर्षों में गणना ऑफलाइन की जाती रही है। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने के लिये मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑनलाईन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना की शुरुआत वर्ष-2016 से की गई थी, जिसमें 7,028 गिद्धों का आंकलन किया गया था। गिद्ध गणना वर्ष-2025 में शीतकालीन गणना में 12,710 एवं ग्रीष्मकालीन गणना वर्ष-2025 में 9509 गिद्धों का आंकड़ा प्राप्त हुआ था। प्रदेश में कुल 07 प्रजातियों के गिद्ध पाये जाते हैं, जिसमें से 04 प्रजातियों स्थानीय हैं एवं 03 प्रजातियाँ प्रवासी हैं, जो ठंड के समाप्त होते ही वापस चली जाती हैं। प्रथम चरण की गणना तब की जाती है जब उपरोक्त सभी प्रजातियों के गिद्ध घोंसले बनाकर अपने अंडे दे चुके होते हैं या देने की तैयारी में होते हैं। इसी प्रकार से फरवरी माह आने तक इन घोंसलों में अंडों से नवजात गिद्ध निकल चुके होते हैं तथा वे उड़ने की तैयारी करते होते हैं। इसलिये गणना करने के लिये शीत ऋतु का अंतिम समय उचित होता है जिससे स्थानीय तथा प्रवासी गिद्धों की गणना हो जाए। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, गिद्धों की गणना के लिये गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक आदि सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाएंगे और घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना ऐप के माध्यम से करेंगे। गणना के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाएगा।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका सुपर-8 में महामुकाबले को तैयार, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बनेगा गवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रविवार, 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच केवल ग्रुप स्टेज की जंग नहीं, बल्कि 2024 के फाइनल की यादें ताजा करने वाली भिड़ंत भी है। भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कमान एडन मारक्रम के हाथों में है। दोनों टीमें सुपर-8 में अजेय लय के साथ प्रवेश कर चुकी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने ग्रुप में चारों मैच जीतकर दबदबा बनाया। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीमों का अनुभव भी समान है साउथ अफ्रीका ने अपने ग्रुप-डी के तीन मुकाबले यहीं खेले, जबकि भारत ने नीदरलैंड को इसी पिच पर हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में यह मुकाबला परिस्थिति और माहौल से भलीभांति परिचित दो मजबूत टीमों के बीच कड़े संघर्ष का संकेत देता है।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर रहे हैं। अब तक खेले गए सात मैचों में भारत ने पांच बार जीत दर्ज की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल दो मैचों में सफल रहा है। 2010 में सेंट लूसिया में भारत का सर्वोच्च स्कोर 186/5 रहा, वहीं 2007 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका 116/9 के अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हुआ था। व्यक्तिगत प्रदर्शनों की बात करें तो उस सुरेश रैना ने इन मुकाबलों में सर्वाधिक 170 रन बनाए थे, जबकि डेविड मिलर औसत के मामले में शीर्ष पर हैं। गेंदबाजी में भारत के लिए आरपी सिंह और रविचंद्रन अश्विन पांच-पांच विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे सफल रहे हैं।

रणनीति की बात करें तो अहमदाबाद की पिच अक्सर स्पिन गेंदबाजों की मददगार साबित होती है। भारत के पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसी दमदार स्पिन जोड़ी मौजूद है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को मार्करम और केशव महाराज से काफी उम्मीदें होंगी।

आमिर की हालिया भविष्यवाणी के बाद भारतीय टीम पर खुद को साबित करने का दबाव भी बढ़ गया है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन बड़ा मंच खिलाड़ियों को लय में लौटने का अवसर भी देता है। दक्षिण अफ्रीका के सामने 2024 की कड़वी हार की यादें भी हैं, जब ब्रिजटाउन में भारत ने सात रन से जीत दर्ज की थी। इस बार दोनों टीमें सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी और क्रिकेट जगत की निगाहें अहमदाबाद में होने वाली इस ऐतिहासिक जंग पर टिकी होंगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया, क्वेना मफाका, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ, कॉर्बिन बॉश।

मुंबई और अहमदाबाद की चुनौतीपूर्ण पिचों पर मोर्ने मोर्कल ने जताई क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के वानखेड़े और अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जा रही पिचें क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन सतहों पर भारतीय बल्लेबाजों को रनगति बढ़ाने में संघर्ष करना पड़ा है। एक पिच पर नमी अधिक रही, जबकि दूसरी पर गेंद रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान नहीं था। इसके बावजूद भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पिच तैयार करने वाले क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उन्होंने उपलब्ध परिस्थितियों के हिसाब से सर्वोत्तम प्रयास किया है।

मोर्कल के अनुसार, सत्र के अंतिम चरण में 200 से अधिक रन वाली पिच तैयार करना आसान नहीं होता और क्यूरेटर इस चुनौती को काफी दबाव में रहकर निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों में उन्हें पूरा श्रेय मिलना चाहिए। इन पिचों पर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती मैचों में लय हासिल करने में मुश्किल हुई। तिलक वर्मा जहां तेज शुरुआत नहीं कर सके, वहीं सूर्यकुमार यादव को भी अपने शॉट खेलने से पहले सावधानी बरतनी पड़ी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले से पहले मोर्कल ने माना कि दर्शकों की उम्मीदें बड़ी होती हैं और वे ऊंचे स्कोर वाले रोमांचक मैच देखना चाहते हैं। ऐसे में क्यूरेटरों पर बेहतर पिच देने का अतिरिक्त दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि पिच के व्यवहार का सही आकलन करना हमेशा चुनौतीपूर्ण काम रहा है। भले ही टीम नमी, सूखापन और गेंद की गति का अनुमान लगाने की कोशिश करती है, लेकिन सटीक भविष्यवाणी कम ही हो पाती है। इसलिए ऐसे खिलाड़ियों की मौजूदगी अहम होती है, जो बदलती परिस्थितियों को जल्दी समझकर अपना खेल ढाल सकें।

घरेलू सत्र में पिचों के अधिक उपयोग से उनके व्यवहार में बदलाव आने के सवाल पर मोर्कल ने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर माना कि भारत ने टूर्नामेंट में परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छी लय पकड़ी है। पहले मैच को छोड़ दें तो बाकी मुकाबलों ने टीम को सीखने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि शुरुआती मैच की पिच 200 रन वाली नहीं थी, बल्कि लगभग 170 रन की सतह थी, और टीम ने शुरुआत में जरूरत से ज्यादा आक्रामक रुख अपनाया। मोर्कल के अनुसार, हर मैच सीख देता है और यही क्रिकेट की खूबसूरती है।

अहमदाबाद : सुपर 8 से पहले मोहम्मद सिराज की चोट ने बढ़ाई भारत की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तैयारी कर रही है। यह मैच 2024 के फाइनल का रीमैच माना जा रहा है और जीतने वाली टीम सेमीफाइनल की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगी। हालांकि, मुकाबले से ठीक पहले टीम को बड़ी चोट की समस्या ने परेशान कर दिया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को पहले ही खिलाड़ियों की बीमारी और चोटों का सामना करना पड़ा है। जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा पहले कुछ मैचों में नहीं खेल पाए थे, जबकि वॉशिंगटन सुंदर भी बीमार पड़ गए थे। सुपर 8 में शामिल होने से ठीक पहले हर्षित राणा चोट के कारण बाहर हो गए, जिससे मोहम्मद सिराज को देर से टीम में शामिल किया गया।

सिराज ने ग्रुप स्टेज में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में तीन विकेट लिए। लेकिन शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के दौरान सिराज को हार्दिक पंड्या के शॉट से बाएं पैर के घुटने में जोरदार चोट लगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोट लगते ही सिराज दर्द से कराह उठे और नेट्स से लंगड़ाते हुए बाहर आए। अब तक सिराज ने केवल अमेरिका के खिलाफ मैच खेला है, और बाकी मैचों में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को तरजीह दी गई है।

टीम के गेंदबाजी कोच मोर्कल ने रविवार को सुपर 8 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टार स्पिनर वरुण पर भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि वरुण निश्चित तौर पर टीम के स्ट्राइक बॉलर हैं और उनकी सफलता साथी गेंदबाजों, खासकर बुमराह के समर्थन पर निर्भर करती है। मोर्कल ने कहा, 'वरुण ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है और बुमराह तथा अन्य गेंदबाजों के साथ मिलकर विकेट लेने में अहम भूमिका निभाएंगे।' इस बीच, सिराज की चोट भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंदी के खिलाफ निर्णायक मुकाबले से पहले। टीम प्रबंधन अब उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है और अंतिम प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में इंग्लैंड और श्रीलंका की अहम भिड़ंत, पल्लेकेले में इंग्लैंड बदलेगा लय

पल्लेकेले (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आज पल्लेकेले में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। इंग्लैंड भले ही सुपर-8 में प्रवेश कर चुका हो, लेकिन उसका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। टीम को एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में इंग्लैंड इस मैच के जरिए अपनी लय वापस हासिल करना चाहेगा। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट से पहले आयोजित तीन मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड ने श्रीलंका का 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिससे टीम को एकबार फिर प्रेरणा मिल सकती है। दूसरी ओर, सह-मेजबान श्रीलंका ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। आयरलैंड और ओमान को हराने के बाद टीम ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से मात देकर अपने इरादे साफ कर दिए थे। हालांकि, अंतिम ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के हाथों मिली हार ने उसके अभियान को थोड़ा झटका दिया। श्रीलंका अब घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर सुपर-8 में मजबूत शुरुआत करना चाहेगा। टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अब तक शानदार फॉर्म में हैं और इस विश्व कप

में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोररों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके अलावा कुसल मेंडिस भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और चार मैचों में तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। जैकब बेथेल ने जरूर 143 रन बनाकर प्रभावित किया है, लेकिन कप्तान हैरी ब्रूक और जोस बटलर की फॉर्म अभी भी टीम को परेशान कर रही है। गेंदबाजी में आदिल राशिद और लियाम डॉसन इंग्लैंड की उम्मीदों का केंद्र होंगे। राशिद चार मैचों में छह विकेट ले चुके हैं और स्थिति उनके पक्ष में रही तो वह श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तेज गेंदबाज जोफा आर्चर पर भी टीम को भरोसा रहेगा। श्रीलंका की गेंदबाजी में महीश तीक्षाना छह विकेट के साथ सबसे सफल रहे हैं। हालांकि तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाहर होने से टीम को बड़ा झटका लगा है, लेकिन उनकी जगह आए दिलशान मदुशंका ने प्रभावित किया है। दुशमंथा चमीरा भी आखिरी मैच में आराम करने के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। मैच पर बारिश का खतरा भी मंडरा रहा है, जिससे परिणाम प्रभावित हो सकता है। दोपहर 3 बजे शुरू होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए सुपर-8 के अभियान में टोन सेट करने वाला साबित होगा।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका: कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, कुसल परेरा, पवन रत्नायके, दासुन शनाका (कप्तान), चैरिथ असालंका, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, दुशमंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

अभिषेक इस कारण हो रहे असफल : अश्विन

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक टी20 विश्वकप मैचों में रन बनाने में असफल रहे हैं। अभिषेक अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। जिससे सुपर-8 में उनके प्रदर्शन को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इस युवा बल्लेबाज को असफल होने के कारण बताने के साथ ही फार्म हासिल करने के लिए अहम सुझाव भी दिया है। अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी का आंकलन करते हुए उनकी कमजोरी बताई है। अश्विन के अनुसार अब अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों ने अभिषेक के खेलने के तरीके को समझ लिया है। इसलिए गेंदबाज अब उन्हें हावी होने के लिए बिल्कुल जगह नहीं देते। गेंदबाज अब अभिषेक के शरीर के बहुत करीब गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं अभिषेक अपना सामने वाला पैर हटाकर जोर से बल्ला घुमाते हैं। ऐसे में जब गेंद शरीर के करीब आती है तो उन्हें शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती है जिससे वह आउट हो रहे हैं। अश्विन के अनुसार अगर नीदरलैंड के खिलाफ मैच को देखें तो गेंदबाज आर्यन दत्त ने इसी रणनीति का प्रयोग किया। आर्यन ने गेंद को अंदर की तरफ एंगल दिया जिससे वह सीधे अभिषेक के शरीर की लाइन में आई। अभिषेक उस गेंद की लाइन में नहीं आ सके और बोल्ड को गये। अभिषेक को शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिली जिसके कारण वह आउट हो गए। गेंदबाजों ने इस प्रकार अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी पर अंकुश लगा दिया है।

वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैच हारने का रिकॉर्ड ओमान के नाम

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज का अंत ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत और ओमान की निराशाजनक हार के साथ हुआ। मिचेल मार्श की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओमान को सिर्फ 9 विकेट से रौंद दिया। ओमान ने इस वर्ल्ड कप में अपने चारों मैच गंवा दिए और एक बार फिर टूर्नामेंट से बाहर होने का कड़वा अनुभव झेला। इस हार के साथ ओमान टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई, और उन्होंने बांग्लादेश के रिकॉर्ड के बराबरी कर ली। ओमान ने पहली बार 2016 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, जब तीन ग्रुप स्टेज मैचों में केवल एक जीत दर्ज की गई थी। 2021 में जीशान मकसूद की कप्तानी में भी टीम ने तीन मैचों में केवल एक ही जीत हासिल की। 2022 के एडिशन के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए और 2024 में आकिब इलियास की कप्तानी में कोई जीत हासिल नहीं हुई। इस बार भी चार हार के साथ वे ग्रुप क्र में सबसे नीचे रहे। ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम लीग मैच में ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर आउट किया। लेग स्पिनर एडम जैंपा ने चार विकेट चटकाए और सिर्फ 21 रन खर्च किए। जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। जवाब में मिचेल मार्श ने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और ट्रेविस हेड ने 19 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। दोनों ने 93 रन की साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 9.4 ओवर में जीत दिलाई। मार्श ने सात चौके और चार छक्के लगाए, जबकि हेड ने छह चौके जड़े। यह टी20 वर्ल्ड कप में 100+ रन का लक्ष्य पूरा करने वाली अब तक की सबसे तेज जीत साबित हुई। ऑस्ट्रेलिया ने औपचारिकता के इस मैच को शानदार अंदाज में समाप्त किया, वहीं ओमान का रिकॉर्ड एक बार फिर निराशाजनक बना।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर टी20 सीरीज जीती

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एडिलेड में खेले गए निर्णायक तीसरे टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में 159 रन ही बना सकी। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने दबाव भरे हालात में 82 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गईं। हालांकि इसके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने दूसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की। मंधाना ने 55 गेंदों में 82 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 3 छक्के शामिल थे। रोड्रिग्स ने भी 46 गेंदों पर 59 रन की सूझबूझ भरी पारी खेली। अंत में ऋचा घोष ने 7 गेंदों में 18 रन जोड़कर टीम को 176/5 तक पहुंचा दिया, हालांकि आखिरी ओवर में भारत ने तेजी से तीन विकेट गंवाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम की शुरुआत भी खराब रही। रेणुका सिंह ठाकुर के पहले ओवर में 18 रन जरूर बने, लेकिन जल्द ही श्रेयंका पाटिल ने भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद रेणुका ने बेथ मूनी को आउट कर टीम को मजबूती दी। एलिस पैरी भी सिर्फ 1 रन बनाकर पाटिल की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इस शुरुआती झटकों के बाद ऑस्ट्रेलिया दबाव से उबर नहीं पाई। फोएबे लिचफील्ड ने 26 रन की पारी खेली, लेकिन श्री चरणी ने उन्हें आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। अरुणधति रेड्डी ने लगातार दो विकेट चटकाते हुए ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों को और कमजोर किया। एश्ली गार्डनर ने जरूर 45 गेंदों में 57 रन बनाकर प्रतिरोध किया, लेकिन उन्हें भी रेड्डी ने पवेलियन भेज दिया।

ग्रेस हैरिस हिट-विकेट हुईं और सोफी मोलीनेक्स भी श्री चरणी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुईं। अंत में श्रेयंका पाटिल ने एमी सदरलैंड को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की आखिरी उम्मीद भी खत्म कर दी। भारतीय गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने न केवल सीरीज अपने नाम की, बल्कि मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दमदार खेल दिखाते हुए आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

दुबई टेनिस चैंपियनशिप : कोको गॉफ को हराकर फाइनल में एलिना स्वितोलिना

दुबई। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में अमेरिका की Coco Gauff को तीन सेटों के कड़े मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली। तीन घंटे तीन मिनट तक चले इस रोमांचक मैच में स्वितोलिना ने 6-4, 6-7 (13), 6-4 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान उन्होंने कई मैच प्वाइंट गंवाए, लेकिन निर्णायक सेट में दमदार वापसी कर जीत अपने नाम की। दूसरे सेट का टाई-ब्रेक बेहद रोमांचक रहा, जिसे स्वितोलिना 13-15 से हार गईं। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और तीसरे सेट में संयम व आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए मुकाबला जीत लिया। यह दुबई में उनका तीसरा फाइनल है और 2018 के बाद पहला। मैच के बाद कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में स्वितोलिना ने कहा, 'उस लड़ाई के बाद मेरे पास शब्द नहीं थे। मैं पूरी ताकत झोंक रही थी और ऐसे खेल रही थी जैसे कल है ही नहीं। आप सभी के समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। कुछ सालों बाद यहां फिर से फाइनल में होना और उस खूबसूरत ट्रॉफी को उठाने का मौका मिलना बहुत खास है।' इस जीत के साथ स्वितोलिना ने डब्ल्यूटीए टूर स्तर पर कोको गॉफ के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 3-2 कर लिया है। अब वह फाइनल में अमेरिका की Jessica Pegula से भिड़ेंगी। यह 2018 के रोम टूर्नामेंट के बाद स्वितोलिना का पहला WTA 1000 फाइनल है। रोम 2018 और दुबई 2026 के बीच सात साल 277 दिन का अंतर है, जो इस स्तर के फाइनल्स के बीच सबसे लंबा अंतराल माना जा रहा है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : बासित अली का दावा – भारत-पाकिस्तान में होगा फाइनल

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई-वोल्टेज मुकाबला हो चुका है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की इच्छा इससे भी आगे की है। फैंस अब दोनों टीमों को एक बार फिर आमने-सामने देखने का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज बासित अली के बयान ने टूर्नामेंट को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। बासित अली का मानना है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा और सलमान अली आगा की अगुवाई वाली पाक टीम 8 मार्च को भारतीय टीम से खिताबी मुकाबले में भिड़ेगी। यह भविष्यवाणी उन्होंने एक पाकिस्तानी टीवी शो के दौरान की, जहां शो के होस्ट शोयब मलिक ने उनसे टी20 वर्ल्ड कप के चार सेमीफाइनलिस्ट चुनने को कहा। बासित ने बिना झिझक भारत और पाकिस्तान को फाइनलिस्ट बताते हुए कहा कि वे दोनों टीमों को अंतिम मुकाबले में खेलते हुए देख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचने वाली बाकी दो टीमें माना। वहीं शो में मौजूद पूर्व विकेटकीपर कमरान अकमल ने थोड़ा अलग अनुमान लगाते हुए भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को शीर्ष चार में शामिल किया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के साथ एक्स ग्रुप में है। दूसरी ओर पाकिस्तान इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ वाई ग्रुप में शामिल है। दोनों समूहों में प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होने वाली है और हर मैच टीमों के अभियान को गहराई से प्रभावित कर सकता है।

श्रीकांत ने वरुण को आधुनिक युग का महान गेंदबाज बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की जमकर प्रशंसा की है। श्रीकांत का मानना है कि वरुण आधुनिक युग के महान गेंदबाज हैं और तेज जसप्रीत बुमराह से भी कहीं बेहतर हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज के अनुसार वरुण को अभी तक उतनी सराहना नहीं मिली है जितनी मिलनी चाहिये थी। वरुण ने अब तक टी20 विश्व कप के चार मैचों में 6.88 की औसत और 5.16 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट लिए हैं। वरुण और बुमराह ने अब तक साथ में 21 मैच खेले हैं, जिनमें विकेट लेने के मामले में वरुण ने बुमराह को पीछे छोड़ दिया है। वरुण ने 32 विकेट लिए हैं, जबकि बुमराह के 22 विकेट हैं। श्रीकांत के अनुसार इसके बाद भी वरुण को वह सम्मान नहीं मिला है जो मिलना चाहिये जबकि दुनिया भर के बेहतरीन बल्लेबाज भी उसने सामने सहज नजर नहीं आते। पहले जो काम बुमराह करते थे वही वरुण अब कर रहे हैं। साथ ही कहा कि उनकी ज्यादातर गेंदें ऑफ स्टंप और मिडिल स्टंप के आसपास होती हैं। ऐसे में दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ, गेंदें थोड़ी अंदर की ओर आती है और फिर घूमती है जबकि उनकी गूगली तेजी से अंदर की ओर आती है। उनके ज्यादातर विकेट अच्छी लेंथ या थोड़ी कम लेंथ की गेंदों से आते हैं। फुल लेंथ की गेंदें भी नहीं। यहां तक कि उनकी शॉर्ट बॉल भी समझ नहीं आती हैं। इससे बल्लेबाजों को पता नहीं चलता कि वह किस प्रकार की गेंदबाजी कर रहें है। अभी लगता है कि वह गूगली फेंक रहे हैं तो अभी लगता है कि वह सीधी गेंद फेंक रहे हैं जो धीमी आ रही है या तेज वह भी समझ नहीं आता। अचानक वह एक तेज गेंद फेंकता है। फिर वह गति बदल देता है।' श्रीकांत का मानना है कि अगर भारत 2026 टी20 विश्व कप जीतता है, तो वरुण टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के प्रबल दावेदार हैं।

फीफा वर्ल्ड कप से पहले बड़ा संकेत, नेमार ने संन्यास को लेकर तोड़ी चुप्पी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। ब्राज़ील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने संकेत दिया है कि वह 2026 के अंत में प्रोफेशनल फुटबॉल से संन्यास ले सकते हैं। हालांकि उनका पूरा फोकस इस साल होने वाले FIFA World Cup 2026 में ब्राज़ील का प्रतिनिधित्व करने पर है। लगातार चोटों से जूझ रहे 34 वर्षीय नेमार फिलहाल फिटनेस हासिल करने की जद्दोजहद में हैं और एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

सैंटोस में वापसी के बाद फिर से मिला आत्मविश्वास

Santos FC के साथ अपने करियर की नई शुरुआत कर रहे नेमार ने दिसंबर 2025 में घुटने की सर्जरी करवाई थी। इससे पहले वह एसीएल (ACL) चोट के कारण पूरा सीजन नहीं खेल पाए थे। FC Barcelona और Paris Saint-Germain के साथ सफल कार्यकाल के बाद नेमार ने अपने पुराने क्लब सैंटोस में वापसी की है। उनका कॉन्ट्रैक्ट कैलेंडर वर्ष के अंत तक बढ़ा दिया गया है।

नेमार ने कहा, 'मुझे नहीं पता भविष्य में क्या होगा। संभव है कि दिसंबर में मैं संन्यास लेने का फैसला करूं। मैं दिन-प्रतिदिन जी रहा हूं। यह साल मेरे लिए, सैंटोस के लिए और ब्राज़ीलियन नेशनल टीम के लिए बेहद अहम है।'

फिटनेस पर पूरा ध्यान, आलोचनाओं का दिया जवाब

नेमार ने बताया कि वह इस सीजन 100 प्रतिशत फिट होकर लौटना चाहते थे, इसलिए कुछ मैचों में आराम किया। उन्होंने कहा कि लोग बाहरी बातें करते हैं, लेकिन वह अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दे रहे हैं। 'मैं बिना दर्द और बिना डर के, पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहता था। आखिरी मैच में मेरी वापसी अच्छी रही। मैं धीरे-धीरे अपनी लय में आ रहा हूं।'

वर्ल्ड कप में वापसी बड़ी प्राथमिकता

ब्राज़ील के लिए 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राज़ील के कोच Carlo Ancelotti उनकी फिटनेस पर नजर बनाए हुए हैं।

ब्राज़ील को FIFA World Cup 2026 में ग्रुप C में रखा गया है। टीम 13 जून को Morocco national football team के खिलाफ MetLife Stadium में अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे। फिलहाल नेमार का पूरा ध्यान फिटनेस और प्रदर्शन पर है, जबकि उनके करियर का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है।

आमिर खान के बेटे जुनैद संग बनेगी तमन्ना की जोड़ी

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है?

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा।

फिल्म 'रागिनी 3' में शामिल उम्दा टीम

तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है। साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

कई फिल्म प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं तमन्ना भाटिया?

फिल्म 'रागिनी 3' के अलावा तमन्ना भाटिया 'वी शांताराम' की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म 'वन' भी कर रही हैं। इसके अलावा 'रेंजर' नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में पीआर के साथ काम करने को लेकर बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने पब्लिक अपीरियंस को लेकर भी कहा कि वो क्यों ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भले ही उन्होंने कभी-कभी पीआर टीम के साथ काम किया है, लेकिन वह खुद को उस सिस्टम से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस नहीं करतीं।

शोभिता ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मैंने थोड़े-बहुत समय के लिए पीआर फर्म के साथ काम किया है। लेकिन मेरी पर्सनैलिटी और जिस तरह की जिंदगी मैं जीना चाहती हूं, उसके हिसाब से मैंने तय किया है कि मुझे इस तरह की 'एम्प्लीफिकेशन' की जरूरत नहीं है। मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती और न ही चाहती हूं कि हर समय मेरे बारे में बातें हों। यह मेरी रुचि नहीं है और मुझे यह अपने लिए जरूरी नहीं लगता।'

पीआर के साथ करने पर बोलीं शोभिता

उन्होंने आगे साफ किया कि वह फिलहाल पीआर के साथ काम नहीं कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह हर किसी की अपनी पसंद होती है। उन्होंने कहा, 'मैं पीआर के साथ काम नहीं करती, लेकिन शायद यह किसी और के लिए सही हो। इस मामले में कोई नियम तय नहीं है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, और मुझे अपनी पसंद को लेकर पूरी स्पष्टता है।' शोभिता का यह बयान दिखाता है कि वह लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम और निजी जीवन को अहमियत देती हैं। शोभिता आखिरी बार लव सितारा में नजर आईं थीं, जो फिलहाल जीफाइव पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले वो 'चीकाटिलो' फिल्म में नजर आईं थीं, जो कि एक सस्पेंस-थ्रिलर है।

पलाश मुछाल की फिल्म में नजर आएंगी डेजी शाह

बीते दिन पलाश मुछाल के लिए काफी मुसीबतों भरे गुजरे। पहले महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना से शादी टूटी फिर उन पर पैसों को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे। मगर अब पलाश अपने विवादों को पीछे छोड़ अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर ध्यान दे रहें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पलाश जल्द ही अपना अपकमिंग प्रोजेक्ट रिलीज कर सकते हैं। अपने पोस्ट में तरण ने बताया कि पलाश एक मुंबई बेस्ड थ्रिलर सीरीज लाने वाले हैं। जिसमें एक्ट्रेस डेजी शाह और एक्टर श्रेयस तलपडे नजर आएंगे। हालांकि अब तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया। मेकर्स ने भी अब तक फिल्म की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी मगर पलाश ने पोस्ट शेयर कर के इन रिपोर्ट्स पर मुहर लगा दी है। पोस्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म में लीड कैरेक्टर्स के नाम डेजी शाह और श्रेयस तलपड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेयस एक आम आदमी के किरदार में नजर आएंगें। अब तक फिल्म की सिर्फ इतनी ही जानकारी शेयर की गई है। फिल्म की बाकी कास्ट, स्टोरी लाइन , रिलीज डेट कुछ भी मेकर्स ने रिवील नहीं किया।

'तू या मैं' ने बदली शनाया की सोच

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, ''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है।'' अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया।

क्या रणवीर सिंह की जगह अब ऋतिक रोशन निभाएंगे 'डॉन 3' में लीड रोल?

एक्टर ने किया खुलासा

हाल ही में रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' मूवी से किनारा कर लिया था। इसके बाद से ही फरहान अख्तर की डॉन 3 फिल्म चर्चाओं में है और ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि रणवीर के बाद अब कौन इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएगा। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

फिल्म का हिस्सा होने पर क्या बोले ऋतिक

एक्टर ऋतिक रोशन ने शुक्रवार के दिन खुलासा किया कि उन्हें कभी 'डॉन 3' के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। उनका ये बयान तब सामने आया जब ये खबरें सामने आ रही थी कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के जाने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन को रोल देने के लिए अप्रोच किया है। बातचीत में ऋतिक ने कहा, 'जो अफवाहें फैल रही थी, अब उनपर विराम लगाने का समय आ गया है। मैं साफ तौर पर ये बात कह रहा हूं कि मुझे कभी 'डॉन 3' फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। मैं मीडिया से अनुरोध करता कि वे इस तरह की किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट से दूर रहें।' हालांकि अबतक फरहान अख्तर और रणवीर सिंह ने इन अटकलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन अफवाहें थीं कि दोनों के बीच किसी मतभेद का असर 'डॉन 3' पर पड़ा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि ऋतिक रोशन ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में डॉन 3 की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है।

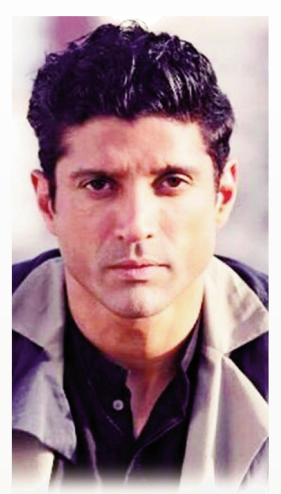

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स, मेरे नाम पर कोई 100 करोड़ की फिल्म नहीं बनाएगा

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मुझे पता है मैं क्या नहीं चाहती

बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।

पोस्टर पर स्टार लाता है बॉक्स ऑफिस पर पैसा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

'कोहरा 2' में नजर आई हैं मोना सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और दिग्गी सिसोदिया द्वारा निर्मित और रणदीप झा द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में मोना सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ बरुण सोबती, रणविजय सिंह, अनुराग अरोरा और पूजा भामर्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

बाल गीत :

बच्चों को जब गुस्सा आया

जाड़ा आया, जाड़ा आया
शीतल पवन साथ में लाया।
गद्दा उठा अभी बिस्तर से,
फिर रजाई से हाथ मिलाया।
चाय पिलाई अदरक वाली,
केसर वाला दूध पिलाया।
छुपा रखा था पेटी भीतर,
निकला स्वेटर बाहर आया।
धोकर और सुखाकर मां ने,
छुन्नू-मुन्नू को पहनाया।
शीत लहर जब चली भयानक,
पापा ने हीटर जलवाया।
सी-सी करते दादाजी ने,
दादी से टोपा मंगवाया।
इस पर घर के सब बच्चों को,
बड़ों-बड़ों पर गुस्सा आया।
डांट-डांट कर सभी बड़ों को,
बिस्तर के भीतर घुसवाया।

-प्रभुदयाल श्रीवास्तव

युवाओं के करियर में पेरेंट्स की भूमिका

आज के युवा अपने निर्णय खुद लेने में विश्वास करते हैं। अक्सर वे अपने निर्णयों में माता-पिता को शामिल नहीं करते। घूमने के लिए बाहर जाने से लेकर बात चाहे करियर की क्यों न हो।

अक्सर यह देखा जाता है कि किसी छात्र ने अगर 10वीं पास की है। उसे 11वीं में किसी विषय का चयन करना है। वह अपने माता-पिता या बड़े भाई या बहन से सलाह लेना उचित नहीं समझता, बल्कि वह बाहरी माहौल से प्रभावित होकर अपने निर्णय खुद ही लेता है।

अगर किसी विषय में उसकी रुचि हो भी जिसमें वह करियर बनाना चाहता हो तो उस विषय में क्या करियर संभावनाएं हैं, इसकी तलाश उसे करनी चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता या बड़े भाई-बहन से भी उस पर सलाह लेना जरूरी है। सलाह में फायदे हैं, इसलिए बाद में अपने निर्णय पर पछताना से अच्छा है कि पहले ही अपने घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह-मशविरा कर लें।

कॉम्पिटिशन से युवाओं पर भी अपेक्षाओं का बोझ बढ़ा है। बात करियर बनाने की क्यों न हो। आज भले ही संचार माध्यमों में वृद्धि हो गई। इंटरनेट से कोई भी जानकारी का आसानी से जुटाई जा सकती है। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अनुभव सबसे बड़ी चीज है। अनुभव कोई बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं है।

माता-पिता या परिजनों से ही हमें जीवन के सही मायने समझ में आएंगे। वे जो भी रास्ता दिखाएंगे वह सही होगा। कभी-कभी माता-पिता की अपेक्षाएं भी बच्चों से बढ़ जाती हैं। इन अपेक्षाओं के बोझ तले युवा दब जाते हैं। इससे उनकी जिंदगी निराशा की ओर मुड़ जाती है।

माता-पिता या परिजन भी यह ध्यान रखें कि वे अपने निर्णय युवाओं पर थोप कर उन पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। अपने बच्चों की रुचि पहचानकर ही उन्हें भविष्य के लिए कोई सलाह दें और सही करियर चुनने में उनका मार्गदर्शन करें। सही मार्गदर्शन, सही विषय को चुनने के बाद अगर युवा उस पर मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे तो सफलता मिलेगी।

इन पांच तरीकों से होगा बच्चों का दिमाग तेज

केवल परीक्षा के समय ही नहीं बल्कि दिमाग का हर समय सक्रिय होना जरूरी है। इसके लिए आप खानपान से लेकर अन्य कई तरीके भी आजमाते हैं ताकि बच्चों का दिमाग तेज हो और वे हर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करें। जानिए 5 आसान और प्रभावकारी तरीके, जो दिमाग तेज करने में मदद करते हैं –

1 दिमागी कसरत

दिमाग तेज करने का सबसे प्रभावकारी तरीका है, दिमागी कसरत। इसके लिए आप बच्चों के साथ कोई दिमागी खेल जैसे-प्रश्नोत्तरी, शब्दकोश भरना या सही विकल्प चुनो खेल सकते हैं। दोस्तों की मदद से इस तरह के खेल खेले जा सकते हैं। यह बच्चे की याददाश्त को बढ़ाने के साथ ही याद रखने की इच्छा भी बनाए रखेगा।

2 नई भाषा

बच्चों को कम उम्र में भी अन्य भाषाओं का ज्ञान होने से उनका दिमाग ऐसे बच्चों की तुलना में तेज चलता है, जो केवल एक ही भाषा जानते हैं। इस तरह से बच्चे में और भी योग्यताएं विकसित होती हैं।

3 खेलकूद

बच्चे खेलकूद में जितने फुर्तीले होते हैं, उनका दिमाग उतना ही तेज और सक्रिय होता है। इस तरह से बच्चों के दिमाग में ऑक्सीजन का प्रवाह भी सही होता है, जो उनके दिमाग के लिए बहुत अच्छा होता है।

4 कलात्मकता

बच्चों का कला के प्रति रूझान दिमाग को विकसित करता है और नई चीजों के सीखने में मदद करता है। इस प्रकार बच्चों की कल्पनाशीलता में भी वृद्धि होती है, और वे बहुआयामी सोच रखते हैं।

5 गणित

जी हां, बचपन से ही बच्चे को गणित का अच्छा अभ्यास होना उसके दिमाग को तेज करने में मदद करता है। यही कारण है कि जिन लोगों की गणित में अधिक रूची होती है, वे अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा बुद्धमिान होते हैं।

विक्की की ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड़ में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

'माँ, दादीजी कहाँ हैं?' उसने पूछा।

'रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।'

विक्की एकाएक उदास हो गया। उसकी माँ ने पूछा, 'क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।'

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, 'हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा।'

वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, 'मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।' आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा, 'मैंने परसों क्या कहा था?'

'यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए,' गोलमटोल उषा ने जवाब दिया। 'तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे?' उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

'अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।' इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

'क्या बात है?'

'महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा।' कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी। सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

'तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।'

विक्की ने जो कुछ किया, इसकी उसे बहुत खुशी थी।

आधुनिक तकनीक ने जहां एक ओर हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं दूसरी ओर इसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। रात में आईपैड, लैपटॉप या ई-रीडर पर किताबें पढने से नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है। इससे सोने के लिए तैयार होने में लगने वाले वक्त और नींद के कुल समय पर नकारात्मक असर पडता है। हाल ही में अमेरिका में हुए इस शोध की प्रमुख एक यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर एना मारिया का कहना है कि इस शोध के लिए कुछ लोगों पर कई हफ्ते तक नजर रखी गई। इसमें से आधे लोगों को रात में सोने से पहले ई-बुक और आधे लोगों को सामान्य किताब पढने के लिए कहा गया।

इसके बाद इन लोगों में नींद वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन के स्तर, नींद की गहराई और अगली सुबह उनकी सजगता के स्तर की जांच की गई। शोध में पाया गया कि जो लोग रोज ई-बुक पढ़ते हैं, वे कई घंटे कम सोते हैं और उनमें रैपिड आई मूवमेंट स्लीप का समय भी कम हो जाता है। गौरतलब है कि नींद की इसी अवस्था में यादें संरक्षित होती हैं। इसलिए ज्यादा समय तक ई-बुक पढने से स्मरणशक्ति कमजोर होती है और डिमेंशिया का भी खतरा बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप पढने की शौकीन हैं तो ई-बुक के बजाय किताबों के साथ वक्त बिताएं। अगर किसी वजह से ई-बुक पढना जरूरी हो तो भी रात में सोने से पहले ई-बुक पढने से बचें।

ई-बुक नहीं बुक पढ़ें

बच्चों की परीक्षा के समय ध्यान रखें ये बातें

कई बार परीक्षा में पेपर देखते ही हम ब्लैंक हो जाते थे। कई शोधों में ये बात सामने आई है कि इसकी वजह अत्यधिक तनाव बढ़ता है। अक्सर टीनएजर्स इस तनाव से गुजरते हैं। वे इसे अपने दोस्तों, माता-पिता और शिक्षकों के सामने मान-प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। परीक्षा के समय में बच्चों से जुड़ी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. व्यवस्थित बनाएं

उसकी जरूरत की चीजों को उसके पास रखें। सारी चीजें का ढेर न लगा दें। अगर बच्चें की अंग्रेजी की परीक्षा है तो ध्यान रहे उस वक्त व गणित की किताबें न पलटें। टाइमटेबल बनाने में उसकी मदद करें। मैक्स हेल्थकेयर गुड़गांव की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एनी सिमि जॉन कहती हैं उसे एक बार में एक ही काम करने को कहें।

2. ब्रेक लेने के लिए कहें

शोध बताते हैं कि ज्यादा वक्त तक बैठना उपयोगी नहीं होता। लगातार 50 से 90 मिनट तक बैठना सही माना जाता है। अपने बच्चे को हर चार घंटे बाद करीब 15 मिनट का ब्रेक लेने को कहें। यह दिमाग को सूचनाएं याद रखने में मदद करता है। उसे बाहर वॉक करने के लिए कहें। ऑक्सीजन रक्त संचार को बढ़ाता है। फिजिकल एक्टिविटी भी तनाव कम करती है।

3. पावर फूड दें

पढ़ाई के दौरान दिमाग सारे ग्लुकोज का उपभोग कर लेता है। कोलकाता की न्युट्रिशनिस्ट हीना नफीस कहती हैं बच्चे को पढ़ाई के दौरान शरीर को फिर से फ्यूल देना पढ़ता है। उसे ओमेगा थ्री और मेग्नीशियम और आयरन की ज्यादा मात्रा वाला भोजन दें। उसे नट्स, किडनी बीन्स और ताजे फल खाने को दें।

4. समय पर सोने को कहें

जर्मनी में यूनिवर्सिटी ऑफ ल्युबैक की एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग नींद के दौरान नई चीजों को स्टोर करता है। इसके लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।

बच्चों की परवरिश में ध्यान रखनी चाहिए ये बातें

बेटे-बेटी के लालन-पालन में भेद नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार तो यह पाप है। इस संसार की जो पहली पांच संतानें हुई थीं, उनमें से तीन बेटियां थीं। मनु-शतरूपा हिंदू संस्कृति के अनुसार मनुष्यों के पहले माता-पिता थे और उनसे जो मैथुनि सृष्टि निर्मित हुई उसमें दो पुत्र- उत्तानपाद और प्रियव्रत तथा तीन बेटियां -आकुति, देवहुति और प्रसूति ने जन्म लिया था। समझदार माता-पिता अब दोनों को एक जैसा पाल रहे हैं, लेकिन इसी के साथ एक जागरूकता और आनी चाहिए। लालन-पालन में भेद न करें, लेकिन दोनों के सामने जो भविष्य में चुनौतियां आने वाली हैं, उस फर्क को उन्हें जरूर समझाएं। बेटियों को एक दिन बहू बनना है, जो सबसे बड़ी चुनौती है।

इस समय की पढ़ी-लिखी बच्चियां अपने वैवाहिक जीवन के बाद के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंतित तो हैं पर फिर भी एक बेफिक्री है कि संबंध नहीं जमा तो तोड़ लेंगे। किंतु उनके मां-बाप के लिए तो यह जीवन-मरण का प्रश्न है, इसलिए बच्चों के लालन-पालन में बेटे-बेटी को यह एहसास जरूर कराया जाए कि स्त्री के लिए क्या मायने हैं ससुराल के। पहला तो बदलाव, दूसरा अपेक्षा और तीसरा अपने ससुराल में आत्मनिर्भर होकर बिना कलह के मार्ग ढूंढ़ना। ये तीन बड़ी चुनौतियां स्त्री के सामने आती हैं। स्त्री जब बहू बनती है तो उसे नए घर में दो बातें नहीं भूलनी चाहिए। योजनाबद्ध तरीके से विनम्रता के साथ सबको जीता जाए। पेट की भूख सही ढंग से यदि मिटा दी जाए, तो दिल जीता जा सकता है, इसलिए अन्न पर माता-बहनों का नियंत्रण किसी भी घर में समाप्त नहीं होना चाहिए। जिस घर में माता-बहनों के हाथ से अन्न का नियंत्रण निकलेगा, उस घर में शांति संदेहास्पद हो जाएगी। इस चुनौती को इसी तरह से समझाया जाए।